आज का मौसम
26.0° अधिकतम तापमान
13.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.23
सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष पंचमी 01:55 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

रविवार, 9 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 280, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धन शोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति की कुर्क - 9

■ डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर जरूरी सूचनाओं को रखने में सक्षम - 12

■ शटडाउन : अमेरिका में हवाई यातायात चौपट एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द - 13

■ भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अवधी खानपान को मिला दुनिया का सलाम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

तीर्थाटन-पर्यटन से यूपी में मिला लाखों लोगों को रोजगार : मोदी

प्रधानमंत्री ने काशी से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री ने बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना किया, जबकि दिल्ली-फिरोजपुर, लखनऊ-सहारनपुर और एर्नाकुलम-बेंगलुरू वंदे भारत एक्सप्रेस को वर्चुअली झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में तीर्थाटन और पर्यटन से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ रुपये का सीधा लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला।

प्रधानमंत्री मोदी ने भोजपुरी में बाबा विश्वनाथ के पावन नगरी में सभी प्रणाम निवेदित करते हुए कहा कि भारत की तीर्थ यात्राएं केवल धार्मिक नहीं, बल्कि देश की आत्मा को जोड़ने वाली परंपरा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट, कुरुक्षेत्र जैसे पावन धाम अब वंदे भारत नेटवर्क से जुड़ रहे हैं, जिससे आस्था और विकास दोनों का संगम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्ष में उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन और पर्यटन से आर्थिक गतिविधियों को नया बल मिला है। पिछले वर्ष 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने आए, जबकि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद 6 करोड़ से अधिक लोग रामलला के दर्शन कर चुके हैं।

इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ और लाखों लोगों को रोजगार मिला। पीएम ने कहा, विकसित देशों की प्रगति का सबसे बड़ा आधार मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर रहा है। भारत भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वाराणसी में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते प्रधानमंत्री मोदी।

यूपी में तीर्थाटन और पर्यटन की आर्थिकी

- 2025 में अनुमानित पर्यटक आगमन : 65 करोड़ से अधिक
- 2028 तक अनुमान : 80 करोड़ पर्यटक
- 2028 तक आर्थिक अनुमानित योगदान : 70,000 करोड़
- मुख्य लाभ : आतिथ्य, परिवहन, हस्तशिल्प और लघु उद्योगों को बढ़ावा
- 2023 में प्रमुख शहरों का योगदान : अयोध्या, वाराणसी, मथुरा और प्रयागराज में 28.79 करोड़ पर्यटक
- 2025 में इन चार स्थलों पर आगमन : 41.56 करोड़ पर्यटक

काशी अब पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल

मोदी ने कहा कि काशी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी पूर्वांचल की हेल्थ कैपिटल बन गया है। पहले मरीजों को इलाज के लिए मुंबई जाना पड़ता था, लेकिन अब शहर में ही अत्याधुनिक अस्पताल, कैंसर सेंटर, आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों से लोगों को राहत मिल रही है। कहा कि काशी में रहना, काशी आना और यहां जीना अब सबके लिए विशेष अनुभव बन गया है। शहर में गैस पाइपलाइन, स्टेडियम, और रोपवे जैसे कई प्रोजेक्ट तेजी से पूरे हो रहे हैं।

आस्था का अपमान करने वालों को नहीं देना वोट

मोतिहारी/पिपरा, एजेंसी

- सीएम योगी बिहार में विपक्ष पर बरसे, कहा- कांग्रेस-आरजेडी ने यहां की मेधा को किया कुंद
- कहा- राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का विरोध कर रहे हैं महागठबंधन वाले

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार के रण में शनिवार को ताबड़तोड़ तीन रैलियां करके कांग्रेस-राजद महागठबंधन पर करारा हमला बोला। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के प्रत्याशियों को लेकर विपक्षी दलों को घेरा। योगी ने कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। राम का विरोध और आस्था का अपमान करने वालों को कतई वोट नहीं देना है। मुख्यमंत्री ने मोतिहारी, पिपरा और अतरी विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने राजद, कांग्रेस, ए माले समेत महागठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि भगवान राम-कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस राम को नकारती थी, राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी। कांग्रेस और महागठबंधन वाले भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस, राजद, ए माले व इनके सहयोगी अपने-अपने क्षेत्र के कुख्यात सरगना और जंगलराज के अपराधी हैं। जिस बिहार ने दुनिया को ज्ञान दिया। उसे राजद, नक्सलवाद व माओवादियों के गठबंधन ने साक्षरता में पीछे ढकेल दिया। अपनी प्रतिभा व मेधा के लिए जगविख्यात बिहार का नौजवान पहचान के लिए मोहताज हुआ तो इसकी दोषी कांग्रेस, राजद व ए माले है। अयोध्या से सीतामढ़ी को जोड़ने वाले राम जानकी मार्ग पर 6155 करोड़ से काम शुरू हो गया है। अब गोरखपुर से सिलीगुड़ी को जोड़ने वाला एक्सप्रेसवे भी मोतिहारी होते हुए जाएगा।

बिहार को अंधकार में धकेला

योगी ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय, चाणक्य और आर्यभट्ट की धरती को राजद-कांग्रेस ने अंधकार में धकेल दिया। दुनिया नालंदा में ज्ञान लेने आती थी, जहाँ एक साथ दस हजार विद्यार्थी पढ़ते थे, लेकिन राजद-कांग्रेस के शासन में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे पहुंच गया। कहा कि जब एनडीए ने सत्ता संभाली, तब बिहार की साक्षरता दर 33% थी, जिसे अब बढ़ाकर 75% तक पहुंचाया गया है। पीएम मोदी 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहे हैं, जबकि यह लोग (विपक्षी दल) गरीबों का राशन और पशुओं का चारा खा गए थे।

ब्रीफ न्यूज

फिल्म महोत्सव में सम्मानित होंगे रजनीकांत

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में 50 वर्षों के उल्लेखनीय सफर के लिए सुपर स्टार रजनीकांत को गोवा में 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। यह महोत्सव 20 से 28 नवंबर तक आयोजित होगा, जिसमें दुनिया भर की विविध फिल्मों और सिनेमाई प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इस वर्ष के फिल्म महोत्सव में 81 देशों की 240 से अधिक फिल्में प्रदर्शित होंगी, जिनमें 13 विश्व प्रीमियर, चार अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर और 46 एशियाई प्रीमियर शामिल हैं।

जीवन साथी चुनना व्यक्तिगत स्वतंत्रता व निजता का अभिन्न अंग

नई दिल्ली। जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता संविधान के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता का अभिन्न अंग है तथा परिवार या समुदाय सहमति से विवाह करने वाले दो वयस्कों की पसंद में बाधा नहीं डाल सकते। यह बात दिल्ली उच्च न्यायालय ने शीर्ष कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कही। हाईकोर्ट ने कहा कि शीर्ष अदालत ने माना है कि भारत में जाति का सामाजिक प्रभाव अब भी मजबूत है और अंतरजातीय विवाह एकीकरण को बढ़ावा देकर और जातिगत विभाजन को कम करके एक मूल्यवान संवैधानिक व सामाजिक कार्य करते हैं।

फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित छात्र ने खुद को लगाई आग

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना कस्बे के डीएवी कॉलेज में शनिवार को फीस जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए गए एक छात्र ने आत्मदाह का प्रयास किया। छात्र को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि डीएवी कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष के छात्र उज्ज्वल राणा (22) ने शुल्क जमा नहीं होने पर परीक्षा से वंचित किए जाने से क्षुब्ध होकर खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि 70 प्रतिशत तक जल चुके छात्र उज्ज्वल को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

विदेशी फंडिंग जुटाने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को पनाह देने वाला गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

फरहान नबी

- यूपी एटीएस ने नोएडा से दबोचा यूपी व पंजाब में खरीदी थी मस्जिद के लिए जमीन
- फंडिंग जुटाने वाली इस्तांबुल इंटरनेशनल कंपनी का सह निदेशक है आरोपी

अमृत विचार: यूपी एटीएस ने शुक्रवार देर रात को नोएडा से धार्मिक वैमनस्यता फैलाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने विदेश से 11 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई थी। वहीं, बांग्लादेशी घुसपैठियों को पनाह दिया था। पकड़ा गया आरोपी दिल्ली का रहने वाला फरहान नबी सिद्दीकी है। वह भड़काऊ किताबों को भी प्रकाशित करता था। वहीं, फंडिंग जुटाने वाली इंस्तांबुल इंटरनेशनल कंपनी का सह निदेशक है। एटीएस मामले की जांच कर रही है।

एटीएस के अधिकारी के मुताबिक फरहान नबी सिद्दीकी ने विदेशी फंडिंग से उत्तर प्रदेश के अमरोहा व पंजाब में मस्जिद व मदरसे के लिए जमीन खरीदी थी। अवैध रूप से भारत आने वाले बांग्लादेशियों को वह शरण दे रहा था। उसके पास से 2 मोबाइल, 3 लैपटॉप और हिंदी, उर्दू, अरबी, बांग्ला भाषा में प्रकाशित 12 किताबें बरामद की गई हैं। एटीएस ने इस मामले का एफआईआर दर्ज किया है। फरहान अपने साथी नासी तोर्बा के साथ मिलकर कई कंपनियों का संचालन करता है। तुर्की और जर्मनी से तमाम लोग आते थे। जिसकी सूचना पुलिस को नहीं दी जाती थी। उनकी कंपनियों में विदेश से हवाला एवं अन्य माध्यम से पैसा मंगाया जा रहा था।

एटीएस के मुताबिक दोनों अपने कई सहयोगियों के साथ इस्तांबुल इंटरनेशनल प्रा. लि., हकीकत वाकफी फाउंडेशन, रियल ग्लोबल एक्सप्रेस लाजिस्टिक प्रा. लि. कंपनियों का संचालन करते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को घोषणा की कि संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। विपक्ष ने इसे बहुत देर से बुलाया गया और संक्षिप्त सत्र बताया।

तीन सप्ताह के इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि यह सत्र निर्वाचन आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को अंजाम दिए जाने के बीच हो रहा है। कई विपक्षी दलों ने एसआईआर को लेकर आपत्तियां जताई हैं।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में एक अभियान शुरू किया गया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर आतंकवादियों को रुकने को कहा उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में दोनों आतंकियों को मार गिराया।

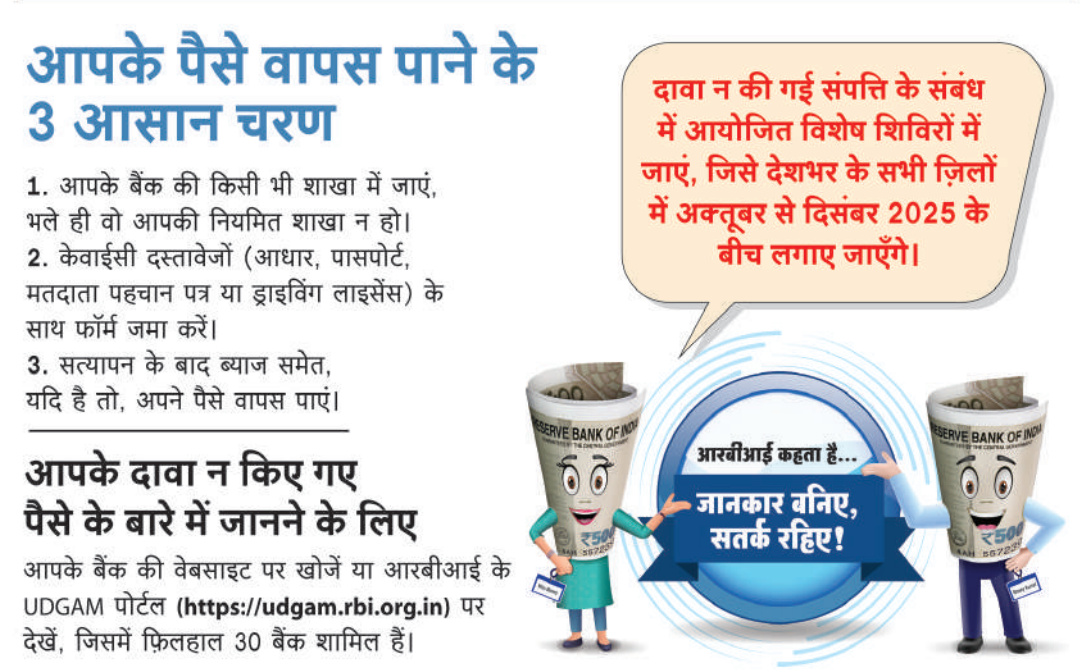

सम्मान | उत्तर प्रदेश, राजस्थान, एमपी और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में निरक्षरता चक्र को तोड़ा

बेटियों का भविष्य सुधारने वाली 'एजुकेट गर्ल्स' को रेमन मैग्सेसे

मनीला(फिलीपींस). एजेंसी

- फिलीपींस की राजधानी मनीला में हुआ समारोह का आयोजन

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

सफीना हुसैन

भारतीय गैर-लाभकारी संस्था 'एजुकेट गर्ल्स' को प्रतिष्ठित रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था ने यह सम्मान उन हजारों क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और युवा मार्गदर्शकों को समर्पित किया है, जिन्होंने दूरदराज के गांवों में स्कूल न जाने वाली लड़कियों की शिक्षा के लिए काम किया है।

इस पुरस्कार की सार्वजनिक रूप से घोषणा 31 अगस्त को की गई थी और औपचारिक समारोह शुक्रवार को फिलीपींस की राजधानी स्थित मेट्रोपॉलिटन थिएटर में आयोजित हुआ। वर्ष 2007 में स्थापित 'एजुकेट गर्ल्स' उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और बिहार के 30,000 से अधिक गांवों में गरीबी और निरक्षरता के चक्र को तोड़ने के लिए काम करती है। 55 हजार से अधिक समुदाय-आधारित स्वयंसेवकों के समर्थन से यह गैर-लाभकारी संगठन 20 लाख से अधिक लड़कियों को स्कूल वापस लेकर लाया है और शिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 24 लाख से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई है। 'एजुकेट गर्ल्स' की स्थापना 2007 में 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' की स्नातक सफीना हुसैन ने की थी। संस्था की सीईओ गायत्री नायर लोबो ने कहा कि यह सम्मान लड़कियों को शिक्षित करने के एक उद्देश्य से एकजुट होकर एक साथ आने वाले लोगों की अद्भुत शक्ति की याद दिलाता है। यह हमारे सामूहिक प्रयासों, नवोन्मेषी कार्यक्रमों और सरकार की प्रभावशाली योजनाओं का सम्मान करता है। क्षेत्रीय समन्वयकों, स्वयंसेवकों और प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों समेत 25 सदस्यीय 'एजुकेट गर्ल्स' टीम पुरस्कार समारोह के लिए फिलीपीन्स की राजधानी पहुंची थी।

साहस व धैर्य से प्रेरित करती हैं लड़कियां

सफीना हुसैन ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी लड़कियों के लिए है, जो अपने साहस और धैर्य से हमें प्रेरित करती हैं। वे लड़कियां जो घरेलू जिम्मेदारियों को संभालती हैं और अपने-अपने परिवार और अपने देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए देर रात तक पढ़ाई करती हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान के माध्यम से हम उन अभिभावकों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और 'टीम बालिका' के 55,000 स्वयंसेवकों का सम्मान करते हैं। उनका समर्पण दर्शाता है कि जब समुदाय लड़कियों को शिक्षित करने के लिए एकजुट होते हैं, तो हर लड़की को अवसर, विकल्प, आवाज और स्वतंत्रता मिलती है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 9 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

फ्री राशन वितरण शुरू 25 तक चलेगा अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में नि:शुल्क राशन वितरण का विशेष अभियान शनिवार से शुरू हो गया है, जो 25 नवंबर तक चलेगा। खाद्य एवं रसद विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों के आपूर्ति अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वितरण पूरी तरह ई-पास मशीन के माध्यम से दर्ज किया जाएगा, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और किसी पात्र कार्डधारक को राशन से वंचित न रहना पड़े।

वंदे भारत ट्रेनों से पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बनारस से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन ट्रेनों से राज्य में पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई दिशा मिलेगी। शुरू होने वाली इन ट्रेनों में बनारस-खजुराहो और लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें भी शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वंदे भारत ट्रेनें काशी, प्रयागराज, लखनऊ, सहारनपुर और बुंदेलखंड जैसे प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों तक पहुंच को आसान बनाएंगी।

जय प्रकाश की बसपा में वापसी, बने प्रभारी

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी से निष्कासित किए गए पूर्व नेता जय प्रकाश सिंह को दोबारा पार्टी में शामिल कर लिया है। मायावती से मुलाकात के बाद उन्हें पश्चिम बंगाल और ओडिशा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। जय प्रकाश सिंह को वर्ष 2017 में बसपा से निष्कासित किया गया था। दरअसल, उन्होंने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को 'विदेशी' कहकर विवाद खड़ा कर दिया था। उनके इस बयान के बाद अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया था। पार्टी के पदाधिकारी का कहना है कि बसपा प्रमुख ने जय प्रकाश सिंह को दोबारा मौका देकर यह स्पष्ट किया है कि पार्टी अनुभवी और जमीनी कार्यकर्ताओं को लेकर आगामी चुनाव में उतरेगी।

यूपी को मिले उत्पादक राज्य का दर्जा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ओपन मार्केट सेल स्कीम (डोमेस्टिक) की घोषणा का स्वागत किया है और खुले बाजार में गेहूं उपलब्ध कराने की पहल के लिए भारत सरकार एवं भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही मांग की है कि उप्र. को उत्पादक राज्य घोषित किया जाए। एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक कुमार बजाज ने शनिवार को कहा कि इस नीति से मूल्य स्थिरता बनाए रखने और आटा उद्योग के लिए पर्याप्त कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

भारत पर्व में प्रतिभाग करेंगे प्रदेश के कलाकार

अमृत विचार, लखनऊ : संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि भारत पर्व 2025 में भाग लेने के लिए संस्कृति विभाग उप्र. के चयनित सांस्कृतिक दल केवड़िया (गुजरात) जायेगा। पर्यटन मंत्री ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि विभाग द्वारा चयनित सांस्कृतिक दल में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ कलाकार शामिल हैं, जो प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित करेंगे।

चुनाव आयोग नहीं निभा रहा जिम्मेदारी : आराधना

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस विधान मंडल दल की नेता आराधना मिश्रा ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग

अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। वह कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ईसीआई आधार कार्ड को आईडी नहीं मान रहा है, तो पीएम नरेंद्र मोदी खुद जवाब दें। क्योंकि वे लगातार आधार का ही बखान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में एसआईआर का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए संविधान बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान शुरू हो रहा है। इसका हर हाल में विरोध किया जाएगा। राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा। इसे रोकने की मांग की जाएगी। इस मौके पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया, सांसद उज्ज्वल रमन सिंह, किशोरी लाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी ने बाल कवि सम्मेलन कराने की जताई इच्छा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मोदी ने विद्यार्थियों की कविता सुन रचनात्मकता को सराहा
- मुख्यमंत्री जल्द पीएम की इच्छा अनुरूप बनाएंगे कार्ययोजना

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वंदे भारत ट्रेनों के शुभारंभ समारोह में काशी के विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए 'बाल कवि सम्मेलन' आयोजित कराया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया कि शिक्षक और प्रशासन मिलकर इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करें। मोदी के इस निर्देश पर जल्द ही योगी सरकार कार्ययोजना तैयार करेगी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन के दौरान सीट पर बैठे बच्चों से बात करने पहुंचे। इसी दौरान विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत' विषय पर शानदार कविताएं और चित्र प्रस्तुत किए। इससे पीएम मोदी इतने आह्लादित हुए कि मंच से जिक्र करना नहीं भूले। कहा कि काशी के सांसद के रूप में मुझे गर्व है कि मेरे शहर के बच्चे इतने प्रतिभाशाली हैं। मैं चाहता हूं कि इन बच्चों का कवि सम्मेलन काशी में कराया जाए और कुछ बच्चों को पूरे देश में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि बच्चों की रचनात्मक सोच विकसित भारत की मजबूत नींव रखेगी। ये बच्चे ही भविष्य के इंजीनियर, वैज्ञानिक, कवि और नीति निर्माता हैं। हमें उनकी प्रतिभा को मंच देना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी की ऊर्जा और उत्साह पूरे देश को प्रेरित करता है। विकसित भारत के निर्माण में काशी का योगदान हमेशा अग्रणी रहेगा। उन्होंने इस अवसर पर विद्यार्थियों को विकसित भारत के युवा दूत बताते हुए उन्हें नई तकनीक, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

वाराणसी के दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री मोदी को विदा करते मुख्यमंत्री योगी, रेल मंत्री व अन्य।

बच्चों में पढ़ने की आदत जगाएगा शिक्षा विभाग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर सप्ताह एक नई पुस्तक पढ़ने को दी जाएगी

अमृत विचार : मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती लत से दूर कर बच्चों को पुस्तकों के प्रति आकर्षित करने की दिशा में अब शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। विभाग के निर्देश पर अब विद्यार्थियों को हर सप्ताह एक नई पुस्तक पढ़ने को दी जाएगी, जो उनके पाठ्यक्रम से अलग होगी। इसके बाद विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उस पुस्तक का सारांश प्रस्तुत करना होगा। साथ ही, विद्यालयों में पुस्तक आधारित प्रतियोगिताएं, चर्चाएं और क्विज भी कराई जाएंगी।

अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों पुस्तक पढ़ो अभियान को विद्यालयों में व्यापक रूप से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न के स्थान पर पुस्तक भेंट की जाए। इसके अलावा, विद्यालयों में पुस्तक चर्चा, समीक्षा सत्र और साहित्यिक गोष्ठियां आयोजित की जाएं ताकि विद्यार्थी विचार साझा करने की भी आदत विकसित करें।

15 तक सभी जिलों में गणना प्रपत्र करें वितरित

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की एसआईआर की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

नवदीप रिणवा

- मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करें: रिणवा
- कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो
- अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूरी

अमृत विचार : मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो। कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो और सभी पात्र नागरिकों के नाम अवश्य जोड़े जाएं।

वे शनिवार को प्रदेशभर के जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रगति को लेकर वर्चुअल बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी जिलों में राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उन्हें एसआईआर की प्रक्रिया और आयोग के निर्देशों से अवगत करा दिया है। राजनीतिक दलों से बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का अनुरोध किया गया है, जो बीएलओ का सहयोग करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने समीक्षा में पाया कि अधिकांश जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई लगभग पूर्ण हो चुकी है। हालांकि प्रयागराज, मेरठ, हरदोई, बहराइच, वाराणसी, बलरामपुर, सोनभद्र, गाजीपुर, देवरिया, अमरोहा, जौनपुर, फतेहपुर, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कासगंज, आगरा, उन्नाव, बदायूं, बांदा और हापुड़ में वितरण की गति धीमी पाई गई। इन जिलों को 15 नवंबर तक शत-प्रतिशत वितरण पूरा करने के निर्देश दिए गए।

रिणवा ने कहा कि सभी बीएलओ एडवांस वर्जन 8.7 वाले बीएलओ को प्ले स्टोर से डाउनलोड करें और जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए जा रहे हैं, उन्हें ऐप पर मार्क करते रहें, ताकि वितरण की प्रगति ऑनलाइन अपडेट हो सके। मतदाता स्वयं भी voters.eci.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से गणना प्रपत्र ऑनलाइन भर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची से वर्तमान सूची की मैपिंग का कार्य दो दिनों में पूर्ण किया जाए। मतदाताओं की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने "बुक ए कॉल विद बीएलओ" सुविधा भी प्रारंभ की है, जिसके अंतर्गत कोई भी मतदाता पोर्टल पर आवेदन कर अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट कर सकता है। बीएलओ को 48 घंटों के भीतर संपर्क कर निस्तारण करना होगा। रिणवा ने स्पष्ट किया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही या निर्देशों की अवहेलना पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

मतदाताओं को फोन कर हो रहा समाधान

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की तरह प्रचार-प्रसार हो। सभी जिलों में जिला संपर्क केंद्र (डीसीसी) संचालित कर दिए गए हैं, जहां मतदाताओं की कॉल दर्ज कर समाधान किया जा रहा है। किसी भी जिले में डीसीसी से संपर्क के लिए उस जिले के एसटीडी कोड के साथ 1950 डायल करना होगा।

सोशल मीडिया पर साझा होगी दैनिक प्रगति

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि एसआईआर की दैनिक प्रगति मीडिया और सोशल मीडिया पर साझा की जाए और किसी भी भ्रामक पोस्ट का तथ्यपरक उत्तर तत्काल दिया जाए। बीएलओ को मानदेय समय से प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

छापेमारी में मिले 43 लाख नकद और दस्तावेज

मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले मामले में कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गुरुवार को यूपी, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर एक साथ ईडी ने की थी छापेमारी

अमृत विचार: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली व हरियाणा के 15 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की यह कार्रवाई मोनाड यूनिवर्सिटी से जुड़े फर्जी डिग्री घोटाले की जांच के दौरान की गई। छापेमारी के दौरान टीम को 43 लाख रुपये नकदी, अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मिले।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापेमारी के संबंध में शुक्रवार देर रात को सूचना जारी की। साथ ही अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर जानकारी दी। ईडी के अधिकारी के मुताबिक, गुरुवार की छापेमारी के दौरान 43 लाख रुपये, कई गोपनीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किये गये हैं। सारे दस्तावेज फर्जी डिग्रियों की बिक्री और कथित धनशोधन से जुड़े बताए जा रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा में एक साथ 15 ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी की टीमें नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, दिल्ली और गुरुग्राम सहित कई स्थानों पर पहुंचीं और संदिग्ध लोगों के आवासों व कार्यालयों की तलाशी ली। इस दौरान डिजिटल डेटा, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और फर्जी डिग्री से जुड़ी कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

ये था मामला

यूपी एसटीएफ ने 18 मई को मोनाड विश्वविद्यालय में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में जाली शैक्षणिक दस्तावेज बरामद हुए। जिसमें अंकपत्र, डिग्री, प्रोविजनल सर्टिफिकेट व माइग्रेशन सर्टिफिकेट शामिल थे। ये सारे मोनाड विश्वविद्यालय पिलखुआ हापुड़ द्वारा जारी किये गये थे। आरोपियों ने हजारों रुपये लेकर ये सारे दस्तावेज बेचे थे। इस मामले में एसटीएफ ने तत्काल दस आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ पिलखुआ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि विजेंद्र सिंह उर्फ विजेंद्र सिंह हुड्डा इस संगठित गिरोह का मास्टरमाइंड और सरगना है। वह मोनाड विश्वविद्यालय का कुलाधिपति और नियंत्रक अधिकारी है। साथ ही इसकी जानकारी हुई कि वह सरस्वती मेडिकल कॉलेज, उन्नाव का सचिव भी है। इस मामले में एसटीएफ 11 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दिया है।

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा का मतदाता पुनरीक्षण अभियान संगठन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय : धर्मपाल

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची सशक्त लोकतंत्र की बुनियाद है। हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना और किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न होना, यही सच्चे लोकतांत्रिक समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि जिला व विधानसभा स्तर पर वॉर रूम बनेगा।

वह शनिवार को चंदौसी और गाजीपुर में आयोजित बैठक में मंडल अध्यक्षों, विधानसभा संयोजकों और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा का मतदाता पुनरीक्षण अभियान संगठन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। इस अभियान के माध्यम से पार्टी हर गांव, हर गली और हर घर तक पहुंचेगी ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो और बोगस मतदाताओं के नाम हटाए जाएं। यह अभियान केवल संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि लोकतंत्र को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने का एक राष्ट्रीय दायित्व है।

अलीगढ़ में एसआईआर पर लगाई जाए रोक : सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2003 की मतदाता सूची से एसआईआर कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जारी स्पेशल इन्टेंसिव रीविजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाए और निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुरूप 2003 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर कराई जाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को ज्ञापन की जानकारी देते हुए बताया कि अलीगढ़ के 76-अलीगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 383 पोलिंग स्टेशनों की 2003 की मतदाता सूची न तो निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है, न ही जिला निर्वाचन कार्यालय या बीएलओ के पास। ऐसी स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा 2002 की मतदाता सूची के आधार पर एसआईआर शुरू कराई जा रही है, जबकि करीब 150 पोलिंग स्टेशनों के बीएलओ. के पास 2002 की सूची भी नहीं है।

उन्होंने बताया कि 2003 की सूची उपलब्ध न होने की स्थिति में बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट सकते हैं, जो लोकतंत्र की हत्या के समान होगा और निर्वाचन आयोग के नियमों का खुला उल्लंघन है।

प्रदेशभर में भाजपा निकालेगी एकता पदयात्राएं, तैयारी शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने की तैयारियों की समीक्षा

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान के राष्ट्रीय संयोजक सुनील बंसल ने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी के साथ अभियान की तैयारियों को लेकर वर्चुअल बैठक सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। यह आयोजन 10 से 20 नवंबर के बीच प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में यूनिटी मार्च पदयात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ गांव, गली और शहरों तक पहुंचेंगी। बंसल ने कहा कि प्रत्येक पदयात्रा लगभग 8 से 10 किलोमीटर मार्ग तय करेगी। मार्ग में पौधरोपण, सांस्कृतिक आयोजन तथा समापन स्थल पर सभा आयोजित की जाएगी। बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, मंत्री सुरेश खन्ना, धर्मपाल सिंह, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, बेबी रानी मौर्य, अनिल राजभर आदि मौजूद रहे।

टेंडर में कम रेट डालने पर देनी होगी डेढ़ गुना सिक्योरिटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लोक निर्माण विभाग ने तैयार किया प्रस्ताव
- मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद कैबिनेट में होगा पेश, ठेकेदारों पर बढ़ेगा वित्तीय अनुशासन

अमृत विचार : सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। इसी मकसद से लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया के नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी की है। अब अगर कोई ठेकेदार विभागीय लागत से बहुत कम दर पर टेंडर भरेगा, तो उसे 50 से 150 प्रतिशत तक अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी के बाद प्रस्ताव राज्य कैबिनेट में अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

लोक निर्माण विभाग का मानना है कि बेहद कम रेट पर बोली लगाने से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है, इसलिए ठेकेदारों को सोच-समझकर रेट भरने की दिशा में यह बड़ा कदम है। अभी तक के नियमों के अनुसार, यदि ठेकेदार विभागीय लागत से कम दर लगाता है तो उतने प्रतिशत का परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करना होता है, पर नई व्यवस्था में यह काफी सख्त की गई है।

हर टेंडर पर लागू होगा नया नियम

प्रस्ताव के अनुसार, यह प्रावधान सड़कों, पुलों, पुलियों, भवनों सहित सभी प्रकार के सरकारी निर्माण कार्यों के टेंडरों पर लागू होगा। विभाग का तर्क है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए ठेकेदारों की वित्तीय जवाबदेही और जोखिम दोनों बढ़ाने होंगे। नया प्रावधान ठेकेदारों को कम दरों की अनावश्यक होड़ से रोकेगा। जो भी कार्य होंगे, वे गुणवत्ता के मानकों पर खरे उतरेंगे। इसका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

प्रस्ताव के मुताबिक, यदि किसी ठेकेदार या निर्माण एजेंसी ने टेंडर में विभाग द्वारा आगणित लागत से 10 प्रतिशत तक कम रेट भरा है, तो उसे कोई अतिरिक्त परफार्मेंस सिक्योरिटी नहीं देनी होगी। 10 से 15 प्रतिशत कम रेट डालने पर लागत के अंतर का 50 प्रतिशत परफार्मेंस सिक्योरिटी के रूप में जमा कराना होगा।15 से 20 प्रतिशत कम रेट पर यह सिक्योरिटी 100 प्रतिशत होगी। 20 प्रतिशत से अधिक कम रेट डालने वालों को लागत के अंतर का 150 प्रतिशत तक परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी।

प्रधानमंत्री को सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : बिहार में चुनावी सभाओं में सपा प्रमुख

अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की सरकार बन रही है। मै तेजस्वी यादव से कहूंगा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद बिहार के मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर उनको आगे की पढ़ाई के लिए मदद करेंगे। सपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि दिल्ली से जो आते हैं, वे प्रधानमंत्री नहीं उद्योगपति हैं। उन्हें गरीबों की चिंता नहीं है। उन्होंने महंगाई चरम पर पहुंचा दिया है। उन्हें गरीबों नहीं सिर्फ उद्योगपतियों की चिंता है।

खुलासा | नौ दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर चल रही पूछताछ, उगले कई राज

युवकों को जिहाद के लिए तैयार कर रहा था बिलाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एटीएस की गिरफ्त में है एक्यूएएस संगठन का सक्रिय सदस्य

अमृत विचार: सहारनपुर का रहने वाला बिलाल खान जिस आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूएएस) का सक्रिय सदस्य है। उसका गठन तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने किया था। इसके माध्यम से भारत में आतंकी गतिविधियों और हिंसात्मक जिहाद करने की साजिश रची जाने लगी। बिलाल ने इसके लिए जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तर भारत के कई राज्यों में नेटवर्क खड़े करने लगा। युवकों से सीधा संपर्क कर उनको हिंसात्मक जिहाद के लिए तैयार करने लगा। इसके लिए वह ऑपरेशन सिंदूर में मारे गये आतंकियों को बिलाल खान ने शहीद बताया। एटीएस की जांच में खुलासा हुआ कि वह हिंसात्मक जिहाद से जुड़े हजारों लोगों की सूची भी तैयार कर रखा था। जिनके मोबाइल पर उसने भड़काऊ वीडियो भी भेजे हैं।

एटीएस की जांच में सामने आया कि बिलाल पाकिस्तान के 4 हजार नंबरों से लगातार संपर्क में था। वह ओसामा, अल जवाहरी व मसूद अजहर की तरह बन कट्टरवाद को पूरी दुनिया में फैलाना चाहता था। उसके निशाने पर भारत के प्रमुख राज्य, धार्मिक स्थल और धर्मगुरु निशाने पर थे। एटीएस को जब इसकी जानकारी हुई जांच शुरू की और 15 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर बिलाल को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस की अर्जी पर कोर्ट ने 4 नवंबर से 12 नवंबर तक की नौ दिन की रिमांड मंजूर की है। अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य था। बिलाल द्वारा अपने पाकिस्तानी हैंडलर के जरिये ऑर्गेनाइजेशन से ज्वाइन करने के बाद सामने आई। यह लगातार पाकिस्तानी हैंडलर से बात करता और उनके माध्यम से एक्यूआईएस की गतिविधि अंजाम देने के लिए निर्देश मिलते थे।

एटीएस की पूछताछ व बिलाल के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कई अहम राज सामने आये। बिलाल ने एक्यूआईएस की बयत (निष्ठा की शपथ) अपने पाकिस्तानी हैंडलर से ले रखी थी। एटीएस बिलाल व उसके साथियों से पिछले पांच दिन से पूछताछ कर रही है। कुछ अहम सुराग मिले हैं। जिसके आधार पर अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

पाकिस्तान से करता था मॉड्यूल का संचालन

तीन सितंबर 2014 को अलकायदा ने अपने इंडियन सब कांटीनेंट माड्यूल (एक्यूआइएस) का गठन किया था और भारत में इसकी गतिविधियों को बढ़ाने की जिम्मेदारी अलकायदा के चीफ रहे खूंखार आतंकी अल जवाहिरी को सौंपी गई थी। अल जवाहिरी की अफगानिस्तान में मौत हो गई थी। उसके बाद मौलाना असिफ उमर को इंडियन माड्यूल को आगे बढ़ाने का जिम्मा सौंपा गया था। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के संभल का निवासी असिम उमर पाकिस्तान चला गया था और वहीं से इस माड्यूल का संचालन कर रहा था। पाकिस्तान में रहकर वह भारत में आतंकियों की नर्सरी तैयार करने में जुटा था।

बिजली बिल समय से चुकाएं सरकारी संस्थान : गोयल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ने सभी राजकीय एवं अर्द्धराजकीय संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने विद्युत बिलों का भुगतान समय पर करें, ताकि विलंब भुगतान अधिभार (अर्थदंड) से बचा जा सके। शासन ने स्पष्ट किया है कि विद्युत बिलों का भुगतान अब केंद्रीयकृत रूप से उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा किया जाना निर्धारित है, बावजूद पंचायती राज विभाग के अधीन संस्थान, जल निगम (नगरीय एवं ग्रामीण) आदि अभी भी स्थानीय स्तर पर भुगतान कर रहे हैं।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्य के सरकारी व अर्द्धसरकारी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शासनादेश संख्या 1/2022/ई-099/22/2022, 05 मई 2022 के अनुसार यह व्यवस्था लागू की गई थी, ताकि सभी सरकारी उपभोक्ता समय से बिल चुका सकें। परंतु कुछ संस्थाओं द्वारा भुगतान में देरी के कारण यूपीपीसीएच को उत्पादकों को भुगतान करने में कठिनाई हो रही है, जिससे पावर कॉरपोरेशन को या तो राज्य सरकार से अतिरिक्त धनराशि मांगनी पड़ती है या फिर ऊंची ब्याज दर पर लोन लेना पड़ता है।

डॉ. केशव अग्रवाल को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति हैं डॉ. केशव अग्रवाल | जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में यूपीएएसआई कॉन-2025 का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के सर्जरी विभाग द्वारा बिठूर स्थित थीम पार्क में आयोजित यूपीएएसआई कॉन-2025 के दूसरे दिन शनिवार को सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर बरेली इंटरेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जीडी यादव, डॉ. आर के मौर्या व डॉ विकास कटियार ने उन्हें अवार्ड दिया। सम्मेलन में वरिष्ठ चिकित्सकों ने सर्जरी की आधुनिक पद्धतियों, जटिल रोग प्रबंधन, रोबोटिक हस्तक्षेप, न्यूनतम इनवेसिव विधियों और अत्याधुनिक तकनीकी समागम के साथ एक ऐतिहासिक छाप छोड़ी।

लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड के साथ बरेली इंटरेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल।

स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा की

- बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल ने मौजूद डॉक्टर्स से चिकित्सा सेवा की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की। उन्होंने जीएसवीएम मेडिकल कालेज प्राचार्य प्रो. संजय काला से कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं आदि पर चर्चा की और पढ़ाई के दौरान की अपनी यादें ताजा कीं।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला और वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ वार्ता करते बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल।

सुश्रुत सभागार, धन्वंतरि मंच और प्रो.तारा सिंह गोल्डन रुबेली हॉल में समानांतर रूप से आयोजित वैज्ञानिक सत्रों में देश के सर्जन, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने अपने गहन अनुभव व प्रमाण आधारित जानकारी साझा की। साथ मिलकर वरिष्ठ डॉक्टरों ने अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। सम्मेलन में बीएचयू के डायरेक्टर डॉ.एसएन संखवार ने बताया कि बच्चों में जंक फूड व फास्ट फूड का सेवन का चलन काफी बढ़ गया है। शारीरिक गतिविधियां कम है और खानपान सही नहीं होने की वजह से प्रोटीन व फाइबर की कमी देखने को मिल रही है। शरीर में प्रोटीन व फाइबर की कमी के कारण बच्चों में किडनी में स्टोन की समस्या देखने को मिल रही है। पांच वर्ष तक के बच्चों में स्टोन की समस्या देखी गई है। वहीं, 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में भी पानी की कमी, खान-पान की बदलती आदतें, ज्यादा नमक, चीनी, और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मोटापे में वृद्धि और गतिहीन जीवनशैली मुख्य वजह है। डॉ. मो.असलम ने बताया कि अत्यधिक शराब टेस्टोस्टेरोन के स्तर को कम करती है, शुक्राणु उत्पादन को नुकसान पहुंचाती है और डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती है। ड्रग्स शुक्राणु उत्पादन और गुणवत्ता को खराब कर सकते हैं। एनाबॉलिक स्टेरॉयड और मांसपेशियों की वृद्धि के लिए उपयोग किए जाने वाले स्टेरॉयड से अंडकोष सिकुड़ सकते हैं और शुक्राणु उत्पादन कम हो सकता है। धूम्रपान से शुक्राणुओं की संख्या और गुणवत्ता में कमी आती है। अप्रत्यक्ष धूम्रपान भी हानिकारक हो सकता है। वहीं, छोटेपन में हर्निया की समस्या होने की वजह से भी बांझपन का खतरा हो सकता है। डॉ.राजीव खन्ना ने बताया कि कई बार हर्निया में आंत के फंसने से आंत का वह हिस्सा बाहर निकल आता है, जो वापस नहीं जा पाता है। यह जानलेवा हो सकता है और तुरंत आपातकालीन सर्जरी की आवश्यकता होती है। यूपीएएसआई के अध्यक्ष डॉ. निखिल सिंह ने बताया कि प्रेसिडेंशियल ओरेशन ट्रॉमा, इमरजेंसी व क्रिटिकल केयर का मुख्य उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार और गंभीर चोटों वाले मरीजों के लिए उन्नत, जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करना है। इसमें दुर्घटनाओं, अचानक दिल का दौरा पड़ने या अन्य गंभीर चिकित्सीय आपात स्थितियों से पीड़ित मरीजों को तत्काल और प्रभावी सहायता देना शामिल है। इस अवसर पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला, हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह, डॉ.विकास कटियार, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ.आनंद मिश्रा, डॉ. शालीन अग्रवाल, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अंकुर बंसल , डॉ.अवनीश कुमार, डॉ.हारित चतुर्वेदी, डॉ.मुकुल खेतान, डॉ.एएस सेंगर आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्यशाला का आयोजन

कुशीनगर, अमृत विचार : हाटा में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर विधायक मोहन वर्मा की देखरेख मे मतदाता ग्रहन पुनरीक्षण कार्यशाला आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय और अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने किया। उक्त अवसर पर पदाधिकारी व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला मंत्री बाबू नंदन सिंह, मुंशी सिंह, मोहन पटेल, ज्ञान विक्रम सिंह, चंद्रपाल कनौजिया, मनोज पाण्डेय, सुकरौली ब्लाक प्रमुख रंजना पासवान, हाटा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव, मोतीचक ब्लॉक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह, राम बचन सिंह, अखिलेश दास गुप्ता, ऋषि त्रिपाठी सहित अन्य उपस्थित रहे।

जाली नोट मामले में पुलिस ने आरोपित से की पूछताछ

मेंहदावल (संतकबीरनगर)। मेंहदावल क्षेत्र में दीपावली पर्व पर 100 और 500 रुपये के जाली नोट खपाने के मामले में शनिवार को पुलिस ने संदिग्ध आरोपित से पूछताछ किया है। हालांकि, जांच में अभी कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं, पुलिस अब पूछताछ का दायरा बढ़ाकर तथ्यों का अवलोकन कर रही है। बताते चलें कि दीपावली की रात कस्बे के एक स्थान पर कुछ युवक जुआ खेल रहे थे। खेल के दौरान एक युवक हार गया और उसने नकली नोट दांव पर लगा दिए। जुआ जीतने वाले युवक जब उन नोटों को बाजार में खर्च करने पहुंचे तो नोट फर्जी निकला था। फिर, जीतने वाले युवक गुस्से में हारने वाले युवक के घर पहुंच गए और हंगामा किया। वहां मौजूद आस-पास के लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया। इस बीच जुए में हारने वाला युवक मौके से फरार हो गया। चर्चा थी कि जुए में हारने वाला युवक नकली नोटों की खेप महाराष्ट्र से लेकर आया था, जिनमें 500 और 100 के नोट शामिल थे। इन नोटों पर आरबीआई की लिखावट भी दर्ज थी, जिससे वे असली जैसे प्रतीत हो रहे थे। इसी मामले में एसपी संदीप कुमार मीना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच तीन टीमें गठित की है।

देश-विदेश में पहुंच रही काला नमक चावल की खुशबू

दो दिवसीय काला नमक चावल क्रेता-विक्रेता सम्मेलन कार्यक्रम का मंत्री राकेश सचान ने किया उद्घाटन

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। दो दिवसीय काला नमक चावल बुद्धा राइस द्वितीय क्रेता विक्रेता सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन बीएसए ग्राउण्ड में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान ने फीता काटकर किया। इस मौके पर सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल, नेता प्रतिपक्ष, विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, विधान परिषद सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी, पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश चन्द्र द्विवेदी व जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, एसपी डॉ. अभिषेक महाजन, सीडीओ बलराम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके बाद अतिथियों ने कालानमक चावल के लगे स्टालों का भ्रमण कर अवलोकन किया तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

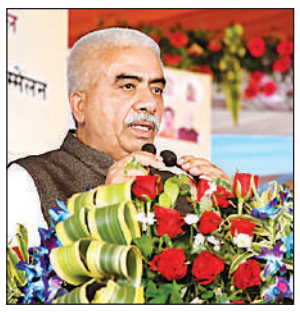

कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री राकेश सचान व कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते अधिकारी। अमृत विचार

मुख्य अतिथि ने कहा कि आज हम लोग भगवान गौतम बुद्ध की धरती पर द्वितीय क्रेता विक्रेता सम्मेलन में उपस्थित हुए हैं। यहां से भगवान गौतम बुद्ध के शान्ति अहिंसा करूणा का संदेश पूरे विश्व में गया है। कालानमक चावल भगवान गौतम बुद्ध का प्रसाद है जिसकी खुशबू देश-विदेश में पहुंच रही है।

जनपद में कालानक चावल को बढ़ावा देने के लिए सीएफसी स्थापित की गयी। सीएफसी सही ढंग से संचालित हो जिससे किसानों को लाभ प्राप्त हो सके। कालानमक को बढ़ाने के लिए 2 और सीएफसी स्थापित कराया जायेगा। सीएफसी पर राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी उपलब्ध करायी जा रही है। उ0प्र0 सरकार द्वारा ओडीओपी योजना एवं युवा उद्यमी विकास योजना संचालित की गयी है जिसके माध्यम से उद्योग स्थापित करने हेतु ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। युवा उद्यमी विकास योजना के अन्तर्गत 05 लाख तक बिना ब्याज का ऋण दिया जा रहा है। ओडीओपी-2 योजना संचालित होने वाली है। खाने पीने के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ओडीओसी योजना भी संचालित होने वाली है। उन्होने कहा कि कालानमक को बढ़ाने के लिए जो डिमांड होगी उसे पूरा कराया जायेगा। माननीय मंत्री जी द्वारा जिला प्रशासन, वैज्ञानिकगण एवं किसानों को क्रेता विक्रेता सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

मृतका के पति व देवर के खिलाफ केस दर्ज

बखिरा (संतकबीरनगर)। बखिरा पुलिस ने पत्नी के फंदे से लटककर सुसाइड करने के मामले में शनिवार को मृतका के पति और देवर के विरुद्ध सुसाइड के लिए विवश करने का मुकदमा दर्ज किया है। मृतका चार बच्चों की मां थी। यह मुकदमा मृतका की मां कान्ती देवी की तहरीर पर दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना चौकी प्रभारी सुरेन्द्र कुमार सिंह को सौंपी गई है। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतका की मां कान्ती देवी पत्नी झीनक निवासी मोहल्ला अव्वल, केवटलिया थाना मेंहदावल ने तहरीर देकर बताया कि उसने अपनी पुत्री की शादी सोनू पुत्र राजकुमार, निवासी मोहल्ला मेड़रापार थाना बखिरा से की थी। शादी के बाद प्रारंभ में सब कुछ ठीक रहा लेकिन, पिछले 5-6 वर्षों से सोनू के स्वभाव में परिवर्तन आ गया था। वह आए दिन विवाद उससे करता था और पत्नी को मारता-पीटता और कहता था कि वह दूसरी शादी करेगा। कान्ती देवी का आरोप है कि सोनू और उसके परिजन बेटी को परेशान करते थे।

पूजा विशेष गाड़ियों का हो रहा संचालन

गोरखपुर, अमृत विचार। छठ महापर्व के बाद यात्रियों की वापसी यात्रा के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा लगातार पूजा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को उनके कार्यस्थल पर वापसी में परेशानी न हो। इसी क्रम में 05093/05094 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 9 नवम्बर को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 11 नवम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेज यान का 1, एल.एस.एल.आर.डी. का 1, शयनयान श्रेणी के 7, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 08 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। 05095/05096 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 10 नवम्बर को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12 नवम्बर को किया जायेगा। 05097/05098 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा वाया गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 11 नवम्बर को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 13 नवम्बर को किया जायेगा। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेज यान का 1, सामान्य द्वितीय श्रेणी/कुर्सीयान के 4, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 10, शयनयान श्रेणी के 4 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 1 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

आज चलाई जाएंगी पूजा विशेष गाड़ियां

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा 9 नवम्बर को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियां हैं। 9 नवम्बर को 05131 गोरखपुर-बहराइच, 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई), 05132 बहराइच-गोरखपुर, 01416 गोरखपुर-पुणे, 03216 थावे-पटना और 05093 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी चलाई जायेगी।

ककरहवा बॉर्डर पर दवाइयां बरामद

ककरहवा, सिद्धार्थनगर । अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमा के ककरहवा बॉर्डर पर शुक्रवार को एसएसबी और मोहाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। टीम ने सीमा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान सामान्य दवाइयों का एक खेप बरामद किया। दवाइयों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर माल को जब्त कर लिया गया। बरामद दवाइयों को कस्टम अधिनियम की धारा 11 के तहत विधिक कार्रवाई के लिए कस्टम कार्यालय ककरहवा भेज दिया गया। इस संयुक्त अभियान में उपनिरीक्षक दीपक सिंह, सुदीप यादव, चौकी प्रभारी लालपुर, उमेश कुमार और मंजेश कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पुलिस ने उतरवाए 50 अवैध लाउड स्पीकर

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। जिले में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को कोतवाली खलीलाबाद पुलिस समेत अन्य थानों की पुलिस ने अपने क्षेत्रों में धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर अभियान चलाकर कुल 50 से अधिक लाउडस्पीकर उतरवाए। जबकि अन्य स्थानों पर लगे उपकरणों की ध्वनि सीमा को नियंत्रित कराया गया। पुलिस की कार्रवाई से डीजे संचालकों में भी हड़कंप मचा रहा।

8 नवंबर से 10 नवंबर तक चलने वाले अभियान की शुरुआत जिला मुख्यालय स्थित कोतवाली खलीलाबाद के मगहर क्षेत्र से हुई। कोतवाल पंकज कुमार पांडेय की अगुवाई में पुलिस ने मगहर कस्बा और आस-पास के क्षेत्र के कुल 7 धार्मिक स्थलों पर बिना अनुमति अथवा निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि पर बजाए जा रहे 12 लाउडस्पीकर्स को उतरवाए। जबकि, बखिरा पुलिस ने इलाके में अभियान के तहत कुल 5 धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर लगे 8 अवैध स्पीकरों को उतरवाए। जबकि, कई स्थानों पर उनके ध्वनियों को कम कराया। धनघटा में प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दुबे के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र के 12 स्थानों पर मंदिरों -मस्जिदों पर लगाए गए 16 अवैध लाउड स्पीकरों को उतरवाया। इसी तरह से दुधारा पुलिस ने 09 जगह पर लगे 14 अवैध लाउडस्पीकर्स को उतरवाए। देर शाम तक बेलहर, मेंहदावल और महुली पुलिस द्वारा अवैध लाउडस्पीकरों के खिलाफ कार्रवाई जारी रही।

मगहर क्षेत्र में लाउडस्पीकर हटवाती कोतवाली पुलिस। अमृत विचार

> शासन के निर्देशों के अनुसार यह अभियान तीन दिन तक चलेगा। इसमें अनुमानित सीमा के अतिरिक्त अतिक्रमण कर चलाए जा रहे ध्वनि विस्तारक यंत्रों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बताया कि सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से निरीक्षण कर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।
> **-संदीप कुमार मीना,** एसपी

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

लखनऊ, अमृत विचार। धर्म जागरण समन्वय, प्रताप नगर की शिववाती, धर्म रक्षा समिति के तत्वावधान में साप्ताहिक सत्संग सुंदर कांड पाठ का आयोजन विकास नगर सेक्टर -5 गिरिराज वाटिका में किया गया। जिसमें बस्ती के श्रद्धालु भगिनी/बंधुओ ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में श्री आनंदमूर्ति श्रीवास्तव प्रांत संयोजक धर्म जागरण समन्वय ने उपस्थित जन समुदाय को अपनी

सनातन परंपराओं का शक्ति से पालन करने का आग्रह किया, उन्होंने देश की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए हिंदू समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन श्री अखंड शुक्ला सहसंयोजक प्रांत नगर व उनके सहयोगियों ने किया। कार्यक्रम में लखनऊ विभाग संयोजक मनोज कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी प्रधान संघ अध्यक्ष गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बखिरा (संतकबीरनगर)। बखिरा पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी अठलोहिया ग्राम प्रधान और प्रधान संघ सांथा ब्लॉक के अध्यक्ष रणवीर पाण्डेय को घटना के सिर्फ 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। अठलोहिया ग्राम निवासी राधेश्याम पाण्डेय पुत्र राजाराम पाण्डेय ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पट्टीदार रणवीर पाण्डेय पुत्र इन्द्रपाल पाण्डेय, जो ग्राम प्रधान होने के साथ ही सांथा ब्लॉक प्रधान संघ के अध्यक्ष भी हैं। उनके और आरोपी के बीच पूर्व से मुकदमा चल रहा है। शुक्रवार की शाम करीब 5:20 बजे वह अपनी पल्सर बाइक से जसवल चौराहे पर सब्जी लेने जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम पुरैना के पास रणवीर पाण्डेय ने अपनी कार से बाइक में जोरदार ठोकर मारी। बाइक पेड़ से जा टकराई, इससे वह घायल हो गए। आरोप है कि आरोपी रणवीर ने कार को बैक कर दोबारा बाइक में टक्कर मारी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया।

अयोध्या के जिला अस्पताल के निष्प्रयोज्य बरामदे में मरीज को दी गई तालिबानी सजा

पुनीत श्रीवास्तव, अयोध्या।

अमृत विचार : जिला अस्पताल में निष्प्रयोज्य वार्ड में एक मरीज को तालिबानी सजा देने का मामला सामने आया है। वार्ड में मरीज का हाथ-पैर बेड से बांधकर जबरन लेटा दिया गया और उसके सामने भोजन से सजी थाली रख दी। वह भोजन की थाली की तरफ देखकर घंटों तड़पता रहा। आंखों से आंसू निकलते रहे। इतना सब होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन की आंखों का पानी मरा रहा। कोई भी उसे झांकने तक नहीं आया, बल्कि उसे इस कदर छिपाकर रखा गया, ताकि किसी की नजर न पड़े। चिकित्सा अधीक्षक ने भी इसे अमानवीय कृत्य बताते हुए गलत बताया है।

अस्पताल के मेल सर्जिकल वार्ड में एक बरामदा है। बरामदे में भी आठ से 10 बेड बिछाए गए हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर की तरफ से इस बरामदे को निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। सख्त हिदायत दी गई कि बरामदे में किसी भी मरीज को भर्ती न किया जाए। इस बरामदे में शनिवार को एक अज्ञात मरीज को चारों तरफ से ढक कर लेटाया गया था। पट्टियों से उसके दोनों हाथ व पैर बांधे गए थे। उसके सामने रखी गई भोजन की थाली में दाल, सब्जी व दो रोटियां थीं। वह भोजन को एकटक निहारे जा रहा था। आंखों से लगातार आंसू टपक रहे थे। उससे बात करने का प्रयास किया गया तो वह कुछ बोल भी नहीं पा रहा था।

जिला अस्पताल के निष्प्रयोज्य स्थान पर हाथ पैर बांधकर लेटाया गया मरीज।

गद्दे फाड़ रहा था इसलिए बांध दिया हाथ पैर

अस्पताल में मिली जानकारी के अनुसार भर्ती मरीज को श्रीराम चिकित्सालय से जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। उसे ई-रिक्शा से यहां लाया गया था। कहते हैं कि मानसिक रूप से बीमार था। गद्दे व चद्दर फाड़ रहा था। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने शुक्रवार को राउंड के दौरान पीड़ित को दर्शन नगर स्थित मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग में रेफर करने के लिए कहा था, संभवत: स्टाफ ने यह नहीं किया। आरोप है कि दोबारा पीड़ित पर किसी की नजर न पड़े। इसलिए स्टाफ ने पीड़ित को निष्प्रयोग बरामदे में हाथ-पैर बांधकर लेटा दिया, क्योंकि वहां कोई भी राउंड करने नहीं जाता।

किसी का हाथ-पैर बांधना गलत : डॉ. अजय

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि बरामदा तो निष्प्रयोज्य घोषित किया जा चुका है। वहां किसी भी मरीज को भर्ती ही नहीं करना चाहिए था। इसके साथ ही किसी का हाथ पैर बांधना गलत है। स्टाफ ने बताया कि किसी संस्था से भी बात की गई थी, लेकिन कोई आया नहीं। हालांकि स्टाफ को चेतावनी दी गई है।

तैयारी | अहमदाबाद में हो रहा तैयार कोविदार वृक्ष, सूर्य और ॐ के चिन्ह होगा अंकित

श्रीराम मंदिर में रेशम के धागे से बना केसरिया ध्वज फहराएंगे प्रधानमंत्री

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर परिसर में 25 नवंबर को मंदिर के शिखर पर रेशम के धागे से बने ध्वज फहराया जाएगा। जिसे अहमदाबाद में तैयार किया जा रहा है। केसरिया रंग के ध्वज में कोविदार वृक्ष, सूर्य और ॐ के चिन्ह अंकित होगा। राम मंदिर की 191 फीट ऊंचे शिखर पर लगे ध्वज को प्रत्येक वर्ष विजयादशमी के अवसर बदले जाने के प्रस्ताव पर मंथन हो रहा है।

ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवाह पंचमी तिथि पर 25 नवंबर को अभिजीत मुहूर्त में राम जन्मभूमि परिसर पहुंचेंगे। चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में आहुति देने के बाद दोपहर लगभग 12 बजे शुभ मुहूर्त में शिखर पर ध्वजारोहण करेंगे। इस दौरान सरसंघचालक मोहनभागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद होंगे। कहा कि मंदिर के 800 मीटर की परिधि में बने परकोटा कॉरिडोर में बने छह अन्य मंदिरों पर साधु-संतों के द्वारा ध्वजारोहण का कार्य संपन्न होगा। शिखर पर ध्वजारोहण के बाद रखरखाव व समय पर ध्वज को बदले जाने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा गठित धार्मिक समिति की बैठक में शारदीय नवरात्र और ग्रीषकालीन नवरात्र के अवसर कार्य संपन्न करने का प्रस्ताव था, लेकिन ट्रस्ट में अभी विजय दशमी के अवसर पर ही ध्वज बदले जाने को लेकर सहमति बन रही है।

युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती, फिर शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने क्षेत्र की एक युवती की तहरीर पर शनिवार को बखिरा क्षेत्र के बड़ा गौरा गांव के रहने वाले आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि युवक ने उससे इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर शादी का झांसा दिया। उसके बाद युवती से शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसकी होने वाली शादी का रिश्ता तोड़वा दिया। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित युवती की बातचीत इंस्ट्राग्राम पर बखिरा क्षेत्र के बड़ा गौरा निवासी मोहम्मद फैजान खान के साथ करीब 5 साल पहले शुरु हुई थी। तभी से दोनों के बीच बातचीत और मिलने-जुलने का सिलिसला जारी रहा। युवती का आरोप है कि मोहम्मद फैजान खान उसे शादी का झांसा दिए और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इतना ही नहीं उसका प्राइवेट वीडियो भी बना लिए। उसकी प्राइवेट वीडियो इंस्टाग्राम/इनटरनेट पर वायरल कर दिए थे। आरोप है कि अब उससे शादी करने से इन्कार कर रहा है। उसकी शादी 08 नवंबर 2025 को कहीं दूसरे जगह तय हुई थी तो आरोपी मोहम्मद फैजान खान उसका प्राइवेट वीडियो पुनः इन्स्टाग्राम पर वायरल कर दिया।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 9 नवंबर 2025

लखनऊ

वाहन पर चढ़ो तो जिंदगी पढ़ो, कम होंगे हादसे

इस साल के तिमाही में न हादसे कम हुए और न ही मौतों का आंकड़ा

नीरज मिश्र, लखनऊ

अमृत विचार: हादसों और उनसे होने वाली मौतों में सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों के कमी लाने के दावे इस साल के तीसरे क्वार्टर में भी खरे उतरते नहीं दिखे।

तिमाही, छमाही के बाद बीते नौ माह का जो तुलनात्मक आंकड़ा आया है वह काफी चौंकाने वाला है। साल 2025 के जनवरी से सितंबर के बीच प्रदेश के 75 जिलों में 37, 382 मार्ग दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 20,116 लोग असमय काल के गाल में समा गए। वहीं गंभीर रूप से घायल होने वालों की संख्या 28,,469 रही। जो बीते वर्ष 2024 की तुलना में काफी अधिक है। इन आंकड़ों की बढ़ती संख्या को देख कहा जा सकता है कि वाहन चालक को स्वयं इस दिशा में गंभीर होना पड़ेगा। यानी पहले जिंदगी पढ़ो उसके बाद वाहन पर चढ़ो तो हादसे कम हो सकते हैं।

तुलनात्मक आंकड़ा

	वर्ष 2024	वर्ष 2025	प्रतिशत
सड़क हादसे	32, 852	37,382	13 .8
मृतकों की संख्या	17,123	20,116	17 .5
घायलों की संख्या	24,761	28, 469	15 .0
नोट- जनवरी से सितंबर तक के आंकड़े हैं।			

साल 2015 से चल रही कवायद, हासिल हिसाब शून्य

- वर्ष 2015 में रोड सेफ्टी विंग की स्थापना की गई थी। इनमें यातायात, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक निर्माण, एनएचआई समेत कई विभागों को शामिल कर एक साथ सामूहिक प्रयास करने के निर्देश दिए गए थे। इन एजेंसियों के जागरूकता कार्यक्रमों से लेकर कार्रवाई तक के सामूहिक प्रयास 11 साल बाद भी जमीन पर ठोस छाप नहीं छोड़ पाए हैं।

'4-ई कांसेप्ट' किया लागू

- '4-ई कांसेप्ट' को लागू किया गया। इसका आशय रोड इंजीनियरिंग, एजूकेशन, इमरजेंसी केयर, इन्फोर्समेंट को एक साथ संयुक्त रूप से जमीन पर उतारा जाए लेकिन अभी तक हासिल हिसाब जीरो ही नजर आया है। हर साल असमय काल के गाल में समाने वाले लोगों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है।

बलरामपुर अस्पताल के जन औषधि केंद्र पर लगी मरीजों की कतार। अमृत विचार

अस्पतालों और जन औषधि केंद्रों पर नहीं मिल रहीं डॉक्टर की लिखी दवाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बाहर से दवाएं लिखने पर सख्त के बाद से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। ज्यादातर डॉक्टर स्पष्ट रूप से बाहर की दवाएं लिख नहीं रहे हैं और अस्पतालों के औषधि वितरण केंद्रों व जनऔषधि केंद्रों पर डॉक्टरों की लिखीं सभी दवाएं नहीं मिल पा रही हैं। इससे मरीज और तीमारदार दवाओं के लिए परेशान घूम रहे हैं। कई मेडिकल स्टोर्स के चक्कर लगाने के बाद उन्हें महंगी दर पर दवाएं लेनी पड़ रही हैं।

हजरतगंज स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल (सिविल) और बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में शनिवार को आए कई मरीजों को अस्पताल और जन औषधि केंद्र से सभी दवाएं नहीं मिलीं। हालांकि, ये साफ नहीं था कि चिकित्सकों की लिखी गई दवाएं ब्रांडेड कंपनी की थीं या सामान्य।

उधर, जन औषधि केंद्र संचालकों का दावा किया है कि केंद्र पर करीब 500 तरह की दवाएं मौजूद हैं। इक्का दुक्का दवाएं भले न हो अमूमन सभी दवाएं मिल रही है। बलरामपुर अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या और सिविल अस्पताल की निदेशक डॉ. कजली गुप्ता ने बताया कि बाहर कि दवाएं न लिखने को लेकर सभी चिकित्सकों को सख्त हिदायत दी गई है।

केस 1 वजीर हसन रोड निवासी मैसर अली को कान से सम्बंधित समस्या है। वह शनिवार को सिविल अस्पताल की ओपीडी में ईएनटी विभाग में दिखाया। डॉक्टर ने पर्चे पर पांच प्रकार की दवाएं लिखी। इनमें से चार दवाएं अस्पताल से मिल गई। शेष ईयर ड्रॉप क्लोट्रिमाजोल के लिए वह अस्पताल के जान औषधि केंद्र गए यहां भी उन्हें ड्रॉप नहीं मिला। हताश होकर उन्होंने इसे निजी मेडिकल स्टोर से खरीदा।

केस 2 जिला फतेहपुर के रहने वाले शंभूनाथ मिश्रा को दिल की बीमारी है। उन्होंने सिविल अस्पताल के कॉर्डियोलॉजी विभाग में दिखाया। चिकित्सक ने मुहर लगाकर नौ प्रकार की दवाएं लिखी। अंदर से सात दवाएं मिली। जनऔषधि केंद्र से गैस की दवा पेंटॉप मिली। जबकि, बीपी नियंत्रण के लिए देने वाली दवा निकोरेंडिल 10 एमजी नहीं मिल सकी। बताया गया कि यह दवा अस्पताल में नि :शुल्क मिलती है, लेकिन कुछ दिनों से आपूर्ति नहीं हुई है।

चिकित्सक कोड वर्ड में लिख रहे दवाएं

- शासन ने अस्पताल के पर्चे पर स्पष्ट अक्षरों में दवा लिखने के निर्देश दे रखें हैं, किंतु चिकित्सक मनमानी कर रहे हैं। बाहर की दवा न लिखने पर सख्ती होने पर कुछ चिकित्सक कोड वर्ड में दवा लिख रहे हैं। उस कोड को मेडिकल स्टोर के कर्मचारी ही समझ पाते हैं। उन्नाव के बांगरमऊ से आई आफरीन बानो ने शनिवार को बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में मेडिसिन विभाग में दिखाया। उन्हें पेट से संबंधी समस्या है। डॉक्टर ने पर्चे के पीछे एक सिरप और दो दवाएं लिखी, लेकिन दोनों दवाएं जन औषधि केंद्र में नहीं मिली। बाहर मेडिकल स्टोर से करीब 1100 रुपये में दवाएं लीं। आरडीएसओ कॉलोनी आलमबाग निवासी सोनी देवी को भी सरकारी पर्चे के पीछे बाहर की ब्रांडेड दवाएं लिखी गईं। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता आर्या ने जांच कराने की बात कही है।

मेडिकल स्टोर से दवा खरीदकर दिखाते हुए आफरीन बानो के पति

न्यूज ब्रीफ

दहेज हत्या में फरार पति गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह ने बताया कि बंथरा निवासी पीयूष दीक्षित की पत्नी ऐश्वर्या (26) बीते 4 अक्टूबर को घर में संदिग्ध परिस्थितियों में झुलस गई थी। इलाज के दौरान उसकी सिविल अस्पताल में मौत हो गई थी। कानपुर के चकेरी निवासी पिता अशोक तिवारी ने दामाद पीयूष दीक्षित, उसके पिता शिव प्रकाश और मां मंजुला के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार को पुलिस ने आरोपी पीयूष को घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी पीयूष ने बताया कि 14 अक्टूबर को कानपुर में सड़क दुर्घटना के दौरान उसका बायां पैर टूट गया था। जिसकी वजह से वह कानपुर के मान्यवर काशीराम संयुक्त जिला चिकित्सालय और बाद में कानपुर ट्रामा सेंटर में भर्ती रहा। 31 अक्टूबर को उसे डिस्चार्ज किया गया था।

सीएमओ को अनुपस्थित मिले तीन कर्मचारी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. एनबी सिंह ने शनिवार को चिनहट के महिला एवं बाल चिकित्सालय (एमसीएच) विंग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने ओपीडी, वार्ड, ओटी, उपस्थिति रजिस्टर तथा अन्य रजिस्टर व रिकॉर्ड देखे। तीन कर्मचारियों के अनुपस्थित होने पर उनका स्पष्टीकरण मांगा। सीएमओने ने अस्पताल अधीक्षक को साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। अस्पताल में प्रसव को बढ़ावा देने के लिए एएनएम, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहित क्षेत्रीय जनता को भी अस्पताल में मिलने वाली सेवाओं की जानकारी देने को कहा।

एसीपी ने किया माल थाने का निरीक्षण

अमृत विचार, माल : सहायक पुलिस आयुक्त सुजीत कुमार दुबे ने शनिवार को माल थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के अभिलेख व असलहे को चेक किया। साथ ही लंबित विवेचनाओं की जानकारी ली और उनके जल्द निस्तारण को कहा। निरीक्षण को आए एसीपी मलिहाबाद को थाना प्रभारी नवाब अहमद के नेतृत्व में पुलिस के जवानों ने सशस्त्र सलामी दी। एसीपी दुबे ने कार्यालय, बैरक, रसोई-घर का जायजा भी लिया, साथ ही प्रशासनिक कार्य प्रणाली में अधिक सुधार किये जाने, पुलिस कर्मियों से जनता से और अधिक तालमेल बनाकर रखे जाने कहा।

मुफ्त राशन के लिए कार्ड धारक करते रहे इंतजार

अमृत विचार, लखनऊ : मुफ्त राशन पाने के लिए कार्डधारकों को भटकना पड़ रहा है। काम छोड़कर दुकानों के बाहर लाइन लगा रहे हैं। राजधानी की उचित दर राशन दुकानों पर शनिवार से राशन वितरण शुरू होना था, लेकिन कार्डधारक सुबह से दुकान के बाहर राशन बंटने का इंतजार करते रहे। कई दुकानों पर राशन नहीं पहुंचा था तो कई जगह दोपहर में पहुंचने के कारण वितरण शुरू होने में देरी हुई। तेलीबाग में उचित दर विक्रेता प्रशांत साहू की दुकान के बाहर महिला कार्डधारक दोपहर में जमीन पर बैठकर वितरण शुरू होने का इंतजार करती रहीं। उनका कहना था कि सुबह 8 बजे राशन लेने दुकान आ गए थे, लेकिन राशन नहीं पहुंचा था। राशन की गाड़ी अभी आई है। कोटेदार ने बताया कि मशीन पर राशन चढ़ने के बाद ही वितरण शुरू होगा।

चिनहट थाना प्रभारी सम्मानित

अमृत विचार, चिनहट : दुर्गा पूजा, रामलीला, दीपावली, छठ पूजा, कार्तिक मेला समेत अन्य त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए इंस्पेक्टर चिनहट को सम्मानित किया गया। चिनहट शहरी क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष कमल पांडेय ने शाल ओढ़ाकर और प्रभु श्रीराम व हनुमान का प्रतीक चित्र देकर इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया।

सर्दी का असर शहर के नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के वन्य जीवों पर भी पड़ने लगा है। शनिवार को गुनगुनी धूप में बैठे हिरण और धूप का आनंद लेता सफेद शेर का जोड़ा। अपने बाड़े के अंदर से धूप सेंकने की कोशिश करता अजगर। प्रमोद शर्मा

बार बालाओं के साथ सिपाही ने लगाए ठुमके

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद के मोअज्जमनगर में आयोजित दीपावली मेले में बार बालाओं के साथ इंस्पेक्टर के ठुमके लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसमें डांस करती बार बालाओं के साथ गमछे का घूंघट डालकर डांस करता हुए एक व्यक्ति दिख रहा है।

वायरल वीडियो रहीमाबाद इलाके के गौंदा मोअज्जमनगर का है। जहां 25 अक्टूबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहा था। इस डांस कार्यक्रम में बार बालाओं के साथ ठुमके लगाने वाला रहीमाबाद थाने में तैनात आरक्षी हृदयेश गौतम है। सिपाही का डांस करते वीडियो वायरल होने के मामले का पुलिस अफसरों ने संज्ञान लिया। रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायात से सिपाही की रिपोर्ट तलब की है।

डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी के मुताबिक, मामला संज्ञान में आया है। जांच रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

पतंगबाजी में चायनीज मांझा बन रहा जानलेवा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: पतंगबाजी में चायनीज माझे का प्रयोग लोगों की जिंदगी के लिए खतरा बन रहा है। इस मांझे की चपेट में आकर कई लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं।

प्रशासन की ओर से चायनीज मांझे की बिक्री, भंडारण, परिवहन और उपयोग पर प्रतिबंध है, लेकिन इस पर सख्ती से पालन नहीं हो रहा है। नतीजतन, शहर में मांझे से घायल होने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

बाजारखाला निवासी रज्जन खान 19 अगस्त को मोतीझील नक्कास जा रहे थे। रास्ते में चायनीज मांझा उनकी गर्दन में लिपटा, जिससे गर्दन की नस काट दी। स्थानीय लोगों ने उन्हें ट्रामा सेंटर भिजवाया, जहां दो महीने तक इलाज चला। इसी तरह 30 सितंबर को हैदरगंज से चौक की ओर बाइक से जाते समय हुसैनाबाद निवासी आसिम मार्शल की गर्दन में भी चायनीज मांझा फंस गया था। वह बाइक से गिर पड़े थे।

गंभीर हालत में उन्हें ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां कई दिनों तक इलाज चला। 25 अक्टूबर को मवैया से जाते समय आलमबाग निवासी अनुपमा की गर्दन में चायनीज मांझा लग गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं थीं। केजीएमयू में कई दिन उनका इलाज चला।

युवती ने फंदा लगाकर दी जान, 24 को थी गोद भराई

संवाददाता, सरोजनीनगर

- नहीं मिला सुसाइड नोट, बिजनौर इलाके की घटना

अमृत विचार: बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार को युवती ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शाम को दरवाजा बंद देख छोटे भाई ने खिड़की से झांककर देखा तो बहन का शव लटका मिला। बताया जा रहा है कि युवती की शादी तय थी और करीब 16 दिन बाद गोद भराई की रस्म होनी थी। पुलिस ने कमरे में छानबीन की, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

छुहारा खेड़ा निवासी रामबालक ट्रांसपोर्ट नगर में सिलाई का काम करते हैं। उनकी बेटी अंकिता (21) इंटर करने के बाद घर पर रहकर सिलाई का काम करती थी।

अंकिता की शादी मलिहाबाद के रहने वाले एक युवक से तय हुई थी। 23 नवंबर को बरीक्षा और 24 नवंबर को गोद भराई होनी थी। परिवार में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं। शनिवार को रामबालक, बेटा रोहित और मोहित अपने काम पर गए थे। अंकिता की मां की काफी पहले मौत हो चुकी है। घर पर केवल छोटा भाई राहुल और नौ वर्षीय भतीजा दीपांशु मौजूद थे। शाम करीब पांच बजे दीपांशु अंकिता को बुलाने के लिए उसके कमरे में गया, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला तो उसने घर के बाहर बैठे राहुल को बताया।

राहुल ने खिड़की से झांककर देखा तो अंकिता पंखे के हुक से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई थी। राहुल के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी दौड़े। सूचना पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंकिता को नीचे उतारकर सीएचएसी पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर महिला आरोग्य समिति के दो दिवसीय प्रशिक्षण के 50वें बैच का समापन हुआ। जिसमें 32 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD RAIS QURESHI था अब मैने बदल कर अपना नाम HAJI MOHAMMAD RAIS रख लिया है भविष्य में मुझे HAJI MOHAMMAD RAIS के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD NAFIS R/O - 163/225, JHAKARBAGH CHIKMANDI MOULVIGANJ, LUCKNOW

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड, लखनऊ

सीलबंद निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए कृभको क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर, शाहजहांपुर एवं लखनऊ के अंतर्गत संचालित जनपदों में प्रोन्नत कार्यक्रम एवं जनसंपर्क के अंतर्गत पेंटिंग का कार्य कराये जाने हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। समस्त पेंटिंग कार्य में उच्च गुणवत्ता वाले एशियन/नेरोलेक पेंट का प्रोयोग किया जायेगा। उपरोक्त दोनों कार्यो (प्रोन्नत कार्यक्रम एवं जनसंपर्क) के लिए अलग अलग सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। इच्छुक पार्टियाँ अपनी निविदा हेतु निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में कृभको के राज्य विपणन कार्यालय के पते कृभको भवन, टीसी–28वी, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 से प्राप्त कर सकती है। पार्टी को प्रोन्नत एवं जनसंपर्क हेतु अलग–अलग निविदा अलग–अलग सीलबंद लिफाफो में अपने अनुरोध पत्र, GST/PAN की प्रति एवं अन्य वांछित प्रपत्रों के साथ दिनांक 24.11.2025 समय पूर्वाहन 11: 00 बजे तक राज्य विपणन कार्यालय के उपरोक्त पते पर जमा कर सकते हैं। प्राप्त सीलबंद निविदाओं को उसी दिन अपराह्न 02: 30 बजे कृभको द्वारा गठित कमेटी द्वारा खोला जायेगा। L-1 पार्टी कि दर को सक्षम प्रबंधन से स्वीकृति उपरांत ही कार्य आदेश जारी किया जायेगा । उपरोक्त कार्य के लिए किसी भी प्रकार की अग्रिम धनराशी देय नहीं होगी। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर–7991204110 पर संपर्क करें। किसी भी निविदा को अस्वीकृत या पूरी निविदा प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार कृभको के पास सुरक्षित रहेगा ।

उप महाप्रबंधक
उ0प्र0, कृभको

जागरुकता रैली निकालते नवजीवन इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राएं और पुलिसकर्मी।

सड़क सुरक्षा को लेकर बच्चों ने निकाली रैली

- **अमृत विचार, मोहनलालगंज :** नवजीवन इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने यातायात माह (नवंबर) के तहत शनिवार को थाना मोहनलालगंज के नेतृत्व में यातायात जागरूकता रैली निकाली। रैली को सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय एवं प्रभारी निरीक्षक डीके सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में कॉलेज के करीब 500 छात्र-छात्राएं शामिल हुए, जिन्होंने हाथों में स्लोगन और पोस्टर लेकर लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। रैली के समापन पर कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा, आत्मविश्वास और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए ऑनलाइन ठगी, गेमिंग फ्रॉड और सोशल मीडिया सुरक्षा उपायों के बारे में भी बताया गया।

राजनीति | कैंट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं की कार्यशाला आयोजित

अपने क्षेत्र में फर्जी वोटर पहचानें, शिकायत करें : पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान में बीएलए व बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार: उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मतदाता सूची का अध्ययन करें। अपने क्षेत्र के फर्जी वोटरों को पहचानें और उनकी शिकायत करें।

व्यापक स्तर पर विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान आयोजित किया जा रहा है। उप्र. विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ता अभी से तैयारियों में जुट जाएं। प्रदेश में मतदाता सूची को त्रुटि मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चल रहा है। बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का विवरण ले रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री शनिवार को कैंट विधानसभा क्षेत्र के बीएलए और बूथ अध्यक्षों की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। मतदाताओं को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट या बिजली के बिल जैसे मान्य दस्तावेज जमा करने होंगे। भाजपा इस अभियान में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए पूरा सहयोग कर रही है। फर्जी और घुसपैठिए मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा एक परिवार है, लेकिन यह किसी की पारिवारिक पार्टी नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वे जिलाध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के पद पर रहे और आज देश के रक्षामंत्री हैं। जबकि कांग्रेस और सपा में परिवारवाद चलता है।

कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के संयोजक मान सिंह, विनायक पांडे, अनुराग साहू एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee

- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 9 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

अवधी खानपान को मिला दुनिया का सलाम

विश्व में लखनऊ को तहजीब, नजाकत और नफासत के शहर के रूप में जाना जाता है। यहां के चिकन के कपड़े भी विश्व में अपनी अलग पहचान रखते हैं। हास्य में कहा भी जाता है कि लखनऊ एक ऐसा शहर है, जहां चिकन खाया भी जाता है और पहना भी जाता है। पहनने वाले चिकन के साथ अब खाने वाले चिकन को भी विश्व के मशहूर और स्वादिष्ट खानपान का दर्जा मिल गया है। बीते अक्टूबर यूनेस्को ने लखनऊ को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' अर्थात सृजनात्मक पाक-कला का नगर घोषित किया है। यह सम्मान लखनऊ की समृद्ध, विविध और सैकड़ों वर्षों पुरानी अवध की पाक परंपरा को सम्मानित करता है। इस सूची में अब लखनऊ का नाम विश्व के प्रसिद्ध खाद्य नगरों, चीन के चेंगडू, इटली के पार्मा और मैक्सिको के पुएब्ला के साथ जुड़ गया है। भारत में सम्मान पाने वाला यह केवल दूसरा नगर है। इससे पहले हैदराबाद को यह प्रतिष्ठा मिली थी। यह मान्यता यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) के अंतर्गत प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत लखनऊ के 10 वेज और नॉनवेज व्यंजनों को इस सूची में शामिल किया गया है। आइए जानते हैं, यूनेस्को इनका चुनाव कैसे करता है। साथ ही जानते हैं, इन व्यंजनों के इतिहास और उत्पत्ति के बारे में-

डॉ. नीलिमा पांडेय
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

- यूनेस्को द्वारा 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' का चुनाव सात मुख्य उद्देश्यों के तहत किया जाता है। ये उद्देश्य 2004 में शुरू हुए 'क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' का हिस्सा हैं और 2030 सस्टेनेबल डेवलपमेंट एजेंडा से सीधे जुड़े हैं। इनके अंतर्गत सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करना, शहर की खान-पान की परंपरा को दुनिया के समक्ष प्रस्तुत करना है।
- रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा- छोटे रसोइये, किसान, दुकानदार आदि को ग्लोबल बाजार उपलब्ध करवाना।
- सामाजिक समावेश- औरतें, अल्पसंख्यक, युवा को रसोई में हिस्सा।
- शहरी विकास में संस्कृति को शामिल करना- खाने से टूरिज्म, जॉब्स, स्मार्ट सिटी।
- ज्ञान का आदान-प्रदान- 56 गैस्ट्रोनॉमी शहर एक-दूसरे से सीखें।
- पर्यावरण संरक्षण- लोकल सामग्री, जीरो वेस्ट और बायोडायवर्सिटी।
- सतत विकास लक्ष्य- भूख खत्म, जिम्मेदार खपत।

ऐसे होता है चुनाव

जो शहर इस तमगे को हासिल करना चाहता है, उसे आवेदन करना होता है। चुनाव के बाद प्रति चौथे वर्ष पुनर्मूल्यांकन की प्रकिया से गुजरना होता है। इस दौड़ में लखनऊ अपनी 300 बरस पुरानी तहजीब की निरंतरता के बलबूते सफलता हासिल करने में कामयाब रहा। लखनऊ की इस कामयाबी का सेहरा आभा नारायण लांबा के सर बंधता है। लखनऊ का डॉसियर उन्होंने ही तैयार किया था।

डॉसियर: व्यंजनों का यह चुनाव गंगा-जमुनी तहजीब की रवायत का हिस्सा है। **आभा नारायण लांबा** ने लखनऊ को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' बनाने में डॉसियर की मास्टर-शेफ की भूमिका निभाई। उनकी फर्म आभा नारायण लांबा एसोसिएट्स ने जनवरी 2025 से जून 2025 तक 112 पेज की डॉसियर तैयार की, जिसमें 1500 रेस्तरां, 600 स्ट्रीट वेंडर, 500 महिला होम-शेफ की मौखिक कहानियां, 1000 पुरानी रेसिपी और 50 शॉर्ट फिल्में शामिल कीं। इस पूरी प्रक्रिया के लिए उन्होंने मुंबई से लखनऊ के कम से कम दस फेरे लगाए। चौक की गलियों से टुंडे के तवा तक, कायस्थ घरों की परंपरागत पूरी-कचौड़ी से नवाबी गलौटी तक, हर स्वाद को गंगा-जमुनी तहजीब का दस्तावेज बनाया, उन्होंने मनीष मेहरोत्रा (इंडियन एक्सेंट) और मारुफ कलमन की फिल्मों को जोड़कर 10 यूनेस्को व्यंजनों को जीवंत बनाया। उनकी मेहनत रंग लाई। **31 अक्टूबर 2025 को समरकंद में यूनेस्को ने लखनऊ को 70 गैस्ट्रोनॉमी शहरों में शामिल किया।**

ये व्यंजन हुए शामिल

यूनेस्को ने लखनऊ के 10 चुने हुए व्यंजनों में से 4 नॉन-वेज शामिल किए, जिसमें गलौटी कबाब, काकोरी कबाब, अवधी बिरयानी और निहारी-कुलचा, जो नवाबी काल की जायके की तासीर लिए हुए हैं। इसके अलावा 6 व्यंजन वेज प्लैटर से चुने गए, जिसमें टोकरी चाट, पूरी-कचौड़ी, शीरमल, मलाई गिलोरी, मक्खन मलाई और मोतीचूर लड्डू हैं।

व्यंजनों का इतिहास

हिंदुस्तान के दिलफरेब शहर लखनऊ से यूनेस्को तक कामयाबी का झंडा गाड़ने वाले इन 10 व्यंजनों का इतिहास रोचक रहा है। पहले बात कबाब की, जो गैस्ट्रोनॉमी की सूची में जलवा-ए-अफरोज है। कबाब शब्द बहुत पुराना है।

कबाब - कबाब को कटे हुए मांस के रूप में वर्णित किया गया है, जो या तो कड़ाही में तला जाता है या आग पर भुना जाता है। समय के साथ खाना पकाने की यह शैली मुस्लिम प्रभाव के साथ-साथ दुनियाभर में फैल गई। मगरिबी यात्री इब्नबतूता के अनुसार दिल्ली सल्तनत (1206-1526) के शाही घरों में कबाब परोसा जाता था और आम लोग भी नान के साथ नाश्ते में इसे खाते थे। कालक्रम में कबाब के व्यंजन स्थानीय खाना पकाने की शैलियों और नवाचारों के साथ अपनाए और एकीकृत हो गए।

कबाब का सफरनामा

- 500 ईसा पूर्व में कबाब की शुरुआत ईरान से मानी जा सकती है। ईरान के जाग्रोस पर्वत में हखामनी सैनिक भेड़ के मांस को तलवार पर भूनते थे।
- कबाब से जुड़ा दूसरा संदर्भ (1206 ईसवी) चंगेज खान से जुड़ता है। कहते हैं इसे चंगेज खान ने एशिया में फैलाया। मंगोल घुड़सवार लोहे की ढाल पर मांस भूनते थे, जिसके दम पर प्रतिदिन में 100 किमी दौड़ते थे। (रशीदुद्दीन की जाम-ए-तवारीख (1307 ई.) के पृष्ठ .1873 से)
- 1453 में इस्तांबुल में 'सीख कबाब' तुर्क सुल्तान मेहमद द्वितीय ने सींक पर 12 टुकड़े का हुक्म दिया। इस्तांबुल के बाजार-ए-मिस्र में आज भी 570 साल पुराना तंदूर जलता है।
- 1526 में मुगल शासक बाबर के साथ कबाब भारत आया। बाबरनामा (पृष्ठ .212) में 'काबुली कबाब' खाकर दिल्ली जीतने की चर्चा है। यहां सीख कबाब का जिक्र है।
- 1784 में कबाब लखनवी नजाकत और नफासत के साथ कबाब 'गलौटी' के नाम से दस्तरख्वान पर पहुंचा।
- 1905 में काकोरी में इसने नया रंग अख्तियार किया, जो काकोरी-सिगार कबाब कहलाया।
- इस तरह हिंदुस्तान में कबाब की तीन किस्में नुमायां हुईं- सीख, गलौटी और काकोरी। इनमें से दो ने 2025 यूनेस्को के जलसे में धूम मचा दी और विश्व की एकमात्र विश्व की एकमात्र 'टूथलेस किंग रेसिपी' कहलाए। इस तरह कबाब तकरीबन 3000 बरस पहले तलवार पर जन्मा, चंगेज खान की ढाल पर बड़ा हुआ, खरामा-खरामा बाबर के साथ हिंदुस्तान पहुंचा, धीमी आंच पर नवाबी दस्तरख्वान की गलौटी में पिघला और आज 195 देशों की तश्तरियों पर दमक रहा है। स्थानीयता ने इसे तमाम नाम दिए हैं। मसलन ईरान में शिशलिक, तुर्की में शिश और दोनर, लेबनान में कुफ्ता, भारत में सीख, गलौटी और काकोरी, जापान में याकितोरी (चिकन), ब्राजील में चुर्रास्को और जर्मनी में दोनर बॉक्स।

निहारी-कुलचा

500 ईसा पूर्व के आसपास मध्य एशिया में पहला 'पाया स्टू' जाग्रोस पर्वत (ईरान) के हखामनी सैनिकों के नाम दर्ज हैं। सैनिक भेड़ के पाए को रात-भर मिट्टी के बर्तन में दबाकर पकाते थे। नाम था काले-पाचे। फारसी में इसका अर्थ 'सिर-पांव' है। ईरान में 'काले-पाचे' नाम आज भी जिंदा है। तुर्की में इसे 'पाचा चोरबासी' (पांव का सूप) कहा गया है। वहां आज भी सुबह के नाश्ते में इसका चलन है। मुगल भारत में 'निहारी' शब्द प्रचलन में आया। अरबी भाषा में 'नहार' सुबह को कहते हैं। निहारी हुआ 'सुबह का स्टू'। इस व्यंजन का पहला लिखित विवरण 1784 में रॉयल लेजर (केबी-1784-412 : "नवाब के फज्र के बाद निहारी-कुलचा सहित") से मिलता है। लखनऊ में निहारी ने कुलचे के साथ मिलकर जबरदस्त रंग जमाया। मध्य एशिया से इसे भारत लाने का काम मुगलों ने किया। कबाब की तरह निहारी के भी तमाम नाम हैं। ईरान में काले-पाचे, तुर्की में पाचा-चोरबासी, अफगानिस्तान में कोरमा-ए-पाचा आदि। बहरहाल लखनऊ में निहारी का कुलचे से मेल-मिलाप हाजी अब्दुल गनी ने करवाया, उन्होंने ही निहारी के साथ कुलचा जोड़कर निहारी-कुलचा बनाया। निहारी पहले आई, कुलचे के साथ उसका गठबंधन 1920 के आसपास हुआ। मौखिक इतिहास का मुआमला है। तारीख में कुछ हेर-फेर हो सकता है।

निहारी-कुलचा विश्व की सबसे पुरानी 'सुबह की रॉयल स्टू' है, जो 3000 साल पहले मध्य एशिया के घास के मैदानों से निकली और 18 वीं सदी के नवाबी लखनऊ में कुलचे के साथ अनुबंध कर यूनेस्को की व्यंजन कथा में अमर हो गई।

बिरयानी: 'वन-पॉट रॉयल डिनर'

बिरयानी विश्व का सबसे पुराना 'वन-पॉट रॉयल डिनर' है, जो 3000 साल पहले ईरान की रेत में जन्मा, अलेक्जेंडर की सेना के साथ यूनान पहुंचा, अरब व्यापारी इसे भारत लाए, मुगल बादशाहों के खानसामों ने इसे सोने की हांडी में पकाया और यूं ही चलता-फिरता 2025 में यह यूनेस्को जा पहुंचा। वहां गैस्ट्रोनॉमी थाली में 50 दूसरे व्यंजनों की सूची में शामिल हो अमर हो गया। बिरयानी शब्द मूल रूप से फारसी भाषा से लिया गया है, जो मध्यकाल में भारत के विभिन्न भागों में मध्य एशिया से आए हुए मुगल, अफगान और तुर्क शासकों के दरबार की अधिकारिक भाषा थी। इसके बारे में मान्यता है कि इसकी उत्पत्ति चावल के लिए प्रयुक्त फारसी शब्द 'ब्रिंज' से हुई है। भारत की बात करें, तो उत्तरी भारत के विभिन्न शहरों जैसे दिल्ली (मुगल व्यंजन), लखनऊ (अवध व्यंजन) और अन्य छोटे-छोटे राजघरानों में इसके कई प्रकार विकसित हुए हैं। दक्षिण भारत में, जहां चावल स्टेपल डाइट का हिस्सा है, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में इसके कई विशिष्ट प्रकारों का विकास हुआ है। आंध्र, दक्षिण भारत का एक मात्र राज्य है, जिसने बिरयानी की स्थानीयता को किसी प्रकार की कोई तवज्जोह नहीं दी। कुल मिलाकर ये कह सकते हैं कि फारसी खानपान में चावल और मांस का मिश्रण एक खास व्यंजन माना जाता था, जिसे बाद में अलग-अलग संस्कृतियों ने अपने हिसाब से अपनाया। बिरयानी रेस्तरां की एक प्रसिद्ध श्रृंखला के मालिक विश्वनाथ शेनॉय के अनुसार बिरयानी की एक शाखा (उत्तर भारत वाली) तो मुगलों के साथ भारत आई और दूसरी अरब व्यापारियों के द्वारा दक्षिण भारत के कालीकट (कोजिकोडे) में लाई गई थी। अवधी बिरयानी दम-पुख्त तरीके से पकाई जाती है। यह खुशबूदार चावल में मांस की परतों के साथ केसर, इत्तर और यखनी का रॉयल फ्यूजन है।

मलाई पान गिलोरी

नवाबी दौर से चली आ रही लखनवी मलाई गिलोरी वो स्वाद है, जो लखनऊ की रौनक और रसोई की दौलत को एक साथ परोसता है। इसकी तासीर मलाई और दूध की एक पतली चादर में मिश्री, गुलाब जल और मेवे में लिपटी होती है। इसको बनाने में मावा भी इस्तेमाल होता है। ऊपर लगा चांदी का वर्क इसकी नफासत को बढ़ा देता है। पान गिलौरी मिठाई एक खूबसूरत कहानी भी अपने साथ लेकर चलती है। किस्सा है कि नवाबी दरबार में पान पर पाबंदी लगने की वजह से लोगों को उसकी याद दिलाने वाली कोई चीज चाहिए थी, इसलिए पान गिलोरी इजाद हुई। दूसरे ये भी कहा जाता है कि नवाब वाजिद अली शाह के कुछ शुभचिंतकों ने उनके पान की लत को देखते हुए कोई पान-जैसी मिठाई या उसका विकल्प तैयार करने की फरमाइश की थी। वजह कोई हो, एक जोरदार मिठाई हमारे हिस्से आई, जिसे खाते हुए हम गुनगुनाते हैं और मुस्कुराते हैं कि हम लखनऊ से हैं।

लोकप्रिय रोटी शीरमल

शीरमल की उत्पत्ति ईरान में मानी जाती है, जहां इसे पारंपरिक रूप से बनाया जाता था। मुगल काल में यह भारत आई और यह जल्द ही उत्तर भारत के शाही रसोई घरों का हिस्सा बन गई। मुगल खानपान में दूध, केसर और मेवों का उपयोग आम था, जो शीरमल में भी देखने को मिलता है। भारत में आने के बाद शीरमल ने स्थानीय व्यंजनों के साथ तालमेल बिठाया। इसका स्वाद मीठा व नमकीन दोनों तरह का होता है। खासतौर पर लखनऊ, हैदराबाद और औरंगाबाद जैसे शहरों में यह रोटी लोकप्रिय हो गई। लखनऊ में अवधी व्यंजनों के साथ इसका विशेष स्थान है, जहां इसे शाही भोजन के रूप में परोसा जाता है। शीरमल को अक्सर उत्सवों, शादियों और विशेष अवसरों पर बनाया जाता है। यह मुगलई और अवधी संस्कृति का प्रतीक माना जाता है।

बहुप्रचलित नाश्ता पूरी-कचौड़ी

'कचौरी' शब्द की उत्पत्ति संभवत: 'कच्चोर' या 'कचौरी' शब्द से हुई है, जो सातवीं शताब्दी के एक जैन ग्रंथ में वर्णित गहरा तला हुआ भरवां व्यंजन है। यह 'कक्करी' की अवधारणा से भी जुड़ा है, जो दाल से भरी एक तली हुई पूड़ी है। ऐसा माना जाता है कि इस नाश्ते की उत्पत्ति राजस्थान में हुई। इस क्षेत्र की शुष्क जलवायु ने तले हुए और संरक्षित खाद्य पदार्थों को व्यावहारिक बना दिया। मारवाड़ी समुदाय को अपने घुमंतू व्यापारियों के लिए इसका आविष्कार करने या इसे लोकप्रिय बनाने का श्रेय दिया जाता है। आमतौर पर यह भी माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति भारत के उत्तरी क्षेत्रों, जैसे पंजाब और उत्तर प्रदेश में हुई थी। यह एक आम बहुप्रचलित नाश्ता है। संस्कृत में 'पूरिका' शब्द तले हुए भोजन को संदर्भित करता है, जो पूरी की बजाय आधुनिक पापड़ जैसा अधिक है। इस क्षेत्र में तली हुई रोटी की अवधारणा की जड़ें प्राचीन हैं और कुछ किंवदंतियां, जैसे कि पानी-पूरी की शुरुआत इसे महाकाव्य महाभारत से जोड़ती है।

मलाई मक्खन

मलाई मक्खन इसका शाब्दिक अर्थ क्रीम बटर होता है, लेकिन इसमें दोनों में से कुछ भी नहीं होता। इस मिठाई को तैयार करने में आठ घंटे लगते हैं। इसकी तैयारी एक दिन पहले शुरू कर दी जाती है। इसकी उत्पत्ति स्थानीय लोगों की एक प्रथा से हुई है, जो दूध को खराब होने से बचाने के लिए रातभर खुले आसमान के नीचे छोड़ देते थे। सुबह तक ओस की बूंदें दूध के प्राकृतिक झाग को बढ़ा देती थीं। फिर इस झागदार दूध को चीनी मिलाकर मीठा किया जाता था, जिससे यह एक स्वादिष्ट व्यंजन बन जाता था, जो समय के साथ नाश्ते का एक लोकप्रिय व्यंजन बन गया। यह मिठाई उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में विशेष रूप से कानपुर, वाराणसी, लखनऊ और बिहार के कुछ हिस्सों में तैयार की जाती है।

कटोरी चाट

कटोरी चाट की उत्पत्ति का कोई सीधा प्रमाण नहीं है, लेकिन यह पारंपरिक चाट के विभिन्न रूपों से प्रेरित होकर विकसित हुई है। चाट की उत्पत्ति मुगल काल में हुई थी, जब मसालेदार और तीखे भोजन का मिश्रण पाचन में सुधार के लिए सुझाया गया था। बाद में लखनऊ के रॉयल कैफे जैसे जगहों पर खाने योग्य आलू की कटोरी में चाट परोसने का चलन शुरू हुआ।

मोतीचूर के लड्डू

जितनी नजाकत से यहां कबाब और बिरयानी पकती है, उतनी ही नफासत से मोती चूर के लड्डू बांधे जाते हैं। शक्ल-ओ-सूरत को बयां करने के लिए इसका नाम ही काफी है। मोतियों का यह चूरमा मुंह में डालते ही बारीक सुनहरी बूंदियां कुछ इस अंदाज में पिघलती हैं गोया मोती के लश्कारे हों। इसे बनाने का श्रेय किसी एक शख्स को नहीं जाता। राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के हलवाइयों ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी अपने खून-पसीने की मेहनत और ईमान से बूंदियों को इतना बारीक गढ़ा किया कि वो पिघले सोने के मोती जैसे लगने लगे।

भारत में हर तीसरा व्यक्ति उच्च रक्तचाप से पीड़ित है और कई बार यह बिना चेतावनी अचानक ही बढ़ जाता है। यह स्थिति न केवल बेचैनी और घबराहट पैदा करती है, बल्कि दिल, किडनी और मस्तिष्क पर भी विपरीत प्रभाव डाल सकती है, लेकिन यदि समय पर घरेलू और आयुर्वेदिक उपाय अपनाए जाएं, तो इस स्थिति को बिना किसी दवा के काफी नियंत्रित किया जा सकता है। अचानक बीपी बढ़ना केवल एक संख्या का बढ़ना नहीं है, बल्कि मस्तिष्क, हृदय, गुर्दे और आंखों की रक्तवाहिनियों पर तत्काल दबाव बढ़ जाना है। इसलिए समय पर पहचान और सही कदम बहुत जरूरी हैं।

घरेलू और आयुर्वेदिक नुस्खे

नारियल पानी - तुरंत राहत
विधि : एक गिलास ठंडा नारियल पानी पीएं। लाभ : यह शरीर को शीतलता देता है, इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस करता है और बीपी को जल्दी शांत करता है।

गहरी सांस और शीतली प्राणायाम
विधि : नाक से गहरा सांस लें, जीभ को बाहर निकालकर शीतली प्राणायाम करें। लाभ : इससे नसों का तनाव कम होता है, बीपी स्थिर होता है।

आंवला और शहद का सेवन
विधि : 1 चम्मच आंवला चूर्ण, 1 चम्मच शहद, सुबह खाली पेट। लाभ : इससे हृदय को ताकत देता है, रक्तवाहिनियों को स्वस्थ बनाता है।

सेंधा नमक और पानी
विधि : अगर कमजोरी और चक्कर आ रहे हैं, तो चुटकीभर सेंधा नमक गुनगुने पानी में लें।
लाभ : यह बीपी को स्थिर करने में सहायक, लेकिन अधिक न लें।

लौकी और तुलसी का रस
विधि : लौकी का रस और 5 तुलसी की पत्तियां, रोज सबह पीएं। लाभ : यह कफ और वात को संतुलित करता है और दिल को ठंडक देता है।

सर्पगंधा
विधि : इसकी जड़ का चूर्ण 250 mg रात को जल के साथ लें (वैद्य की सलाह से)।
लाभ : यह उच्च बीपी को धीमे और स्थायी रूप से घटाने में सक्षम है।

अर्जुन चूर्ण
विधि : आधा चम्मच अर्जुन की छाल का चूर्ण दूध में उबालकर पीएं। **लाभ :** हृदयबलवर्धक, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रक और बीपी नियामक।
परहेज : नमक के अधिक सेवन से बचें, तनाव या गुस्सा न करें, देर रात जागना, तली-भुनी चीजें और मादक पदार्थ से दूर रहें।

बीपी नियंत्रित रखने के उपाय
- संतुलित जीवनशैली
- प्रतिदिन 30-40 मिनट टहलना
- योग और प्राणायाम-ध्यान -10 मिनट
- 7-8 घंटे की नींद
- तंबाकू, शराब और गुटखा से पूर्णता परहेज

संतुलित आहार
- नमक- 4-5 ग्राम/दिन
- ताजा फल- केला, पपीता और अनार
- हरी सब्जियां
- ओट्स/दलिया/खिचड़ी
- कैफीन कम से कम लें
- पानी- दिन में कम से कम 4 लीटर पिएं

अचानक बढ़े बीपी घबराएं नहीं
अपनाएं आयुर्वेदिक उपाय

क्या है उच्च रक्तचाप
आयुर्वेद में रक्तचाप असंतुलन को 'रक्तगता वात' और 'ऊर्ध्वगामी वायु' से जोड़ा गया है। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब वात दोष अधिक सक्रिय हो जाता है और रक्त की धमनियों में दबाव बनाता है। अचानक बीपी बढ़ने के पीछे एक कारण नहीं, बल्कि कई शारीरिक, मानसिक और जीवनशैली से जुड़े कारण जिम्मेदार होते हैं।

मानसिक तनाव और भावनात्मक उतार-चढ़ाव
आज की तेज रफ्तार जिंदगी में तनाव एक सामान्य हिस्सा बन गया है। अचानक बढ़ा मानसिक दबाव, क्रोध, घबराहट, डर, झगड़ा, नौकरी का तनाव या किसी दुखद खबर को सुनते ही शरीर में 'एड्रेनालिन' हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे बीपी तेजी से ऊपर चढ़ सकता है।

खानपान की गलत आदतें
नमक का अत्यधिक सेवन, अचार, पापड़, फास्ट-फूड, तला भोजन और जंक फूड रक्तचाप को तुरंत ऊपर ले जाना शुरू कर देते हैं। कैफीन (चाय/कॉफी) और कोल्ड ड्रिंक बीपी के अचानक बढ़ने के प्रमुख कारणों में से एक हैं।

नींद की कमी और अनियमित दिनचर्या
शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो रक्तचाप नियंत्रित रखने वाले हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। लगातार देर तक जागना या रात्रि-शिफ्ट का काम बीपी को अचानक बढ़ा सकता है।

दर्द, बुखार या संक्रमण
तेज दर्द-चाहे माइग्रेन हो, दांत दर्द हो या शरीर का कोई अन्य तीव्र दर्द-बीपी बढ़ाता है। कई संक्रमण और बुखार भी शरीर की आंतरिक प्रतिक्रिया के कारण बीपी को बढ़ा सकते हैं।

किडनी और थायरॉइड की समस्याएं
यदि व्यक्ति को पहले से किडनी रोग है, तो बीपी का अचानक बढ़ जाना सामान्य है, क्योंकि किडनी रक्तचाप को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी प्रकार थायरॉइड हार्मोन का असंतुलन भी बीपी में तेज बदलाव ला सकता है।

दवाइयों की अनियमितता
हाई बीपी की दवा समय पर न लेने या डोज मिस करने से बीपी तेजी से बढ़ सकता है। इसके अलावा स्टेरॉइड, पेनकिलर, एलर्जी की कुछ दवाएं और गर्भनिरोधक गोलियां भी बीपी बढ़ा सकती हैं।

बीपी के लक्षण-कैसे पहचानें
अचानक बीपी बढ़ने पर शरीर कई संकेत देता है, जिन पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

सामान्य लक्षण
- सिर में तेज दर्द (विशेषकर पीछे की तरफ)
- चक्कर आना
- धड़कन तेज होना
- घबराहट या बेचैनी
- सांस लेने में कठिनाई
- आंखों के आगे धुंधलापन
- चेहरा लाल होना
- उल्टी जैसा महसूस होना
- कानों में आवाज (रिंगिंग)

गंभीर लक्षण
- बोलने में दिक्कत
- एक तरफ कमजोरी या सुन्नपन
- सीने में दर्द
- अचानक बेहोशी

ये लक्षण ब्रेन स्ट्रोक या हार्ट अटैक का संकेत हो सकते हैं।

कितना खतरनाक है अचानक बढ़ा बीपी
उच्च रक्तचाप जब अचानक बढ़ता है, तो शरीर की छोटी-बड़ी रक्तवाहिनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। यह स्थिति निम्न जटिलताओं को जन्म दे सकती है—
- ब्रेन स्ट्रोक (रक्तस्रावी स्ट्रोक)
- हार्ट अटैक
- हार्ट फेलियर
- किडनी खराब होना
- रेटिना डैमेज (आंखों की रोशनी पर असर)
- लकवा

इसलिए अचानक बढ़े बीपी को कभी हल्के में न लें।

बीपी रेंज
- सामान्य : 120/80 एमएमएचजी
- उच्च बीपी : 140/90 एमएमएचजी या अधिक
- सावधानी की स्थिति : 160/100 एमएमएचजी से ऊपर

मेडिकल जांच
- साल में 1-2 बार किडनी फंक्शन
- थायरॉइड
- कोलेस्ट्रॉल
- ईसीजी/ ईको (जरूरत पर)
- अस्पताल जाना कब आवश्यक है?
- यदि बीपी 180/110 से ऊपर हो और साथ में-
- तेज सिरदर्द
- छाती में दर्द
- बोलने में परेशानी
- सुन्नपन
- उल्टी
- सांस की कमी

ये सभी लक्षण हाइपरटेंसिव इमरजेंसी के हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को तुरंत अस्पताल जाएं।

तनाव को करें नियंत्रित
आयुर्वेद में मन और शरीर को एक माना गया है। इसलिए मेडिटेशन, प्राणायाम और भ्रामरी जैसे अभ्यासों से मानसिक शांति आती है और बीपी धीरे-धीरे सामान्य होता है।

अचानक बढ़ा बीपी डराने वाला जरूर हो सकता है, पर अगर आप आयुर्वेदिक नजरिए से शरीर के दोषों को संतुलित करते हैं, तो यह स्थायी रूप से नियंत्रित हो सकता है। औषधि से ज्यादा प्रभावी है, आपका आहार-व्यवहार और विचार। नियमित जीवनशैली, मन की शांति और प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर आप बीपी को दवा से नहीं, जीवनशैली से काबू में रख सकते हैं।

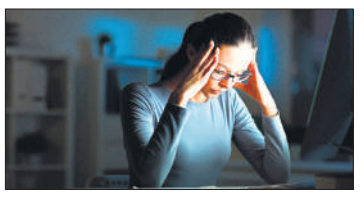

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय डोहरा रोड, बरेली
लगातार लोगों में इस विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्य करता है, ताकि मरीज समय रहते संकेतों को पहचानकर उपचार प्राप्त कर सकें। बीपी को प्राकृतिक ढंग से नियंत्रित करने के लिए विशिष्ट आयुर्वेदिक परामर्श, पंचकर्म, शिरोधारा व अभ्यंग की सेवाएं भी प्रदान करता है।

हार्ट हेल्थ अब महिलाओं की भी बने प्राथमिकता

परिवार के पुरुषों को भी महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और गंभीर रहना होगा। उन्हें महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति यह ध्यान दिलाते रहना चाहिए कि उन्हें अपना भी ख्याल रखना होगा। परिवार में दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है, तभी खुशहाल देश, समाज और परिवार का निर्माण हो सकेगा।

हाल ही में पुरुषों की तरह महिलाओं में भी हार्ट अटैक की कई घटनाएं सामने आईं। न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को भी दिल के दौरे पड़े। हालांकि शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में हार्ट अटैक की दर कम रही। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 1.8 करोड़ लोग हृदय रोगों से मरते हैं, जिनमें लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं होती हैं। भारत की स्थिति इससे भी गंभीर है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल लगभग 30 लाख महिलाएं हृदय संबंधी बीमारियों का शिकार होती हैं। इनमें से करीब 35 प्रतिशत की मृत्यु समय पर इलाज न मिलने के कारण हो जाती है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि महिलाओं की हृदय स्थिति केवल एक चिकित्सीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण पहलू है।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

ग्रामीण महिलाओं की चिंताजनक स्थिति
ग्रामीण महिलाओं की हृदय स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। वे दिनभर खेतों, पशुपालन और घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं, जिससे शारीरिक श्रम तो बहुत होता है, लेकिन उचित पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी रहती है। आईसीएमआर के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों की 60 प्रतिशत महिलाएं आयरन और प्रोटीन की कमी से ग्रस्त हैं। यह पोषण की कमी सीधे हृदय की कार्यप्रणाली को प्रभावित करती है और दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाती है। इसके अलावा गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, अस्पतालों की दूरी और जागरूकता का अभाव इस समस्या को और गहरा बना देता है। कई बार महिलाएं छाती में दर्द या धड़कन की अनियमितता को साधारण कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर देती हैं और जब तक इलाज कराती हैं, तब तक स्थिति बहुत गंभीर हो चुकी होती है।

वहीं दूसरी ओर, शहरी महिलाओं की स्थिति अलग समस्याओं से भरी है। उन्हें आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं तो उपलब्ध हैं, लेकिन उनकी जीवनशैली हृदय रोग का सबसे बड़ा कारण बन रही है। फास्ट फूड का बढ़ता सेवन, व्यायाम की कमी, देर रात तक जागने और अत्यधिक तनाव की आदतें शहरी महिलाओं को हृदय रोग की ओर धकेल रही हैं। भारतीय हृदय संघ की हालिया जारी रिपोर्ट के अनुसार, 40 प्रतिशत शहरी महिलाएं उच्च रक्तचाप और मोटापे की शिकार हैं, जो हार्ट अटैक का सीधा कारण है। इसके अलावा, नौकरी और परिवार की दोहरी जिम्मेदारी मानसिक दबाव को और बढ़ाती है, जिससे उनका हृदय जोखिम में रहता है।

तनाव और जीवनशैली का खतरा
ग्रामीण और शहरी महिलाओं की परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन एक समानता दोनों में देखी जाती है कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देतीं। यह विषय आज इसलिए प्रासंगिक है, क्योंकि महिलाओं की हृदय स्थिति केवल उनका व्यक्तिगत स्वास्थ्य नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की सेहत से जुड़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है, वहीं शहरी महिलाओं को संतुलित आहार, योग, व्यायाम और तनावमुक्त जीवन अपनाने की दिशा में प्रेरित करना होगा। ग्रामीण महिलाएं पोषण और इलाज की कमी से जूझ रही हैं, जबकि शहरी महिलाएं जीवनशैली और तनाव की वजह से प्रभावित हैं। दोनों ही वर्गों में यह मानसिकता गहरी है कि परिवार पहले और स्वयं बाद में, जिसके कारण उनकी बीमारियां देर से पहचान में आती हैं और इलाज में भी देरी होती है।

असल में देश में महिलाओं में भी हृदय रोग की स्थिति गंभीर होती जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार महिलाओं में मोटापा, उच्च रक्तचाप और उच्च रक्त शर्करा जैसे जोखिम बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों की महिलाओं में इन जोखिम कारकों की दर अधिक पाई गई है। इधर 12,000 से अधिक महिलाओं के लिए मुफ्त ईसीजी स्क्रीनिंग आयोजित की गई है। यह पहल विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं को हृदय रोगों के जोखिमों और उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। वहीं, झारखंड सरकार ने स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान की शुरुआत की है, जो विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए है। इस अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविरों, पोषण समर्थन, स्वच्छता शिक्षा और मातृ देखभाल के माध्यम से महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उन्हें परिवार और समुदाय में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती है।

सरकार और समाज की भूमिका
असल में महिलाएं भारतीय समाज की आधारशिला हैं। वे परिवार की नींव होती हैं, उनका स्वस्थ रहना पूरे समाज के लिए आवश्यक है, लेकिन जब बात उनके स्वास्थ्य विशेषकर हृदय स्वास्थ्य की आती है, तो वे अक्सर उपेक्षा का शिकार होती हैं। यह केवल स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी विषय है। बदलती जीवनशैली, तनाव और असंतुलित आहार के कारण ग्रामीण और शहरी महिलाओं अलग-अलग चुनौतियों का सामना करती हैं। इसलिए इस विषय पर ध्यान देना आज के समय की जरूरत है। महिलाओं की हृदय स्थिति आज समाज के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। पहले यह माना जाता था कि हृदय रोग मुख्य रूप से पुरुषों की समस्या है, लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है।

जीवनशैली में सुधार
हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं में हृदय रोग को रोकने और नियंत्रित करने के लिए जीवनशैली में सुधार सबसे महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए संतुलित आहार अपनाना आवश्यक है, जिसमें फल, सब्जियां, ओमेगा-3 और कम वसा वाले प्रोटीन शामिल हों, जबकि जंक फूड, तली-भुनी चीजें और अत्यधिक मीठा कम किया जाए। नियमित व्यायाम जैसे तेज चलना, योग, साइकिल चलाना या हल्की दौड़ हृदय और रक्त संचार को मजबूत बनाता है और मोटापे तथा उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से बचाव करता है। वहीं मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन भी हृदय रोग के निवारण में महत्वपूर्ण हैं। ध्यान, प्राणायाम और पर्याप्त नींद महिलाओं के हृदय पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करते हैं।

परिवार की साझा जिम्मेदारी
एक्सपर्ट कहते हैं कि महिलाओं को समय-समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी जैसी जांच कराते रहनी चाहिए। इसके साथ ही सरकारी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और महिला स्वास्थ्य शिविर, हृदय रोग के निवारण और जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं। यदि महिलाएं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, जीवनशैली सुधारें और नियमित जांच कराएं तो वे न केवल स्वयं स्वस्थ रहेंगी, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी सशक्त बना सकेंगी। वहीं परिवार के पुरुषों को भी महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और गंभीर रहना होगा। उन्हें महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति यह ध्यान दिलाते रहना चाहिए कि उन्हें अपना भी ख्याल रखना होगा। परिवार में दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है, तभी खुशहाल देश, समाज और परिवार का निर्माण हो सकेगा।

साप्ताहिक राशिफल
-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से किसी के साथ अनबन चल रही थी, तो इस सप्ताह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से आपके रिश्ते पटरी पर आ जाएंगे। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह ठीक-ठाक जाने वाला है। इस संबंध में की गई यात्राएं शुभ और मनचाहा फल देने वाली साबित होंगी।

वृष
इस सप्ताह हर कदम फूंक-फूंक कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इस बात को आपको हर समय याद रखना होगा। इस सप्ताह आप किसी पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और अहम फैसले बहुत सोच-समझकर लें।

मिथुन
इस सप्ताह आपको अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपको मिलने वाले लाभ और सफलता का प्रतिशत कम हो सकता है। आपकी महत्वाकांक्षा बहुत ज्यादा बढ़ी हुई रहेगी। हालांकि करियर और कारोबार की आपाधापी के बीच आपको शारीरिक एवं मानसिक थकान बनी रह सकती है।

कर्क
इस सप्ताह आपको बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। यदि आप लंबे समय से पदोन्नति अथवा मनचाहे स्थान पर तबादले के लिए प्रयासरत थे, तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

सिंह
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। इस सप्ताह आप अपनी जीवन को खूब आनंद उठाते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपकी लंबे अरसे बाद किसी प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात संभव है।

कन्या
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत करियर और कारोबार की दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। सीनियर आपके कामकाज से प्रसन्न होकर कोई अहम जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। व्यवसाय के संबंध में की गई यात्राएं अत्यंत ही शुभ रहने वाली हैं।

तुला
इस सप्ताह की शुरुआत में किसी भी कार्य को असमंजस की स्थिति में करने से बचना चाहिए। आप यदि किसी चीज भाग्य भरोसे छोड़ते हैं, तो आपको उसमें खासा नुकसान झेलना पड़ सकता है। आपको कामकाज में कुछेक अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपको किसी भी काम में लापरवाही बरतने और नियमों का उल्लंघन करने से बचना होगा अन्यथा बेवजह की आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। घर के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत और परिवार में भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर हुआ मतभेद आपकी चिंता का कारण बनेगा।

धनु
इस सप्ताह अपने काम को समय पर योजनाबद्ध तरीके से करते हैं, तो आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता और लाभ प्राप्त हो सकता है। करियर-कारोबार के सिलसिले में अपने जन्मस्थान से कहीं दूर यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं मनचाही सफलता प्रदान करने वाली साबित होगी।

मकर
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह खर्चीला रहने वाला है। आपके अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके चलते आपका बना बनाया बजट बिगड़ सकता है। आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए आपको अधिक मेहनत और प्रयास करने होंगे। कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कुंभ
यह सप्ताह सामान्यत: अनुकूल फलप्रद रहने वाला है। आप किसी नई योजना में धन निवेश कर सकते हैं, जिसका भविष्य में आपको लाभ प्राप्त होगा। सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपको दूर स्थान अथवा विदेश आदि से करियर-कारोबार को लेकर बड़ा अवसर मिल सकता है।

मीन
यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। आपके द्वारा किए प्रयासों के सकारात्मक फल मिलते हुए नजर आएंगे। इस सप्ताह आपकी रुचि रचनात्मक कार्यों में रहेगी। आप करियर-कारोबार को चमकाने के लिए आप दो कदम आगे बढ़कर कार्य करेंगे। इस संबंध में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा भी संभव है।

वर्ग पहेली (काकुरो)
काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 33

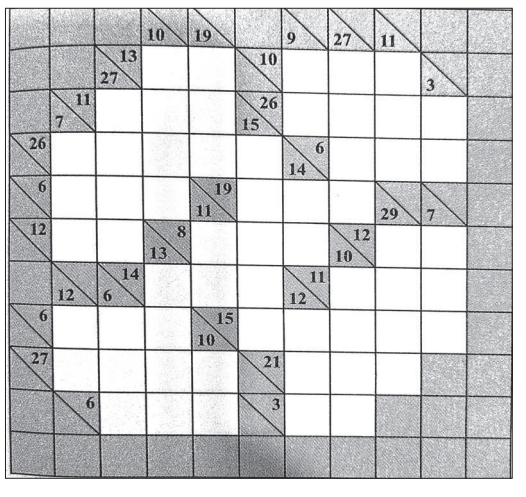

काकुरो 32 का हल

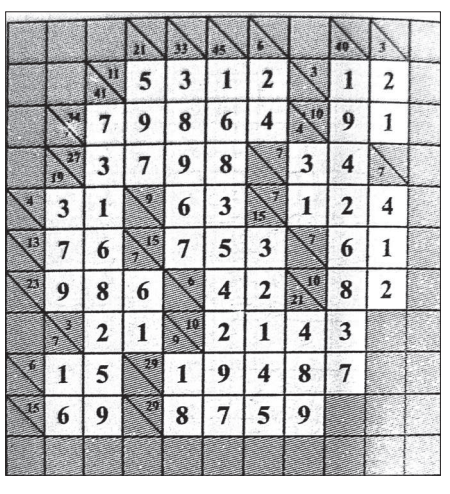

अमृत विचार

शब्द संसार

रविवार, 9 नवंबर 2025 www.amritvichar.com

कहानी

पागल

अपने आगे-आगे भाग रहे कुत्ते के करीब पहुंचकर उसने बेहद घातक अंदाज में लोहे की राड से तीन वार किए। एक के बाद एक, बिना समय गवाएं। तीसरे प्रहार में कुत्ता निढाल हो सड़क पर लुढ़क गया। उसका पूरा जबड़ा फटकर एक ओर लटक गया, जिससे रक्त का फौव्वारा सा फूट पड़ा। कुछ क्षण की छटपटाहट के बाद उसका शरीर शांत पड़ गया था। कुत्ता मर चुका था। एक इंसान द्वारा सरेराह अंजाम दी गई इस दुस्साहसिक वारदात को देख आसपास के लोग उस जगह इकठ्ठे हो गए थे। उस भीड़ में एक शख्स ने दूसरे से पूछा, "भई, ऐसी क्या बात हुई, इस तरह कुत्ते को मार डाला?" "पागल था, किसी को काट लेता तो!" दूसरे शख्स ने जानकारी दी। उसके कहने का भाव कुछ ऐसा था जैसे 'श्वान वध' कर उस इंसान ने समाज हित में कोई महती योगदान दे डाला हो।

प्रदीप मिश्र
बलरामपुर

"बाबू चाहय जयसन रहा ऊ कुकरवा, मुला यैहि मेर मारब ठीक नाही... पागल रहा तव कहु पेड़-पालव में बांधि देते, अपनय मरि जात चार-छह दिन मा... ई तव जिव हतया (जीव हत्या) भवा... राम-राम कहव ..." नून-तेल-लकड़ी के जुगाड़ में बाजार आए एक निपट देहाती बुजुर्ग ने ये प्रतिक्रिया दी, जिस पर किसी ने जरा भी तवज्जो नहीं दी। बेचारे को मूकदर्शक के रोल में ही संतोष करना पड़ा।

"यदि सरकार ने इस दिशा में समय रहते ध्यान न दिया, तो वो दिन नहीं, जब पागल कुत्ते हम इंसानों का सड़क चलना दूभर कर देंगे।" एक बुद्धिजीवी अधेड़ व्यक्ति ने अपनी भीतर की असुरक्षा को उजागर किया।

"अरे छोड़ो यार, हर बात में सरकार-सरकार की रट लगाने से कोई फायदा नहीं। इनके साथ बस ऐसे ही आन द स्पाट निपटा जाना चाहिए,तभी ये साले सुधरेगे।" बुलेट सवार एक लफंगे से दिख रहे युवक ने सबको सुनाकर ऊंचे स्वर में कहा। उसके समर्थन में कई सिर हिले भी। फिर थोड़ी देर में लोग तितर-बितर होने लगे। सड़क फिर सामान्य हो चली। वैसे भी ये घटना कोई समाचार बनने से तो रही, लेकिन उस कस्बेनुमा शहर में दिन दहाड़े घटित इस नृशंस हत्या के गवाह रहे एक कुत्ते ने अप्रत्याशित फुर्ती से अपने पूरे समुदाय में घटना को जंगल की आग की तरह फैलाया। आखिर आंदोलन करने पर आम आदमियों का ही एकाधिकार तो है नहीं। तत्काल तमाम कुत्तों की एक आपातकालीन बैठक हुई।

"भाइयों, इंसानों ने हमारी वफादारी को एक बार फिर शर्मशार किया है। हमारे एक भाई को सरेआम पीटकर मार डाला।" बैठक की अध्यक्षता कर रहे काले-मोटे कुत्ते ने अत्यंत गंभीर स्वर में कहा। दो मिनट के मौन के पश्चात एक बुजुर्ग कुत्ते ने जिज्ञासा प्रकट की, "इतनी बड़ी घटना के पीछे कोई कारण तो जरूर रहा होगा।"

"घटना का मूल कारण तो हममें से कोई नहीं जानता, चूंकि मामला एक धर्मस्थल के निकट का है, सो मुझें लगता है, जो काम हमारे पूर्वज अनादिकाल से करते आ रहे हैं। निस्संकोच होकर, वही शायद उसने भी किया होगा। भला हमने हल्के होते समय मंदिर-मजार की कब परवाह की है, पर इसकी इतनी निर्मम सजा।" भूरे रंग वाले दुबले-पतले प्रौढ़ कुत्ते ने अपना अनुमान व्यक्त किया। "भाइयों! सौ की सीधी एक बात, हमारी निष्क्रियता ने हमें ये दिन दिखाया है। इंसानों की तर्ज पर हमारे पास 'कुत्ताधिकार आयोग' भी तो नहीं है, जहां हम अपने साथ हुई ज्यादती की गुहार करते। इंसानों को समझने में हमने बहुत देर कर दी। अब बस एक रास्ता शेष है, अभी तक हर चौक- चौराहों पर हम आपस में ही लड़ते रहे हैं, लेकिन अब हमें एकजुट होकर दुष्ट इंसानी शक्तियों से लड़ने की आवश्यकता है।" खूंखार भेड़िए से दिख रहे कुत्ते ने ओजस्वी स्वर में अपनी बात रखी। "चाचा सभी इंसान बुरे नहीं होते। कल मैंने एक बड़ी सी कार में एक गोरी मेम साहब की गोद में बैठकर अपने एक भाई की फर्राटा भरते देखा है। कसम से, उसे देखकर दिल खुश हो गया।" एकदम से "एक किशोरवय कुत्ते ने चहक कर कहा।"

"चुप कर... उन सालों का तो नाम मत लो यहां, उन क्रीमी लेयर वाले कुत्तों से भला हमारा क्या संबंध, उनमें हमारे कोई संस्कार ही नहीं होते। ठीक से भौंकना तक नहीं जानते और चले कुत्ता बनने हैं। अपने मालिक के आगे-पीछे चापलूसी में दुम हिलाकर पेट पालने वालों काहिलों से हमारा कोई रिश्ता नहीं, उन्हें अपना भाई कहने तक में शर्म आती है हम सबको।" किशोर कुत्ते को अध्यक्ष ने डपटकर चुप करा दिया और बैठक से तुरंत बाहर निकल जाने का निर्देश दिया।

"बेटा! हमने इंसानों की भाषा में ही उन्हें जवाब देना शुरू कर दिया, तो फिर हमारे और उनके बीच फर्क ही क्या रह जाएगा। हमारी वफादारी की मिशाल दी जाती है। हमें तो हर हाल में अपनी पुरातन पहचान को जीवित रखना है। हमें नहीं बनना आज के दौर का इंसान।" बैठक में सबसे उम्रदराज दिख रहे कुत्ते ने दार्शनिक अंदाज में अपनी बात कही। उसका आंशिक असर हुआ और कुत्तों की उग्रता थोड़ी कम होती दिखी।

"हमारे भाई को सरेराह दौड़ा-दौड़ा कर कत्ल कर दिया गया, हम सबको इसका बहुत दुख है, पर उससे भी ज्यादा अफसोस इस बात का है कि हमारे भाई को मारने के बाद इंसानों ने पागल करार दे दिया। वह किसी इंसान पर हमलावर होता, तो हम मान भी लेते, पर वह बेचारा तो जान बचाकर भाग रहा था। यदि वह पागल था, तो उसे मारने हाथ में राड लेकर दौड़ रहा इंसान होश में था क्या? वाह री इंसानी फितरत-अपने भाई को पल भर में दोषमुक्त कर हमारे भाई को पागल करार दे दिया।" घटना का चश्मदीद रहा कुत्ता रोष और पीड़ा से भरकर बोला।

"हमारा भाई पागल नही था, वो इंसान पागल था - इंसान होने के घमंड में पागल, इंसानी गुस्से से पागल।" सभा की अध्यक्षता कर रहे कुत्ते ने आवेश में भरकर चिल्लाते हुए कहा। वहां उपस्थित सभी कुत्तो ने समवेत स्वर में भौंककर उसकी बात का समर्थन किया।

प्रिय पाठकों, इंसान और कुत्तों के बीच के इस बेहद जटिल होते जा रहे संवेदनशील मुद्दे पर आपको ही अब निष्कर्ष तक पहुंचना है। तमाम गवाहों और सबूतों के मद्देनजर एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाते हुए आपको फैसला करना है कि उनमें पागल कौन था-कुत्ता या फिर इंसान।

किस्सा

चल खुसरो घर आपने सांझ भई चहु देश

निजामुद्दीन सिद्ध औलिया थे। उनके लाखों प्रशसंक, अनुयायी मुरीद थे। अमीर खुसरो उनके शिष्य थे। वह रात को भेष बदल कर दिल्ली में घूमा करते थे और लोगों के दुख-दर्द दूर करते थे। एक रात निजामुद्दीन औलिया भेष बदलकर दिल्ली की गलियों में घूम रहे थे कि एक मकान से उन्हें एक महिला के मधुर भजन गाने की ध्वनि सुनाई दी। भजन इतने मधुर स्वर से गाया जा रहा था कि सूफी संत निजामुद्दीन औलिया उस मकान की ओर खिंचे चले गए और मकान के बंद दरवाजे पर खड़े होकर कान लगाकर भजन सुनने लगे। वह एक वेश्या का कोठा था। गायिका का स्वर इतना दर्द भरा था कि औलिया को लगा कि इस गायिका से मिलना चाहिए, जो इतना डूबकर गा रही है। निजामुद्दीन औलिया ने दरवाजा खटखटाया पर किसी ने दरवाजा नहीं खोला। काफी देर जब वह दरवाजा खटखटाने ही रहे तो एक महिला बाहर निकली। वह बोली-"बोलिए, क्या चाहिए"? निजामुद्दीन बोले- "आप, बहुत मधुर गा रही हैं। आज तक मैंने इतना श्रेष्ठ गायन नहीं सुना। मैं बहुत प्रसन्न हूं। मैं औलिया हूं, आज तुम जो चाहो मुझसे मांग लो। मैं जरूर दूंगा"। यह सुनकर महिला ने तत्काल दरवाजा बंदकर लिया। निजामुद्दीन ने फिर दरवाजा खटखटाया पर दरवाजा नहीं खुला, उन्होंने दरवाजा खटखटाना चालू रखा, पर दरवाजा नहीं खुला। वह वहीं खड़े रहे और दरवाजा खटखटाते रहे। भोर पहर, जब चिड़ियां चहकने लगी तो द्वार खुला, भजन गाने वाली महिला निकली, बोली- "मैं वेश्या हूं। अगर आप हमें कुछ देना ही चाहते हैं, तो समय से पहले किस्मत से ज्यादा कुछ दे सकते हैं, तो दे दीजिए"। यह कहकर उसने दरवाजा फिर बंदकर लिया।

शिवराज चौहान
कानपुर

महिला के इस जवाब से निजामुद्दीन सन्न रह गए। अरे, उन्हें यह भी ज्ञान नहीं रहा कि खुदा, ईश्वर के अलावा कोई संत, औलिया समय से पहले, किस्मत से ज्यादा दे ही नहीं सकता। यह महिला, वेश्या होकर भी परम सत्य को जान गई है, जिसको वह खुद भूल गए थे। उसी समय वह अपने स्थान पर लौट आए और निर्वाण प्राप्त किया। उनके शिष्यों में, मुरीदों में सबसे पहले अमीर खुसरो पहुंचे। निजामुद्दीन औलिया को चिर निद्रा में सोया देख, उनके मुंह से स्वर फूट पड़े-"गोरी सोवे सेज पर-मुख पर डारे केश। चल खुसरो घर आपने, सांझ भई चहु देश।।"

गजल/कविताएं/गीत

चकाचौंध

सुनो ध्यान से कहता कोई
विज्ञापन के पर्चों से

हम जिसका निर्माण करेंगे
तेरी वही जरूरत होगी
जस-जस सुरसा बदनु बढ़ावा
तस-तस कपि की मूरत होगी

भस उड़ती हो, आंख भरी हो
लेकिन डर मत मिर्चों से

हमें न मंहगाई की चिंता
नहीं कि तुम हो भूखे-प्यासे
तुमको मतलब है चीजों से
मतलब हमको है पैसा से

पूरी तुम बाजार उठा लो
उबर न पाओ खर्चों से

बेटा, बेटी और पत्नी की
मांगों की आपूर्ति करोगे
चकाचौंध से विज्ञापन की
तुम सब आपस में झगड़ोगे

कार पड़ोसी के घर आई
बच न सकोगे चर्चों से।

अवनीश सिंह चौहान
बरेली

किरदार बाप का

सच में झुलस के रह गया
किरदार बाप का।
जब बोलने का छिन गया
अधिकार बाप का।

सोचा था मेरे वंश को बेटे बढ़ाएंगे,
बेटे उजाड़ने पे हैं संसार बाप का।

कितनी है पेंशन या बनी
कितनी ग्रेजुटी,
पैसा ही कुल मिला के बना
प्यार बाप का।

टोका किसी भी बात पे तो हो गया गुनाह,
बेटों को लग रहा बुरा
व्यवहार बाप का।

क्यों कर बुरा जवाब
पलटकर बहू न दे,
बेटा जो कर चुका है
तिरस्कार बाप का।

जोड़ों का दर्द और ये खांसी
न थम रही,
खलने लगा इलाज है बीमार
बाप का।

सरसब्ज हो सका न 'ज्ञान'
पुत्र वो कभी,
जिसने भी है भुला दिया
उपकार बाप का।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

जीने की वजह

हर सुबह एक मौका है मित्रों
ख़ुद को साबित करने का,
अधूरी रह गई थी जो
ख्वाहिशें,
उनको समय पर पूरा करने का।
कुछ रिश्तों को थामकर
फिर,
मीलों तक उनके संग चलने का,
लाकर मुस्कुराहट चेहरे पर,
कभी अपने आप संवरने का,
यह सुबह तो रोज आती है
अपने साथ न जाने कितनी उम्मीदें,
और कितने ही मौके साथ लाती है।
उठे! फिर से जिस उम्मीद का दामन छोड़ बैठे हैं
क्योंकि?
यही तो जीने की
वजह नजर आती है।

सीमा शर्मा "तमन्ना"
शिक्षिका, नोएडा

लघुकथा

दुःख की घड़ी में

मास्टर जी का जब निधन हुआ, तो अर्थी को कंधा देने के लिए चार कंधे भी नसीब नहीं हुए। कहने को उनका भरा पूरा परिवार था, किंतु अड़ोसी-पड़ोसी तक उनकी अंतिम यात्रा में सम्मिलित नहीं हुए। बेटे ने जैसे-तैसे उनकी अंत्येष्टि की औपचारिकता पूरी की। परिवार समृद्ध था। मास्टर जी भी लगभग बीस बरस तक पेंशन से अपना खर्चा चलाते रहे। मास्टर जी के निधन का समाचार सुनकर उनके पूर्व परिचित भी आए। अजनबी की तरह लौट भी गए, क्योंकि उससे पहले कभी मास्टर जी से तो परिचय था, किंतु उनके परिवार से नहीं। बेटे ने मास्टर जी की मृत्यु के उपरांत किए जाने वाले धार्मिक अनुष्ठान मनोयोग से पूरे किए। गायत्री पाठ भी कराया और गरुण पुराण का पाठ भी।

तेरहवीं की रस्म हेतु महा आयोजन किया भी हुआ। शहर के मुख्य समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से सूचना भी प्रकाशित कराई, विविध व्यंजनों से युक्त भोजन व्यवस्था भी की। उम्मीद थी, कि बिरादरी के साथ शहर के संभ्रांत नागरिक, जन प्रतिनिधि शोक संवेदना व्यक्त करने आएंगे।

शोक संदेश देकर मास्टर जी की समाज के प्रति की गई सेवाओं का स्मरण करेंगे। मंच सजा था, पुष्पों की सजावट के मध्य मास्टर जी का चित्र सजाया गया था। प्रवचन एवं भजनों के माध्यम से नश्वर जगत में जीव के आगमन और आत्मा के देह त्याग की चर्चा की जा रही थी, किंतु व्यवस्था के अनुरूप शोक व्यक्त करने वालों की उपस्थिति कम थी। उपस्थित लोग उनके परिजन की जगह शोक स्थल पर अपने-अपने पूर्व परिचितों से बतिया रहे थे। औपचारिकता थी कि निभाई जा रही थी। मास्टर जी के साथ बरसों पढ़ाने वाले दूसरे मास्टर जी बता रहे थे, कि मास्टर जी ने खुद को सार्वजानिक जीवन से दूर रखा, यदि सबके सुख-दुःख में खड़े होते, तो शोक व्यक्त करने वालों की कमी नहीं रहती।

चंद्रेश्वर
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

ऐसी भी बातें

सूरज उगने के साथ शुरू हुआ दिन दोपहर तक पहुंचते-पहुंचते उसे आग की तरह जलाने लगता और फिर दिन ढलने के साथ आई शाम राख की तरह उसके दिल में दफन हो जाती। यूं तो सब कुछ है उसके पास, लेकिन कोई ऐसा साथी नहीं, जिससे वह बात कर सके। क्या थी ये बातें? कुछ बातें होती हैं ऐसी भी जिनका कोई मतलब नहीं और जो इन बेमतलब की बातों को भी उतनी ही तवज्जो दें जितनी मतलब की बातों को, बस उसी साथी की तलाश हमें उम्र भर थकाती है।

प्रतिभा नैथानी
देहरादून

धीरे-धीरे गुजर रहे वक्त ने एक दिन चुपके से उसके कानों में कह ही दिया कि नहीं, कोई नहीं है तुम्हारे लिए। तुम दुनिया में अकेले हो। शरद की ऐसी ही एक उदास रात जब उसने खिड़की से जरा पर्दा सरकाया तो वहीं कहीं दुबककर बैठी चांदनी झट फैल गई कमरे में। इस चमक से रोशन हुई आंखों को लगा कि इस वक्त वह अकेली नहीं, चांद ने कोई परछाई भेजी है, उससे बात करने को। खिड़की के सहारे सिर टिकाकर वह बात करने लगी उससे। अच्छी बात यह हुई कि चांद पूरे मनोयोग से उसे सुन रहा था। क्यों न हो चांद भी तो उसकी तरह अकेला था। कहने को लाखों सितारे उसके आसपास हैं, मगर कोई भी तो ऐसा नहीं जो पल भर को उसकी हथेली थाम कर कहे कि-आओ बैठो! थोड़ी देर बात करें। इधर धरती पर अकेली चांद की उस नई सहेली को याद नहीं कि कब नींद आई। आंख खुलने पर रात की बात सपने जैसी लगी। मन बड़ा हल्का सा था। चाय का कप हाथ में लेकर वह फिर उसी खिड़की पर आई। वहां गमले में खिले हुए गुलाबों पर नजर गई। वह सोचने लगी कि ये फूल आज़ उसे पहले से ज्यादा सुंदर क्यों लग रहे हैं। पास जाकर उसने एक फूल को छुआ। पंखुड़ियों पर मोती की तरह चमक रही ओस को उसने चांद की आंखों की नमी समझकर चूम लिया। अकेलेपन से उपजे दुःख के सौंदर्य से आज सुख का फूल सजा था।

समीक्षा

दीप जला उर के आंगन

पं.राधेश्याम कथावाचक के व्यक्तित्व और कृतित्व का एक प्रमुख आयाम पारसी रंगमंच था। हरि शंकर शर्मा ने कथावाचक जी के पारसी रंगमंच के प्रति योगदान को केंद्र में रखकर एक पुस्तक दो सौ सत्तर पृष्ठ की प्रकाशित की है। इसमें विभिन्न विद्वानों से प्रयत्न करके अनेक लेख आपने सम्मिलित किए हैं। स्वयं हरिशंकर शर्मा के तीन लेख पुस्तक की शोभा बढ़ा रहे हैं, जो लोग पारसी रंगमंच के संबंध में कुछ जानने के उत्सुक हैं, उनको यह पुस्तक विस्तृत फलक पर संतुष्ट कर सकेगी। पारसी रंगमंच पर कथावाचक जी के योगदान को समग्रता में सार रूप में पाठकों तक पहुंचाने के लिए तो इस पुस्तक का योगदान अत्यंत अभिनंदनीय कहा जाएगा। पुस्तक में सर्वसम्मति से यह स्वर मुखरित हुआ है कि कथावाचक जी के नाटक राष्ट्रीयता और सनातन हिंदुत्व की भावना से प्रेरित तथा हिंदी के गौरव में अभिवृद्धि करने वाले हैं। पारसी रंगमंच पर हिंदी को लाने का साहस और यत्न कथावाचक जी के बलबूते का ही काम था। पारसी रंगमंच के साथ ही कथावाचक जी का महत्वपूर्ण प्रदेय राधेश्याम रामायण है। इस पर भी डॉक्टर नवीन नंदवाना, डॉक्टर विनोद कुमार रस्तोगी, डॉक्टर अलका तिवारी तथा डॉक्टर एन.एल.शर्मा ने विस्तार से लेख दिए हैं। कथावाचक जी की लोक चेतना, नौटंकी, समय और समाज के साथ-साथ रास-रहस्य पर भी हरिशंकर शर्मा ने पुस्तक में अलग से आलेख प्रस्तुत किए हैं। रवि प्रकाश ने पारसी थिएटर के विकास में पंडित राधेश्याम कथावाचक का योगदान शीर्षक से अपने लेख में हरिशंकर शर्मा द्वारा संपादित कथावाचक जी की विभिन्न नाटक पुस्तकों के उद्धरण दिए हैं। कुल मिलाकर पारसी रंगमंच और उसके इतिहास के गौरव को यह संपादित पुस्तक जीवंत कर रही है। पारसी रंगमंच के लिए कथावाचक जी के लेखन और निर्देशन के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाने का बहुआयामी निष्ठावान प्रयास यह पुस्तक है।

पुस्तक : पं. राधेश्याम कथावाचक : पारसी रंगमंच
संपादक : हरिशंकर शर्मा, जयपुर
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, जयपुर
मूल्य : 400
प्रकाशन वर्ष : प्रथम संस्करण अक्टूबर 2025
समीक्षक : रवि प्रकाश, रामपुर

व्यंग्य

नफरत का विष हमें पियारा

नए आए सहकर्मी की कार्यकुशलता बताने के लिए मैंने अपना मुंह खोला ही था कि वह बोल पड़े, "बिहार का है।" ये तीन शब्दों का वाक्य बोलने के बाद उनके चेहरे के भाव कुछ इस तरह के थे जैसे उन्होंने किसी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एजेंट को पकड़ लिया हो। मैं कुछ बोलता उससे पहले ही एक सीनियर और बोल पड़े, "मेहनती है इससे लगता है चमचागिरी भी करता होगा?"

दिवाकर पांडेय चित्रगुप्त
बहराइच

दूसरे से नफरत करने के लिए हम कैसे-कैसे तर्क ढूंढ लाते हैं। सबसे बात करो तो लोग मतलब निकालते हैं, न बात करो तो घमंडी कहते हैं। सीधे बनकर रहो तो लोग इज्जत नहीं करते, टेढ़े रहो तो गुंडा-मवाली, न जाने क्या-क्या बताने लगते हैं।

पश्चिम में लोग जब नए-नए आविष्कार कर रहे थे, तब हमने इर्ष्या-द्वेष-नफरत आदि के लिए नए-नए रास्ते खोजे। यूरोप में जब लोग पीरियोडिक टेबल बना रहे थे तब हमने कोरे गप्प वाले ग्रंथ लिखें, जिसमें आज के विद्वान युवा हर नए आविष्कार के समाहित होने का दावा करते रहते हैं। वायुयान का सारा विज्ञान हमारे वेदों में लिखा हुआ था, जिसे आज हम अमेरिका से आयात कर रहे हैं। सच बात तो ये है कि हमने अपना सारा दिमाग दूसरे को उंगली करने में लगा दिया और सारा विज्ञान पश्चिम ले उड़ा। अपने हाथ में चमचमाता चाइनीज मोबाइल पकड़े हुए हम स्वदेशी अपनाओ का ढोल पीटते हैं, लेकिन पूर्वोत्तर की किसी ट्राइब की लड़की दिल्ली में घूमने आए तो उसे 'चाइनीज' कहकर आंखें मटकाते हैं। क्योंकि उसकी आंखें थोड़ी तिरछी हैं, नाक चपटी है, गाल गोरे और फूले हुए हैं, जो हमारी 'मानक सुंदरता' वाली परिभाषा से मेल नहीं खाता। बस, इतना काफी है नफरत का जहर उबालने के लिए।

व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पीएचडी लिए हमारे 'महान' राष्ट्रवादी, समाजवादी, परिवारवादी-सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। ज्ञान के मामले में ये ऐसे हैं, जैसे गूंगा सवाल पूछे और अंधा-बहरा जवाब दे। मतलब, न खुद कुछ जानते हैं, न दूसरों की सुनते हैं। एक मुगलों में महानता के उपमान खोजता है, तो दूसरा महाराणा के सौ मन वाले भाले को राष्ट्रवाद से जोड़ता है।

मैसेज आया कि 'चाइनीज माल बायकॉट करो', तो ये चाइनीज टीवी पर न्यूज देखते हुए जोर-जोर से 'भारत माता की जय' चिल्लाते हैं, लेकिन असल मुद्दों-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार पर मुंह में दही जम जाता है। क्योंकि नफरत का विष यही करता है, ध्यान भटकाओ, दुश्मन बनाओ और खुद की गंदगी छुपाओ। हमारी नफरत का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन हम उसे हर बार नया रंग दे देते हैं। अंग्रेजों को 'गोरा' कहकर गालियां दीं, मुगलों को मुसलमान कहकर कोसा और मूलनिवासियों को 'अछूत' का तमगा देकर समाज के कूड़ेदान में फेंक दिया।

कभी-कभी लगता है हमारा मूल कर्तव्य ही है नफरत करना। संविधान में मौलिक कर्तव्यों की बात होती है, लेकिन हमारा असली कर्तव्य है, हर हाल में नफरत। कैसे करना है वह परिस्थिति बताएगी। दफ्तर में जूनियर ने अच्छा काम किया? 'ये तो चापलूस है' कहकर नफरत। राजनीति में दूसरी पार्टी जीती? 'ये तो देशद्रोही हैं' कहकर नफरत। सड़क पर कोई अजनबी दिखा? 'पाकिस्तानी/चाइनीज/बांग्लादेशी' का लेबल चिपकाकर नफरत। कोई गरीब है, तो इसलिए नफरत, कोई अमीर है, तो इसलिए नफरत।

हम कम में गुजारा करने वाले लोग हैं, इसलिए नफरत के लिए छोटे-मोटे बहाने भी हमारे लिए काफी हैं। बड़ा कारण न मिले तो छोटा सही। पड़ोसी का घर बड़ा है? 'काला धन'। छोटा है? 'कंगाल'। बच्चा टॉपर है? 'रट्टू'। फेल है? 'नालायक'। बूढ़ा है, तो 'पुरानी सोच', जवान है, तो 'बिगड़ा हुआ'। भाई ने ज्यादा कमाया तो 'बेईमान', बहन ने हक मांगा तो 'लालची'।

इस मामले में हम मां-बाप को भी नहीं छोड़ते- 'दूसरे भाई को ज्यादा दिया' कहकर नफरत का जहर घोल देते हैं। शादी में दहेज कम मिला तो सास कंजूस कहकर नफरत, ज्यादा मिला तो मायके वाले बेवकूफ हैं कहकर नफरत। ट्रेन में सीट नहीं मिली? बगल वाले को गंवार कहकर नफरत। बस में धक्का लगा? बदतमीज कहकर नफरत और अगर कुछ न सूझे, तो ये तो वामपंथी/दक्षिणपंथी/उत्तरपंथी है। कहकर भी हम काम चला लेते हैं।

साहित्य के गलियारों में तो जैसे कोई महामारी फैली हुई है। आपने कभी देखा है इन साहित्यकारों को? इनका मुंह देखकर ऐसे लगता है, जैसे जोर की प्राकृतिक पीड़ा उठी हो और इन्हें निवृत्त होने की जगह न मिल रही हो। इनकी किताब पर दो शब्द लिख दो, तो उनका मुंह ऐसा फूल जाता है जैसे कोई गुब्बारा हो, जो फटने को तैयार हो। अगर कहीं उनकी किताब पर थोड़ी-सी आलोचना कर दो, तो बस उनके घर में मातम छा जाता है। रोना-धोना, शोर-शराबा, जैसे कोई राष्ट्रीय आपदा आ गई हो। सब एक-दूसरे के लिखे को 'लुगदी' कहकर खारिज कर रहे हैं, मानो खुद तो वेद-पुराण लिख रहे हों। उधर असली लुगदी वाले-वे जो बाजार में सस्ती किताबें छापकर माल काट रहे हैं। वे तो चुपचाप अपनी दुकान चला रहे हैं। महान साहित्यकार तो आपस में ऐसे लड़ते रहते हैं, जैसे कुत्ते हड्डी पर झगड़ते हैं। अगर सब लिखने वाले इतने महान हैं, इतने ऊंचे दर्जे के हैं, तो फिर साहित्य की यह दुर्दशा क्यों है? क्यों किताबें धूल खा रही हैं अलमारियों में? क्यों पाठक भागते फिर रहे हैं, जैसे साहित्य कोई संक्रामक रोग हो?

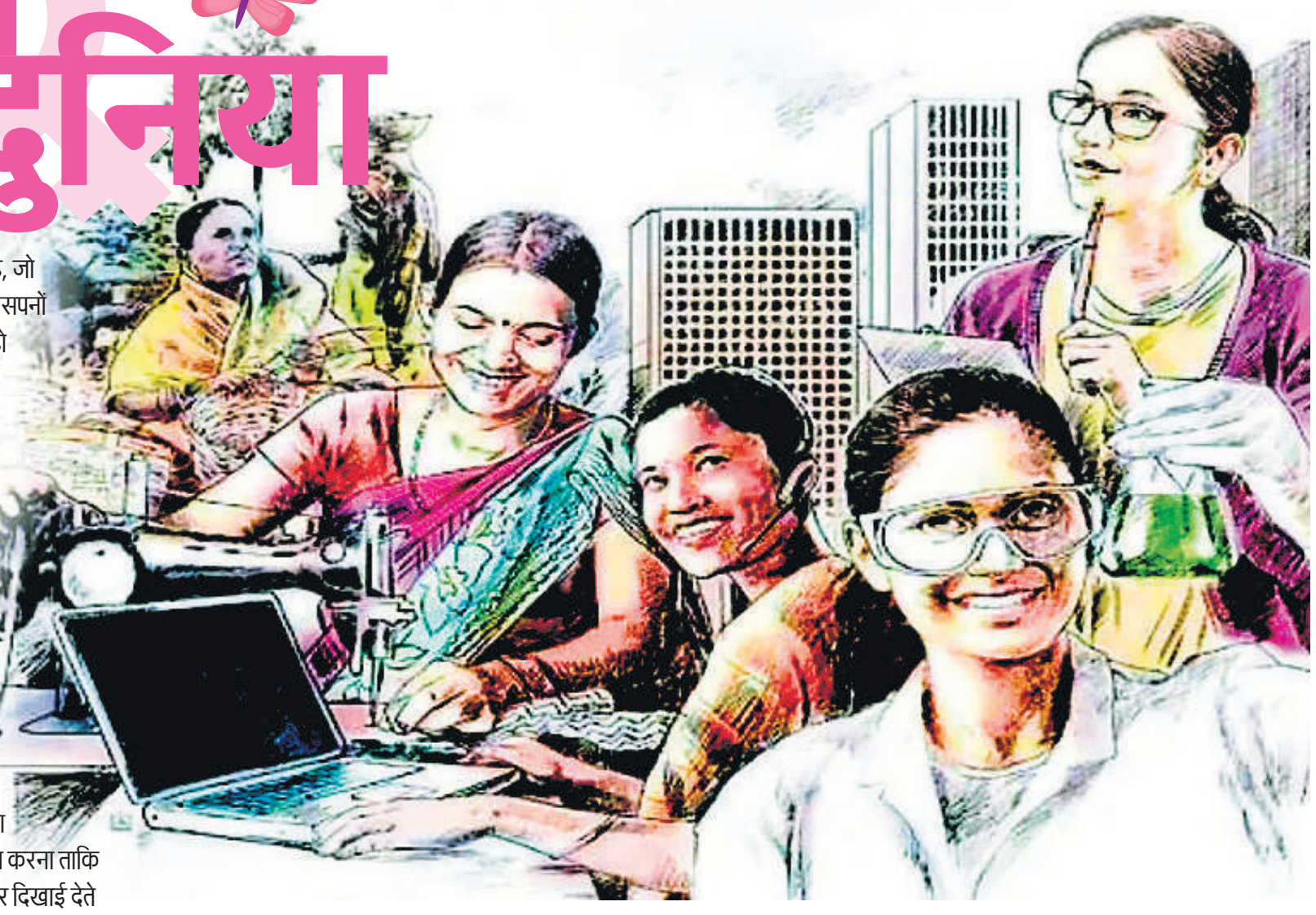

परिवार के अनदेखे सितारे
जिनके त्याग पर खड़ा है घर

वीरेन्द्र कुमार
लेखक

हर परिवार में एक ऐसा व्यक्ति जरूर होता है, जो सबकी खुशियों और जरूरतों के लिए अपने सपनों का बलिदान कर देता है। यह व्यक्ति मां भी हो सकती है, पिता भी या कभी-कभी बड़ा/छोटा भाई या बहन भी। ऐसे लोग अपनी इच्छाओं को पीछे रखकर परिवार की मजबूती के लिए नींव का पत्थर बन जाते हैं। इन्हें हम "अनसीन हीरो" कह सकते हैं, क्योंकि इनका त्याग न तो सही मायनों में सामने दिखाई देता है और न ही उसका मूल्य कभी खुले तौर पर स्वीकारा जाता है। भारतीय समाज में यह स्थिति विशेष रूप से आम है, जहां परिवार की भलाई को व्यक्तिगत आकांक्षाओं से ऊपर रखा जाता है। मां का नौकरी छोड़ देना ताकि बच्चे पढ़ सकें या पिता का आराम छोड़कर अतिरिक्त शिफ्ट में काम करना ताकि घर का खर्च चल सके। ये उदाहरण चारों ओर दिखाई देते हैं। समाजशास्त्री अरुणा घोष ने अपनी किताब "फैमिली इन ट्रांजिशन" में लिखा है कि "त्याग की आदत" धीरे-धीरे परिवार के भीतर असमानता को स्थायी बना देती है, क्योंकि जो त्याग करता है, उसका श्रम सामान्य और अपेक्षित मान लिया जाता है।" पश्चिमी शोध भी इस ओर इशारा करते हैं। ओईसीडी की 2020 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई देशों में महिलाएं हर दिन औसतन 4 से 5 घंटे अनपेड केयर वर्क करती हैं, जबकि पुरुषों का योगदान आधे से भी कम होता है। यानी परिवार का संतुलन उसी के बल पर टिका होता है, जिसे सबसे कम सराहा जाता है।

संघर्ष और त्याग

कहीं मां अपने करियर के सपनों को छोड़कर बच्चों की पढ़ाई और परवरिश को प्राथमिकता देती है, तो कहीं पिता अपने आराम और स्वास्थ्य की परवाह किए बिना लगातार ओवरटाइम काम करता है। कई बार बड़ा भाई अपनी पढ़ाई बीच में रोककर छोटे भाई-बहनों की फीस भरने लगता है या फिर बड़ी बहन अपने विवाह और व्यक्तिगत आकांक्षाओं को टालकर परिवार की ज़िम्मेदारी उठा लेती है, लेकिन इन त्यागों को अक्सर "कर्तव्य" या "स्वाभाविक भूमिका" मान लिया जाता है, जिससे उनकी असली कीमत अनदेखी रह जाती है। त्याग के रूप हर परिवार में "अनसीन हीरो" अलग-अलग दिखाई देते हैं। संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन (अन वूमैन) की 2018 की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशियाई देशों में लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवन के किसी न किसी चरण में व्यक्तिगत सपनों का त्याग परिवार के लिए करती हैं। साहित्यकार महादेवी वर्मा ने अपनी प्रसिद्ध रचना श्रृंखला की कड़ियां में लिखा था कि "परिवार की दीवारें और खिड़कियां स्त्रियों के मौन त्याग पर खड़ी हैं, जिन्हें पहचान मिलती है तो सिर्फ गृहिणी की।" यही बात पुरुषों और अन्य सदस्यों पर भी लागू होती है, जो भी व्यक्ति लगातार चुपचाप परिवार का सहारा बनता है, उसका संघर्ष और त्याग अक्सर इतिहास के पन्नों में दर्ज नहीं होता।

अनसीन हीरो का मानसिक स्वास्थ्य

त्याग करने वाले इन "अनसीन हीरो" पर सबसे गहरा असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति लगातार अपनी इच्छाओं को दबाकर परिवार की जिम्मेदारियां उठाता है, तो समय के साथ उसमें पहचान का संकट और भावनात्मक थकान पैदा होने लगती है। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए) की 2021 की एक रिपोर्ट में बताया गया कि "केयरगिवर" यानी परिवार की देखभाल करने वाले लोग, सामान्य व्यक्तियों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक अवसाद और चिंता का शिकार होते हैं। भारत में भी निमहंस की 2020 की स्टडी में पाया गया कि घर की देखभाल करने वाले सदस्यों, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों में स्ट्रेस रिलेटेड डिसऑर्डर तेजी से बढ़ रहे हैं। साहित्यकार अमृता प्रीतम ने लिखा है कि "त्याग की परंपरा जब लांछन बन जाती है, तो आत्मा धीरे-धीरे अपनी ही परछाई खो देती है।" यही सच है कि परिवार भले ही इन नि :स्वार्थ बलिदानों पर टिका रहता है, लेकिन भीतर ही भीतर ये व्यक्ति खालीपन, थकान और अनदेखेपन से जूझते रहते हैं। समाज भी इस त्याग को केवल "कर्तव्य" समझकर नजरअंदाज करता है, जिससे यह चुप्पी और गहरी होती जाती है। इसीलिए जरूरी है कि हम यह मानें कि त्याग भी एक मानवीय श्रम है, जिसकी पहचान और सम्मान किया जाना चाहिए। परिवार के इन "अनसीन हीरो" की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि समाज की संरचना में भी गहराई से दर्ज है। जब त्याग को सामान्य मान लिया जाता है, तो उसके पीछे की मेहनत और संघर्ष अदृश्य हो जाते हैं। आईएलओ (अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन) की 2019 की रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में महिलाओं द्वारा किया जाने वाला अनपेड केयर वर्क यदि आर्थिक मूल्य में गिना जाए, तो यह वैश्विक जीडीपी का लगभग 9 प्रतिशत बनता है, लेकिन फिर भी इसे किसी श्रम या योगदान के रूप में मान्यता नहीं मिलती। भारत में भी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2021) यह दर्शाता है कि अधिकांश महिलाएं और बुजुर्ग घर के काम और देखभाल में समय तो सबसे अधिक लगाते हैं, पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका बेहद सीमित होती है। यही असमानता "अनसीन हीरो" की स्थिति को और जटिल बना देती है। साहित्यिक दृष्टि से देखें, तो सिमोन द बुवुआर ने "द सेकंड सेक्स" में लिखा है कि -"महिलाओं का त्याग समाज की रीढ़ है, लेकिन इसी रीढ़ को सबसे कम महत्व दिया जाता है।" यह विचार केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, परिवार में कोई भी सदस्य जो अपने सपनों को दबाकर दूसरों का भविष्य संवारता है, उसकी मेहनत अनदेखी रह जाती है। इसलिए यह ज़रूरी है कि त्याग को सिर्फ कर्तव्य न समझा जाए, बल्कि एक मूल्यवान सामाजिक योगदान के रूप में पहचाना जाए।

परिवार का असली कर्तव्य सिर्फ त्याग

किसी भी परिवार का असली कर्तव्य सिर्फ त्याग लेने का नहीं, बल्कि उस त्याग को पहचानने और उसका सम्मान करने का होना चाहिए। "अनसीन हीरो" को धन्यवाद कहना, उनकी मेहनत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करना और जिम्मेदारियों को साझा करना रिश्तों की सेहत के लिए उतना ही जरूरी है, जितना भोजन शरीर के लिए। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू की 2019 की एक स्टडी बताती है कि जिन परिवारों और संगठनों में स्वीकृति संस्कृति यानी योगदान को मान्यता देने की परंपरा होती है, वहां रिश्ते और उत्पादकता दोनों ही अधिक मजबूत होते हैं। भारतीय दार्शनिक स्वामी विवेकानंद ने कहा था-"हर व्यक्ति में कुछ न कुछ ऐसा होता है, जो सम्मान का पात्र होता है।" यानी हर इंसान की कदर करना ही रिश्तों को जीवित रखता है। हमें यह भी समझना होगा कि त्याग हमेशा एकतरफा नहीं होना चाहिए, परिवार में सभी सदस्यों को अपनी क्षमता के अनुसार जिम्मेदारियां बांटनी चाहिए, ताकि कोई एक व्यक्ति बोझ तले न दबे। संवाद, आभार और संतुलन ही वे रास्ते हैं, जो इन अनसीन हीरोज को दिखाई और पहचाने जाने का अवसर देंगे। अगर हम समय रहते उनका सम्मान करना सीख लें, तो परिवार में न केवल मजबूती आएगी, बल्कि त्याग करने वाले को यह एहसास भी होगा कि उनका जीवन सिर्फ दूसरों के सपनों का सहारा नहीं, बल्कि अपनी खुद की पहचान और सम्मान से भी जुड़ा हुआ है।

सर्दियों के मौसम में बच्चों के लिए फैशन आइडियाज

आजकल के बच्चे, बड़ों से भी ज्यादा फैशनेबल ड्रेस पहनना चाहते हैं और अच्छा दिखना पसंद करते हैं। बच्चों को मौसम के हिसाब से भी कपड़े पहनाने चाहिए, जिससे बच्चे बीमार न हो और उनका ध्यान रखा जा सके। साथ ही बच्चों को लेयरिंग में कपड़े पहनाना चाहिए, जिसमें हल्की, लेकिन गर्म परतें सबसे सुरक्षित और आरामदायक रहती हैं। सबसे पहली लेयर कॉटन की पहनाएं ताकि बच्चे की त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। उसके बाद ऊनी या सिंथेटिक कपड़े, जैकेट, स्वेटर, इनर थर्मल, टोपी, दस्ताने और मोजे जरूर पहनाएं। बच्चों को, जितने कपड़े वयस्क पहनते हैं, उनसे हमेशा एक अतिरिक्त लेयर पहनाना सुरक्षित माना जाता है। भारी कपड़ों के बजाए हल्के कपड़ों की कई लेयर पहनाने से बच्चे अच्छे से गर्म रहते हैं और उन्हें चलने-फिरने में असुविधा नहीं होगी। कपड़े खरीदने से पहले कपड़ों की जानकारी होनी जरूरी है। आइए बताते हैं इस मौसम में कौन से कपड़े पहनने चाहिए।

बच्चों को लेयरिंग में कपड़े पहनाएं

- बच्चों को कपड़े पहनाने के लिए लेयरिंग विधि अपनाएं। पहली लेयर हमेशा नरम सूती कपड़े की पहनाएं, जिससे त्वचा को कोई नुकसान न हो।
- दूसरी लेयर हल्के गर्म कपड़े जैसे ऊनी स्वेटर, स्वेटशर्ट या थर्मल पहनाएं।
- तीसरी परत के रूप में जैकेट या कोट पहनाएं, जो वाटरप्रूफ या विंडप्रूफ हो सकती है।
- सिर को टोपी एवं हाथ-पैर को दस्ताने और मोजे अवश्य पहनाएं।

कपड़ों का सही चयन

- मुलायम और हल्के वजन के ऊनी, कॉटन या सिंथेटिक कपड़े बच्चों के लिए सर्वोत्तम हैं।
- बड़े या बेहद तंग कपड़े बच्चों को असहज कर सकते हैं, फिटिंग का ध्यान रखें।
- चमकीले रंगों वाले कपड़े बच्चों को पसंद आते हैं और दिखने में भी अच्छे लगते हैं।
- भारी कपड़े न पहनाएं ताकि बच्चा आराम से खेल सके और स्वतंत्रता महसूस करे।

विशेष ध्यान रखने योग्य बातें

- बच्चों के कपड़े उनकी त्वचा और तापमान के अनुसार बदलें। हाथ या पैर छूकर देखें, अगर ये पेट से ठंडे हैं, तो और एक लेयर पहनाएं।
- बच्चे बाहर जा रहे हैं, तो उनके लिए बाहरी परत वाटरप्रूफ/विंडप्रूफ होनी चाहिए।
- सर्दियों में हार्ड या मोटे कपड़ों से बचें, जिनसे त्वचा पर रैशेज या जलन हो सकती है।

उपयुक्त कपड़ें

- कॉटन इनर (बनियान/थर्मल)
- ऊनी स्वेटर या स्वेटशर्ट
- जैकेट या कोट (वाटरप्रूफ हो तो बेहतर)
- गर्म टोपी, दस्ताने और मोजे
- फुल स्लिव्स टी-शर्ट एवं पैंट/ट्राउजर
- बेबी बूट्स या गर्म जूते।

शादी में बच्चों को ऐसे बनाएं स्मार्ट

हर माता-पिता चाहते हैं कि शादी में उनके बच्चे बेहद खास और खूबसूरत नजर आए। माता-पिता शादी के सीजन में अपने बच्चों के कपड़ों को लेकर काफी कंफ्यूज रहते हैं। पेरेंट्स चाहते हैं कि उनका भी बच्चा शादी में नोटिस किया जाए। उसकी ड्रेस सभी बच्चों से अलग हो, जिससे पेरेंट्स बच्चों की शॉपिंग को लेकर एक्साइटेड रहती हैं। आपके बच्चे की उम्र 4 से 12 वर्ष के बीच हैं, तो ऐसे पेरेंट्स को बच्चों के लिए ड्रेस चुनते समय कई चीजों का ध्यान रखना पड़ता है।

शादी में हल्दी के मौके पर क्या पहनें

मॉडर्न युग में शादियां थीम के हिसाब से कपड़ों को पहनने का चलन बढ़ गया है, तो अब आप चाहोगे की आपका बच्चा भी थीम का हिस्सा होना चाहिए। आप हल्दी में अपने बच्चे के साथ जा रही हैं, तो उन्हें पीले रंग की ड्रेस पहनाएं।

लड़का :- वर्तमान समय मे हल्दी फंक्शन के लिए कोटी वाले कुर्ते पजामे काफी अच्छे लगते हैं। पीला रंग भी आपके बच्चे पर काफी अच्छा लगेगा।

लड़की :- आप अपनी बेटी के लिए शरारा, पंजाबी सूट, सलवार कुर्ता और पटियाला सलवार भी चुन सकती है।

वेडिंग डे के लिए बच्चों के फैशन आइडियाज

वेडिंग डे खास दिन होता है। इस दिन माता-पिता अपने बच्चों को भी खास ड्रेसअप में देखना चाहते है। वेडिंग डे के मौके पर बच्चे को, उन पर अच्छी लगने वाली वेस्टर्न या ट्रेडिशनल ड्रेस पहना सकती हैं। ट्रेडिशनल ड्रेस में बेटी के लिए अनारकली सूट, ट्रेडिशनल कुर्ती और लहंगा-चोली पहना सकती हैं। बेटे के लिए शेरवानी, पठानी कुर्ता और कुर्ता पैजामा अच्छा ऑप्शन हैं।

खाना खजाना

ब्रोकली स्टिर-फ्राई

ब्रोकली स्टिर-फ्राई एक चीनी व्यंजन है। ताजी ब्रोकली को प्याज, लहसुन, अदरक, सोया सॉस और काली मिर्च जैसी चटक खुशबूदार चीजों के साथ जल्दी पकाया जाता है, जिससे ब्रोकली के फूल अच्छी तरह पक जाते हैं और साथ ही उनमें कुरकुरापन भी बना रहता है। ब्रोकली को तलने से न केवल उसके फूल ठोस रहते हैं और वे नरम नहीं होते, बल्कि स्वादिष्ट स्वाद भी बना रहता है। हफ्ते की किसी भी रात आराम से और लगभग बिना किसी परेशानी के इस स्टिर-फ्राई ब्रोकली को जरूर ट्राई करें।

सामग्री

- 2 कप ब्रोकली के फूल (फ्लोरेट्स)
- 1 मध्यम गाजर, पतली कटी हुई
- कप शिमला मिर्च (लाल, पीली, हरी), पतली कटी हुई
- 1 बड़ा चम्मच तेल (जैतून का या तिल का तेल)
- 1 बड़ा चम्मच लहसुन, बारीक कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
- 1 छोटा चम्मच सिरका या नींबू का रस
- छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- छोटा चम्मच लाल मिर्च फ्लेक्स (वैकल्पिक)
- स्वादानुसार नमक
- 1 छोटा चम्मच तिल (भुना हुआ, सजाने के लिए)

बनाने की विधि

ब्रोकली को धोकर छोटे टुकड़ों (फ्लोरेट्स) में काट लें। गाजर और शिमला मिर्च को पतले स्लाइस में काट लें। अब एक पैन में पानी उबालें और उसमें ब्रोकोली डालें। फिर एक मिनट पकाएं, फिर तुरंत ठंडे पानी में डाल दें ताकि इसका रंग और कुरकुरापन बना रहे। इसके बाद एक कड़ाही या गहरे पैन में मध्यम आंच पर तेल गरम करें। गरम तेल में बारीक कटा लहसुन डालकर खुशबू आने तक भूनें। इसके बाद गाजर, शिमला मिर्च और ब्लांच की हुई ब्रोकोली डालें।

मीनाक्षी सिंह बुलबुल
फूड ब्लॉगर

तेज आंच पर 2-3 मिनट तक चलाते हुए भूनें। अब सोया सॉस, सिरका या नींबू का रस, काली मिर्च, लाल मिर्च फ्लेक्स और नमक डालें। सब्जियों को अच्छी तरह मिलाएं ताकि मसाले चारों तरफ अच्छी तरह लग जाएं। अब आपकी सब्जी तैयार है। ऊपर से भुना हुआ तिल छिड़कें। गरमागरम परोसें, इसे आप साइड डिश के रूप में या स्टीम्ड राइस और नूडल्स के साथ खा सकते हैं।

समस्तीपुर में कूड़े के ढेर में मिलीं हजारों वीवीपैट पर्चियां, दो एआरओ निलंबित

मुख्य चुनाव आयुक्त ने दिया जांच का निर्देश, चुनाव की शुचिता बरकरार रखने का भरोसा दिलाया

पटना, एजेंसी

चुनाव आयोग ने शनिवार को बिहार के समस्तीपुर जिले में कूड़े के ढेर से बड़ी संख्या में वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियां मिलने की घटना का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ भरोसा दिलाया है कि चुनाव प्रक्रिया की शुचिता बरकरार रहेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि आयोग ने समस्तीपुर के जिला मजिस्ट्रेट रोशन कुशवाहा को घटनास्थल का दौरा करने और घटना की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया गया है। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा कि जिला मजिस्ट्रेट ने चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को इसकी जानकारी दे दी है। हालांकि, संबंधित दो सहायक निर्वाचन अधिकारियों (एआरओ) को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

यह घटना सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र के पास हुई, जहाँ कमीशनिंग और डिस्पैच सेंटर के समीप ही शीतल पट्टी गांव के पास हजारों वीवीपैट पर्चियां कथित तौर पर फेंकी हुई पाई गईं। प्रशासन ने तुरंत यह सामग्री जब्त कर ली और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच, जिला मजिस्ट्रेट रोशन कुशवाहा ने कहा कि घटनास्थल से कई कटी हुई और कुछ बिना कटी हुई पर्चियां बरामद की गईं। जिलाधिकारी ने जनता से अफवाहें न फैलाने की अपील की है।

मॉक पोल की थीं कूड़े के ढेर में मिलीं पर्चियां : आयोग

चुनाव आयोग ने कहा है कि बरामद पर्चियां वास्तविक मतदान की नहीं हैं बल्कि इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) चालू करने के दौरान किए गए मॉक पोल की थीं। जिला मजिस्ट्रेट रोशन कुशवाहा ने कहा कि कमीशनिंग के दौरान सभी उम्मीदवारों के चुनाव चिन्हों की लोडिंग की पुष्टि के लिए 5% मशीनों पर 1,000 वोट डालकर मॉक पोल किया जाता है। इन पर्चियों के स्रोत और समय की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद की जाएगी। कहा कि मामला पूरी तरह से तकनीकी है और जांच के बाद सभी पहलू स्पष्ट हो जाएंगे।

ये होती है वीवीपैट पर्ची जब मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करते हैं तो वीवीपैट मशीन एक पर्ची प्रिंट करती है, जिस पर मतदान का विवरण होता है। यह पर्ची वहीं बॉक्स में संग्रहित हो जाती है और किसी विवाद की स्थिति में इन पर्चियों का मिलान ईवीएम में दर्ज वोटों से किया जाता है। यही वजह है कि इन पर्चियों के बाहर मिलने से सनसनी फैल गई और चुनाव आयोग को हरकत में आना पड़ा।

ईवीएम स्ट्रांगरूम में सुरक्षा बढ़ाए आयोग : झा

नई दिल्ली। राजद के सांसद मनोज झा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर बिहार में 'ईवीएम स्ट्रांगरूम' की सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। स्ट्रांगरूम में बिजली आपूर्ति बाधित होने की खबरों का हवाला देते हुए झा ने पत्र में कहा, मैं बिहार में ईवीएम के भंडारण वाले स्ट्रांगरूम में बिजली आपूर्ति बाधित होने की खबरें आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। खबरों ने इन महत्वपूर्ण सुविधाओं में अपनाए जा रहे सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आयोग से इस मामले का संज्ञान लेने और स्ट्रांगरूम परिसर के सभी प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर चौबीसों घंटे सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने का आग्रह किया, जिसमें वीडियो फुटेज को सुरक्षित रखा जाए।

शरद पवार ने की राजग की हार की भविष्यवाणी

अकोला। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टीप्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि अगर भाजपा नीत राजग की बिहार विधानसभा चुनाव में पराजय होती है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि राज्य के लोगों में बदलाव की भावना बढ़ रही है। पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि बिहार का एक अनूठा राजनीतिक चरित्र है और यह अक्सर भारत के राजनीतिक परिदृश्य में बड़े मोड़ का मंच रहा है। उन्होंने हालांकि व्यक्तिगत रूप से बिहार में प्रचार नहीं किया है, लेकिन उनके संपर्कों से मिली जानकारी से मतदाताओं के मूड में राजग के खिलाफ संभावित बदलाव का संकेत मिलता है।

नेशनल ब्रीफ

दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन सामान्य हुआ

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर विमान परिचालन शनिवार को सामान्य हो गया। हवाई अड्डे की संचालक कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने यह जानकारी दी। आईजीएआई पर शुक्रवार को एटीसी में गड़बड़ी के कारण 800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई थी। हवाई यातायात नियंत्रण की उड़ान योजना प्रक्रिया में सहयोग करने वाले 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी समस्या शुक्रवार सुबह लगभग पौने छह बजे से 15 घंटे से अधिक समय तक जारी रही। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शुक्रवार रात लगभग नौ बजे कहा कि समस्या का समाधान कर लिया गया है।

मोदी ने आडवाणी से मुलाकात कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री यहां आडवाणी के आवास पर पहुंचे और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्री लालकृष्ण आडवाणी जी के निवास पर जाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा अविस्मरणीय है और हम सभी को बहुत प्रेरित करती है। इससे पहले दिन में मोदी ने उन्हें एक महान दृष्टिकोण वाला राजनेता बताया।

छिपकर अधिकारियों से बैठक कर रहे हैं गृह मंत्री शाह: पवन खेड़ा

पटना। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में अधिकारियों के साथ 'गुप्त बैठकें' कर रहे हैं। खेड़ा ने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि 'इंडिया' महागठबंधन को विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में स्पष्ट बढ़त मिल रही है। उन्होंने दावा किया, हमारे पास बूथवार और विधानसभा-वार आंकड़े हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि महागठबंधन 72 सीट पर आगे है। इसी वजह से राजग में भय का माहौल है और उनकी रैलियों एवं सभाओं की संख्या दूसरे चरण में घटाई जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि घबराकर अमित शाह सीसीटीवी कैमरे बंद करवाकर, लिफ्ट और ट्रैफिक रोककर अधिकारियों के साथ गुप्त बैठकें कर रहे हैं।

अफ्रीका से भारत आएंगे 8 चीते, टीम ने किया पर्यावास का दौरा

भोपाल। चीता पुनर्वास कार्यक्रम के तहत भारत में स्थानांतरित करने से पहले दक्षिणी अफ्रीका के बोत्सवाना में आठ चीतों को पकड़ा गया है। चीतों को लाने का यह कार्यक्रम 2022 में शुरू हुआ था जब दशकों पहले यह जानवर भारत से विलुप्त हो गया था। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दो नर चीतों समेत इन चीतों को भारत भेजने से पहले एक महीने के लिए बाड़े में रखा जाएगा और उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा।

ये नेताओं का नहीं, जनता का चुनाव

मोदी बोले- लोगों को डर है कि राजद के नेता सत्ता में आ गए तो सिर पर कट्टा रख देंगे

बेतिया में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते भाजपा नेता।

बेतिया/सीतामढ़ी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में लोग राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत विपक्ष को वोट नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि वे सत्ता में आए तो लोगों के सिर पर कट्टा रख देंगे और उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश देंगी। प्रधानमंत्री ने राज्य के सीतामढ़ी जिले की चुनावी रैली में कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बेहतर शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में विकास के अलावा स्टार्ट-अप उद्यमों को भी बढ़ावा दे रहा है।

बिहार संग्राम

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता स्पष्ट रूप से कह रही है- नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार राजग सरकार। मैंने प्रचार अभियान भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की धरती से शुरू किया था और अब उसका समापन चंपारण की ऐतिहासिक भूमि पर कर रहा हूं। हालांकि प्रचार कल तक जारी रहेगा, लेकिन यह मेरी अंतिम जनसभा है। यह चुनाव नेताओं का नहीं, बल्कि बिहार की जनता का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि राजग हर बूथ पर विजयी हो। एक भी बूथ पर हमें हार का सामना नहीं करना चाहिए। मोदी ने पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर प्रसन्नता जताई। आप लोगों ने मतदान का नया इतिहास रचा है। बिहार ने साबित किया कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। चंपारण की धरती को नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, यह वही भूमि है, जिसने गांधी को 'महात्मा' का दर्जा दिया था। इसी धरती पर आज बिहार विकास के नए अध्याय की शुरुआत कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार जल्द खाद्य प्रसंस्करण का 'पावरहाउस' और वस्त्र उद्योग (टेक्सटाइल हब) का केंद्र बनेगा। बिहार विकसित भारत का प्रतीक राज्य बनने जा रहा है। राज्य में पूर्ववर्ती राजद के शासनकाल को याद करते हुए मोदी ने कहा कि बेतिया ने 'जंगलराज' के सबसे बुरे दौर को देखा है। कट्टा और रंगदारी की राजनीति ने बिहार को बर्बाद कर दिया था। हमें उस दौर से बिहार को बचाना है।

चिंता है तो राहुल ने अल्पसंख्यक को विपक्ष का नेता क्यों नहीं बनाया

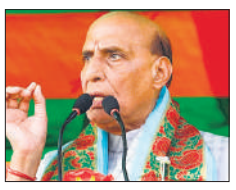

सासाराम/भभुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता राहुल गांधी वास्तव में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) या अल्पसंख्यक समुदायों के हितों को लेकर चिंतित हैं, तो उन्हें लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में इन्हीं वर्गों में से किसी को नियुक्त करना चाहिए था। रोहतास और कैमूर जिलों में जनसभाओं में सिंह ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप को बेवजह और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी के पास सबूत हैं, तो उन्हें निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। सिंह ने कहा, राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद विपक्ष के नेता बने थे। अगर राहुल गांधी को लगता है कि बिहार में वोट चोरी हो रही है, तो उन्हें सबूतों के साथ निर्वाचन आयोग में शिकायत करनी चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। वह केवल एक संवैधानिक संस्था पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। वह झूठ बोल रहे हैं। सिंह ने कांग्रेस पर जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर समाज में दरार पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उसकी विभाजनकारी राजनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी रक्षा बलों में आरक्षण का मुद्दा उठा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इन सभी बातों से ऊपर हैं। उन्हें राजनीति में नहीं घसीटना चाहिए। उन्होंने कहा, भाजपा आरक्षण का समर्थन करती है।

राहुल की दुकान बंद हो जाएगी, इंडिया ब्लॉक का सफाया तय: शाह

पूर्णिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा कि उनकी दुकान बिहार में बंद हो जाएगी, क्योंकि चुनाव में इंडिया गठबंधन का सफाया होने जा रहा है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 160 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएगा। शाह ने पूर्णिया, कटिहार और सुपौल में लगातार चुनावी सभाओं में आरोप लगाया कि राहुल गांधी एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का गढ़ बनाने पर आमादा हैं। केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं। हम घुसपैठिए की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएंगे और उनके देश वापस भेजेंगे। गृह मंत्री ने कहा, अगर आप नहीं चाहते कि बिहार का मुख्यमंत्री घुसपैठिए तय करें, तो विपक्षी गठबंधन को हराइए जो उन्हें बचाने के लिए यात्रा निकाल रहा है।

भाजपा का लोस में 400 पार का दावा निकला था खोखला: खरगे

गया/पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार चुनाव में राजग की जीत संबंधी प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इन नेताओं का 400 पार वाला दावा भी लोकसभा चुनाव में गलत साबित हुआ था। खरगे ने गया में कहा, भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन में कुछ ठीक नहीं चल रहा। जदयू अध्यक्ष और सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थन मिलेगा या नहीं। खरगे ने कहा, मोदी यह बताएं कि क्या ट्रंप ने भी उनके सिर पर कट्टा रखा था? उनका यह तंज अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत ने इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव रोकने का निर्णय उनकी मध्यस्थता से लिया था।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा कट्टा जैसे शब्दों से गिर रही है : प्रियंका

किशनगंज। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कट्टा जैसे शब्दों का प्रयोग कर अपने पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। बिहार के कटिहार में चुनावी रैली में प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस आज वही लड़ाई लड़ रही है जो कभी महात्मा गांधी ने लड़ी थी। एक तरफ प्रधानमंत्री वंदे मातरम का गुणगान करते हैं, जो अहिंसा और एकता का प्रतीक है, और दूसरी तरफ कट्टा जैसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और उसने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को दो कॉरपोरेट मित्रों को सौंप दिया है। भाजपा को लगता है कि वह महिलाओं को 10,000 रुपए देकर उनका वोट खरीद लेगी।

आसमान में एअरफोर्स की कलाकारी भारतीय वायुसेना धूमधाम से अपना 93वां स्थापना वर्ष समारोह मनाने जा रही है। इसके लिए विभिन्न आयोजनों की तैयारी की जा रही है। रविवार को गुवाहाटी में एअर शो के लिए पूर्वाभ्यास किया गया।

ईडी ने पीएफआई के खिलाफ धनशोधन मामले में 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत 67 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए एक नया आदेश जारी किया है। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि ये संपत्तियां पीएफआई के लाभकारी स्वामित्व और नियंत्रण में थीं और इसके राजनीतिक मोर्चे - सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के अलावा, विभिन्न ट्रस्टों के नाम पर थीं।

केंद्र ने सितंबर 2022 में ईडी, एनआईए और विभिन्न राज्य पुलिस बलों द्वारा समन्वित छापेमारी के बाद पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया था और इसे गैरकानूनी संगठन बताया, जो आतंकी गतिविधियों में लिप्त था। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी। यह एक राजनीतिक दल के रूप में भी पंजीकृत है। ईडी ने कहा कि 67.03 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने के लिए 6 नवंबर को अनंतिम आदेश जारी हुआ था। कुर्की के नए मामले के साथ जब्त हुई संपत्ति अब 129 करोड़ है। ये संपत्ति कई संस्थाओं के नाम पंजीकृत हैं, जैसे ग्रीन वैली फाउंडेशन, अलप्पुझा सोशल कल्चरल एंड एजुकेशन ट्रस्ट, पथनमथिट्टा में पंडालम एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट, वायनाड में इस्लामिक सेंटर ट्रस्ट, मलप्पुरम में हरिथम फाउंडेशन, अलुवा में पेरियार वैली चैरिटेबल ट्रस्ट, पलक्कड़ में वल्लुवुनाड ट्रस्ट और तिरुवनंतपुरम में एसडीपीआई के कुछ भूखंड। ईडी ने कहा कि पीएफआई ने वल्लुवनड हाउस पट्टाम्बि और मालाबार हाउस सहित कई ऐसी संपत्तियों पर प्रशिक्षण के लिए शेड बनाए गए।

- प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के खिलाफ संघीय जांच एजेंसी ने जारी किया एक नया आदेश

युद्धाभ्यास सिखा रहा था पीएफआई : ईडी

संघीय एजेंसी ने कहा, पीएफआई हथियारों से आक्रामक और रक्षात्मक युद्धाभ्यास सिखाने के लिए नकली मालिकों के नाम पर पंजीकृत संपत्तियों का प्रयोग कर रहा था। इनका उद्देश्य जिहादी एजेंडे को पूरा करने के लिए कैडर और सदस्यों को तैयार करना और गैरकानूनी गतिविधियों के लिए करना था। ईडी के अनुसार, पीएफआई के विचारक स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' (सिमी) के पूर्व सदस्य थे, जो जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा थी। पीएफआई की उत्पत्ति का इतिहास बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध से जुड़ा है। उस समय, यूएपीए के तहत जमात-ए-इस्लामी की संपत्तियों को कुर्क और सील कर दिया गया था। ईडी ने पीएफआई द्वारा अपराध से अर्जित आय की मात्रा 131 करोड़ रुपये आंकी है।

रेड जोन में दिल्ली, 400 के पार पहुंचा प्रदूषण का स्तर

दिल्ली के कई इलाकों में रविवार को भी घनी धुंध छाई रही।

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के कई हिस्सों में शनिवार को वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया, जिससे राष्ट्रीय राजधानी देश के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बन गई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिदिन शाम 4 बजे दर्ज किया जाने वाला 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को 361 रहा, जिससे दिल्ली रेड जोन में पहुंच गई और यह देश का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बन गया।

शहर के कई इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों से प्राप्त सीपीसीबी के समीर एप के आंकड़ों के अनुसार, अलीपुर में एक्यूआई 404, आईटीओ पर 402, नेहरू नगर में 406, विवेक विहार में 411, वजीरपुर में 420 और बुराड़ी में 418 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, एनसीआर क्षेत्र में नोएडा में एक्यूआई 354, ग्रेटर नोएडा में 336 और गाजियाबाद में 339 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आते हैं। शनिवार को दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर था। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन तक प्रदूषण कम न होने की भविष्यवाणी की है।

- वजीरपुर में 420 और बुराड़ी में प्रदूषण स्तर 418 दर्ज किया गया

अनंतनागः डॉक्टर के लॉकर से मिली एके-47

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद अनंतनाग जिले में एक चिकित्सा केंद्र से एक एके-47 राइफल बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि डॉ. आदिल अहमद को दो दिन पहले यूपी के सहारनपुर में गिरफ्तार किया गया था। एक अन्य डॉक्टर को भी जम्मू-कश्मीर के बाहर से गिरफ्तार किया गया था।

साइबर अपराधियों ने सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख ठगे

नोएडा, एजेंसी

नोएडा में साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश के जरिए मुनाफा का झांसा देकर सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराध थाने ने एक महिला ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-78 के 80 वर्षीय राकेश जैन ने शिकायत दी कि एक अक्तूबर को सोशल मीडिया पर पूजा नामक महिला ने उनसे संपर्क किया और दोनों व्हाट्सएप से जुड़े। पूजा ने राकेश को शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा कमाने की सलाह देते हुए व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा। ठगों ने जैन को फायर्स एसएनआई नामक एप डाउनलोड कराया।

जैन को शुरुआती में निवेश करने पर मुनाफा हुआ। जैन ने 71 लाख रुपये दे दिए। ठगों ने जैन से कहा कि करों और ऋण का ब्याज देने के बाद ही रकम निकल सकेंगे। रुपये वापसी पर ठगों ने जैन को ग्रुप से बाहर कर दिया। पूजा का नंबर भी बंद आने लगा।

निलंबित की गई तरनतारन की एसएसपी

चंडीगढ़। निर्वाचन आयोग ने 11 नवंबर को होने वाले तरनतारन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव से तीन दिन पहले शनिवार को एसएसपी रवजोत कौर ग्रेवाल को निलंबित कर दिया। वह सितंबर में तरनतारन के एसएसपी के रूप में तैनात हुई थीं।

अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर को तत्काल प्रभाव से तरनतारन के एसएसपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। ग्रेवाल के निलंबन का कोई कारण नहीं बताया गया है। गत माह, विपक्षी शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। आरोप लगाया था कि उन्होंने उपचुनाव के लिए प्रचार करने से रोकने के लिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई।

न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि देश के हर नागरिक का अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई गवई ने कहा- हाशिये पर खड़े लोगों तक पहुंचे न्याय

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यायाधीशों और वकीलों का यह कर्तव्य है कि वे सुनिश्चित करें कि न्याय का प्रकाश समाज के हाशिये पर खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि कानूनी सेवा आंदोलन का असली पुरस्कार आंकड़ों या वार्षिक रिपोर्ट में नहीं है, बल्कि उन नागरिकों की शांत कृतज्ञता और विश्वास में है, जो कभी खुद को अनदेखा महसूस करते थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति कानूनी सहायता और सभी के लिए न्याय तक पहुंच को आगे बढ़ाने में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय पालिका की साझा जिम्मेदारी की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि सफलता का असली मापदंड संख्या में नहीं बल्कि आम आदमी के इस विश्वास में कि कोई न कोई, कहीं न कहीं, उनके साथ खड़ा होने को तैयार है।

नालसा की 30वीं वर्षगांठ पर सुप्रीम कोर्ट में कार्यक्रम

नालसा के समारोह में सीजेआई गवई और प्रधानमंत्री मोदी।

मोदी ने की नए प्रशिक्षण मॉड्यूल की शुरुआत

नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) के 30 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में मोदी ने सामुदायिक मध्यस्थता पर नए प्रशिक्षण मॉड्यूल की भी शुरुआत की। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत के साथ सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के अन्य न्यायाधीश भी मौजूद थे।

सभी के लिए न्याय सुलभ करना जरूरी कानून की भाषा स्थानीय और सरल हो

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- न्याय सुलभ करना सामाजिक न्याय की पूर्व शर्त

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानून की भाषा को सरल बनाने की शनिवार को वकालत की ताकि स्थानीय लोग इसे आसानी से समझ सकें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के लिए न्याय सुलभ किया जाना चाहिए, चाहे उनकी सामाजिक या वित्तीय पृष्ठभूमि कुछ भी हो।

मोदी ने कहा कि न्याय सुलभ करना सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की एक पूर्व शर्त है। मोदी ने अदालती फैसलों और कानूनी दस्तावेजों को स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराने का आह्वान किया और इस संबंध में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए उच्चतम न्यायालय की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्याय सभी को उपलब्ध होना चाहिए।

मोदी ने कहा कि न्याय की भाषा ऐसी हो जो न्याय पाने वाले व्यक्ति को समझ में आए। जब लोग कानून को अपनी भाषा में समझते हैं तो बेहतर अनुपालन होता है और मुकदमे कम होते हैं। उन्होंने कहा, यह सराहनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 80,000 से अधिक निर्णयों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की पहल की है। मुझे विश्वास है कि यह प्रयास जिला स्तर पर भी जारी रहेगा।

अमृत विचार

रविवार, 9 नवंबर 2025

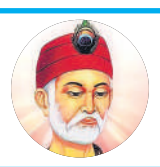

मेरा मुझ में कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौं सौंपता, क्या लागै है मेरा॥

कबीरदास जी कहते हैं, मेरे पास मेरा अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति सब कुछ तुम्हारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है, तो उसके प्रति मोह कैसा? इसमें मेरा कुछ भी नुकसान नहीं है, क्योंकि मैं तेरी दी हुई चीजें, तुझे ही समर्पित करता हूं।

वंदे मातरम् : राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र

शब्दों के घटक अक्षर और अक्षर की घटक ध्वनि। ध्वनियों के कुशल संयोजक राग गढ़ते हैं। कोई शब्द अपनी अक्षर शक्ति से मंत्र बन जाते हैं। ऐसा अक्सर नहीं होता। ऐसा तभी होता है, जब दिक्काल शुभ मुहूर्त की रचना करे। ऐसी मुहूर्त में उत्पन्न होता है शक्तिशाली शब्द, जिसका पुरुश्चरण होता रहता है। वंदे मातरम् बंकिम चन्द्र के उपन्यास 'आनंद मठ' का हिस्सा है। राष्ट्रीय आंदोलन में भारत के अवनि अंबर वंदे मातरम् के घोष से आपूरित रहे हैं। वंदे मातरम् राष्ट्रीय पुनर्जागरण का बीज मंत्र है। अभी तीन दिन पहले इसकी 150 वीं जन्म जयंती मनाई गई। दुनिया के किसी भी देश में घर-घर पहुंचने वाली ऐसी काव्य रचना नहीं मिलती।

> प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।"

'वंदे मातरम्' मंत्र का अवतरण वैदिक ऋचाओं की ही तरह 7 नवंबर, 1875 को हुआ। अंग्रेजी राज के विरुद्ध देश की सांस्कृतिक राष्ट्र भावाभिव्यक्ति वंदे मातरम् में प्रकट हुई। वंदे मातरम् 'आनंद मठ' (1882) में छपा। कांग्रेस 1885 में बनी। एक वर्ष बाद कलकत्ता में हुए अधिवेशन (1886) में हेमेन्द्र बाबू ने वंदे मातरम् गाया। अध्यक्ष मो. रहमत उल्लाह सयानी ने कोई प्रतिवाद नहीं किया। 1896 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे देशराग एक ताल में गाया। ब्रिटिश सत्ता वंदे मातरम् से डर गई। सरकार ने बंगाल विभाजन की घोषणा की। विरोध शुरू हो गया। बंगभंग 16 अक्टूबर, 1905 के दिन लागू होना था। बंगाल धधक उठा। भारत के अवनि-अंबर में वंदे मातरम् था। 8 नवंबर, 1905 को वंदे मातरम् प्रतिबंधित हो गया। विश्वविख्यात चिंतक विल डूरेन्ट ने बाद में कहा-"इट वाज 1905, देन दैट इंडियन रिवोल्यूशन बिगैन।" वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन (1905) में फिर से वंदे मातरम् गूंजा। पूर्वी बंगाल में कांग्रेस ने शोभायात्रा (1906) निकाली। सेना ने लाठीचार्ज किया। कांग्रेसी नेता अब्दुल रसूल सहित सबने वंदे मातरम् का जयकारा लगाया। कांग्रेस के राष्ट्रवादी नेता विपिन चन्द्र पाल के अखबार 'वंदे मातरम्' पर वंदे मातरम् की प्रशंसा लिखने पर मुकदमा (26.8.1907) चला। विपिन पाल ने "वंदे मातरम् के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को राष्ट्रद्रोह" बताया। उन्हें 6 माह की सजा की घोषणा हुई। अदालत के बाहर वंदे मातरम् का जयघोष हुआ। भयंकर लाठीचार्ज में दूर बैठा 15 वर्षीय शिशु सुशील कुमार भी पीटा गया। उसने प्रतिवाद किया। उसे 15 बेतों की सजा सुनाई गई। बेंत की हर मार पर उसने 'वंदे मातरम्' कहा। 1905-06 वंदे मातरम् के उत्ताप का कालखंड है। वंदे मातरम् देश के सभी क्षेत्रों में भारत भक्ति का स्वाभिमान बना।

भारत के अनेक भाषा भाषी कवियों ने 'वंदे मातरम्' अनुवाद किया। विश्वविख्यात कवि सुब्रमण्यम भारती ने तमिल में वंदे मातरम् गाया। फिर ल.न. पंतलु ने तेलगु में वंदे मातरम् की भावाभिव्यक्ति दी। भाषाएं अनेक, भारत माता और वंदे मातरम् एक का आसेतु हिमाचल प्रवाह था। 2005 में आरिफ मोहम्मद खान (सम्प्रति राज्यपाल) ने इसका एक और उर्दू अनुवाद किया है। समाज के सभी वर्गों में वंदे मातरम् की लोकप्रियता थी, लेकिन इसी मंत्र के माध्यम से सत्ता में आई कांग्रेस का इतिहास समझौतावादी ही रहा। काकीनाडा कांग्रेस अधिवेशन (1923) हुआ। पं. विष्णु दिगंबर पुलस्कर के वंदे मातरम् गायन के समय अध्यक्ष मो. अली ने प्रतिकार किया। पुलस्कार गाते रहे, वे चले गए। वंदे मातरम् समाज के प्रत्येक हिस्से में था, लेकिन कांग्रेस कार्यकारिणी (कलकत्ता 28.10.1937) ने इसमें काट छांट की और प्रथम दो चरण ही गाए जाने का प्रस्ताव किया। मो. अली जिन्ना के 11 सूत्री मांग पत्र में एक सूत्र 'वंदे मातरम्' को खारिज किए जाने का भी था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

भारतीय स्वाधीनता (15 अगस्त, 1947) के सुप्रभात पर श्रीमती सुचेता कृपलानी ने वंदे मातरम् गाया। आकाशवाणी के निदेशक ने संगीताचार्य पं. ओंकारनाथ ठाकुर से वंदे मातरम् गायन का न्योता देते हुए कहा-"सरदार पटेल ने आपको बुलाया है।" ठाकुर ने कहा-"हम आएंगे तो 'पूरा' गाएंगे।" दिल्ली ने 'हां' किया। आकाशवाणी से वंदे मातरम् का पूरा प्रसारण हुआ, लेकिन आजादी के 1 वर्ष बाद ही राष्ट्रगान 'जन गण मन' आ गया। क्यों आ गया?

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा (25 अगस्त, 1948) में बताया, "संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (1947) में हमारे प्रतिनिधि से राष्ट्रगान की मांग की गई। हमारे पास राष्ट्रगान की कोई रिकार्डिंग नहीं थी, जिसे हम विदेश भेज सकते। प्रतिनिधि के पास 'जन गण मन' का रिकार्ड था। इसे बजाया गया तो अनेक देशों के प्रतिनिधियों को बहुत पसंद आया। तब से यही हमारी सेना, विदेशी दूतावासों आदि में जरूरी अवसरों पर बजाया जाता है।" पंडित जी के तर्क दिलचस्प हैं। उनके तर्क और स्पष्टीकरण गले नहीं उतरते। पंडित नेहरू ने कहा, "देश के पास राष्ट्रगान की उपयुक्त रिकार्डिंग नहीं थी।" विदेशी प्रतिनिधियों को जन गण मन भा गया। पंडित जी ने आगे कहा-"मैंने प्रदेशों के राज्यपालों से इस पर राय भेजने हेतु पत्र लिखा है। मंत्रिमंडल का फैसला है कि संविधान सभा में अंतिम निर्णय होने तक 'जन गण मन' ही राष्ट्रगान के रूप में गाया जाएगा।" (वही-संविधान सभा) पंडित जी ने मुख्यमंत्रियों के बजाय राज्यपालों से ही क्यों मशविरा मांगा? क्या राज्यपाल केन्द्र के आज्ञापालक थे? मद्रास के तत्कालीन राज्यपाल आर्ची वालग्ड एडवर्ड, उड़ीसा के आसफ अली, बंबई के धर्मांतरित ईसाई महाराज सिंह, असम के सर अकबर हैदरी आदि नेहरू विचार से भिन्न राय क्यों देते? बेशक पं. बंगाल के मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम् पर आग्रही रुख अपनाया।

पंडित जी ने जन गण मन और वंदे मातरम् विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा-"राष्ट्रगान के रूप में वंदे मातरम् और जन गण मन में एक विवाद-सा उत्पन हो गया है। वंदे मातरम् की महान ऐतिहासिक परंपरा है। कोई दूसरा गीत इसे विस्थापित नहीं कर सकता। जहां तक राष्ट्रगान की धुन का सवाल है, शब्दों के अर्थ की बनिस्पत धुन ज्यादा आवश्यक है। यह धुन ऐसी कि भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत दोनों का प्रतिनिधित्व करती हो, जिससे इसके आर्केस्ट्रा और बैंड संगीत दोनों में सरलता से विदेश में उपयोग हेतु बजाया जा सके।" (संविधान सभा वही, 25.8.1948)

पंडित जी ने बैंड, आर्केस्ट्रा राग आदि का बहाना बनाया। जबकि यदुनाथ भट्ट ने वन्दे मातरम् को 'राग मल्हार' में गाया। नोपाल चन्द्रधर ने 'देश मल्हार' में और हीराबाई बड़ोदकर ने 'तिलक कामोद' में गाया। वि.दे. अभ्यंकर ने राग 'खंभावती' व कृष्ण राव ने 'राग झिझोटी' में गाया। पुलस्कर ने कई राग मिलाकर गाए, गंगूबाई हंगल व ओंकारनाथ ठाकुर ने इसी के लिए नया रागः बनाया। लता मंगेश्कर ने इसे परवान चढ़ाया। ए. आर. रहमान को संगीत प्रस्तुतिकरण को सबने सराहा पर कांग्रेस ने हमेशा 'तुष्टीकरण राग' में ही गाया। संविधान सभाध्यक्ष ने जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित (24 जनवरी, 1950) कर दिया। राष्ट्र ने संविधान सभा का निर्देश शिरोधार्य किया पर अलगाववादी तत्वों ने 'वंदे मातरम्' को हिकारत से ही देखा। विवादों से 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रभाव का सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस और अलगाववादी बेपर्दो ही गए। बंगाली वामपंथी भी अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ नहीं रहे, पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मार्क्सवादी चितक डॉ. रामविलास शर्मा ने (स्वाधीनता संग्राम, पृ. 72) लिखा था-"बंगाल और भारत के नवजागरण (इतिहास) में 'वंदे मातरम्' को स्थान देना न देना इतिहास विवेचकों के हाथ में नहीं है। इतिहास निर्माताओं ने अपने कार्यों से इसे 'राष्ट्रीयता का मंत्र' बना दिया है।"

'व्यापारी ट्रंप' की नीतियों का शुरू हुआ विरोध

पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके उनकी टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। दूसरी ओर, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के साथ अपनी व्यापार वार्ता को एक जीत बताया है और अपने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से मुलाकात को अद्भुत बताकर 10 में से 12 नंबर दिए हैं। दोनों शीर्ष नेताओं की यह मुलाकात एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण कोरिया में हुई थी। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

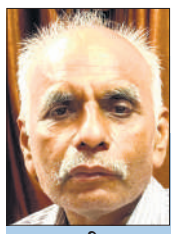

प्रकाश श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

दक्षिण कोरिया में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ट्रंप और शी जिनपिंग ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है। दुनिया की 45 फीसद अर्थव्यवस्था वाले देश के राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर आयात टैरिफ 57 फीसद से घटाकर 47 फीसद कर दिया है। ट्रंप ने पहले दुर्लभ मृदा तत्वों पर नियंत्रण के कारण पहली नवंबर से चीन पर 100 फीसद शुल्क लगाने की धमकी दी थी। रेयर अर्थ यानी दुर्लभ मृदा तत्वों को लेकर विवाद कम हुआ है। यह वही मुद्दा था, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापक व्यापार युद्ध छिड़ने का खतरा पैदा हो गया था। दोनों नेता व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने पर भी सहमत हो गए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप ने भले ही सुर्खियां बटोर ली हों, लेकिन जिनपिंग विजेता रहे हैं। शी ने ट्रंप के अहंकार को शांत किया है और अपने हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। यह वही ट्रंप हैं जिन्होंने अपने 2017 के एशियाई दौरे के दौरान रूस के साथ-साथ चीन को भी रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश किया था। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने बीजिंग के साथ संबंधों पर चार दशकों से चली आ रही सहमति को तोड़ दिया था। टकराव की खुली नीति शुरू की थी और बीजिंग की हठधर्मिता पर लगाम लगाने के लिए क्वाड जैसे नए गठबंधनों को बढ़ावा दिया था।

> पिछले सप्ताह ट्रंप की अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सीनेटरों सहित कई दूसरे सीनेटरों ने अनेक प्रस्ताव पारित करके ट्रंप की टैरिफ रणनीतियों का विरोध किया है। ट्रंप के लगातार भाषणों, बयानों पर दृष्टिपात किया जाए तो वे 'व्यापार सर्वोपरि' की नीति पर काम कर रहे हैं।

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने ट्रंप से एक संयुक्त अपील की है, जिसमें एच-1बी वीजा आवेदनों पर नए प्रतिबंध और 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने वाली घोषणा को वापस लेने का आग्रह किया है। इन सांसदों ने चेतावनी दी है कि इस कदम से अमेरिका-भारत संबंधों में तनाव आ सकता है और अमेरिका का प्रौद्योगिकी नेतृत्व कमजोर हो सकता है। उन्होंने आगाह भी किया है कि इस फैसले से अमेरिकी नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और भारत के साथ रणनीतिक संबंधों, दोनों को नुकसान होगा। दो राय नहीं कि ट्रंप की विदेश नीति के केंद्र में व्यापार है और इसका उद्देश्य उन सभी देशों और सहयोगियों के साथ आर्थिक रिश्तों को फिर से स्थापित करना है, जिनसे अमेरिकी बाजारों का हित सधता हो।

महिला पत्रकार व डिजिटल हिंसा

पत्रकारिता का मकसद होता है सच को सामने लाना और पीड़ितों की आवाज को ताकत देना, लेकिन जब वही पत्रकार खुद हिंसा और डर का शिकार बनने लगें तो इसे केवल पत्रकारिता के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। पूरी दुनिया में महिलाओं को डिजिटल हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है, लेकिन अब वह महिला पत्रकार सबसे ज्यादा निशाने पर हैं, जो सामान्य महिलाओं की आवाज उठाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की हाल में आई रिपोर्ट में इस खतरे की गंभीरता को उजागर किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में तीन-चौथाई महिला पत्रकारों को ऑनलाइन हिंसा का सामना करना पड़ा है। हर चार में से एक महिला पत्रकार को शारीरिक हमले या जान से मारने की धमकी मिली है। अब यह हिंसा केवल ट्रोलिंग या गालियों तक सीमित नहीं रही। एआई के जरिए डीपफेक, डॉक्सिंग और लैंगिक दुष्प्रचार जैसे नए हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

जाहिर है, इसका उद्देश्य महिला पत्रकारों को डराना, चुप कराना और उनकी साख को खत्म करना है। ऐसे लोग चाहते हैं कि महिला पत्रकारों को इस तरह भयभीत और हतोत्साहित कर दिया जाए, जिससे वह अपना काम ठीक से न कर पाएं। वह आम महिलाओं की आवाज को बुलंद कर पाएं। यूनेस्को ने चेताया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू होने वाली यह हिंसा अब वास्तविक दुनिया में भी दिखने लगी है। हाल के एक अध्ययन में पाया गया है कि 14 प्रतिशत महिला पत्रकारों को ऑनलाइन धमकियों के परिणामस्वरूप असली जीवन में हिंसा झेलनी पड़ी है।

बड़ा सवाल है कि आखिर महिला पत्रकार ही क्यों निशाने पर हैं? दरअसल, महिला पत्रकार ही आम महिलाओं पर होने वाले अन्याय, उनके साथ हो रही घरेलू, सार्वजनिक और डिजिटल हिंसा के मामले उजागर करती हैं। पीड़ित महिलाएं भी पुरुषों के बजाय महिला पत्रकारों के समक्ष अपनी बात को खुलकर कह पाती हैं। महिला पत्रकार लैंगिक हिंसा, सत्ता के दुरुपयोग या असमानता जैसे मुद्दों पर जब स्टोरी करती हैं, तो यह न केवल पीड़ित महिलाओं की आवाज को बुलंद करती हैं, बल्कि वह उन फासीवादी ताकतों को भी ललकारती हैं, जो महिलाओं को सीमाओं में बंधे देखना चाहती हैं। इसी कारण महिला पत्रकारों को डराने और बदनाम करने की कोशिशें की जा रही हैं।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सम्मेलन 2020 के दौरान प्रकाशित एक स्नैपशॉट रिपोर्ट में भी यह सब उजागर हुआ था। स्नैपशॉट रिपोर्ट के अनुसार एक सर्वेक्षण में उत्तर देने वाली 73 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने अपने कार्य के दौरान ऑनलाइन हिंसा का अनुभव किया। 25 प्रतिशत को शारीरिक हिंसा की धमकियां मिलीं। 18 प्रतिशत को यौन हिंसा की धमकी दी गई, जबकि 20 प्रतिशत महिला पत्रकारों के साथ ऑनलाइन हिंसा के संबंध में ऑफलाइन हमला किया गया। इसी प्रकार यूक्रेन में किए गए सर्वे के मुताबिक 81 प्रतिशत महिला पत्रकारों ने ऑनलाइन हिंसा का सामना किया, जबकि जिम्बाब्वे में यह संख्या 63 प्रतिशत रही।

रिपोर्ट: भूख और पोषण का गणित

सभ्यता के आरंभ में जब मनुष्य ने पहला बीज मिट्टी में दबाया, तो उसने केवल अन्न नहीं बोया था, उसने भरोसा बोया था। उसने धरती से एक वादा किया था कि दोनों एक-दूसरे की भूख नहीं, जीवन पूरा करेंगे। रोटी तब जीवन का प्रतीक थी और आज भी है। बस संदर्भ बदल गया है। अब सवाल सिर्फ अन्न के उत्पादन का नहीं, बल्कि उसके न्यायपूर्ण वितरण और पोषणीय संतुलन का है।

> राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35 .5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं है। 19 .3 प्रतिशत दुबले हैं और 32 .1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

जब 1945 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की स्थापना हुई थी। उस दौर में, विश्व युद्ध के बाद, जब भुखमरी, खाद्य संकट और कृषि अव्यवस्था ने मानवता की जड़ों को हिला दिया था, तब इस संगठन का लक्ष्य तय किया गया, 'दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक भोजन उपलब्ध कराना' तथा कृषि को टिकाऊ और वैज्ञानिक दिशा देना। भारत ने 1945 में ही, स्वतंत्रता प्राप्त करने से पहले, खाद्य एवं कृषि संगठन की सदस्यता ग्रहण की थी। यह उस युग का भारत था, जो भले ही राजनीतिक रूप से स्वतंत्र न हुआ हो, लेकिन उसने भूख और पोषण के प्रश्न को अपनी सभ्यता की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार किया था। आज वही भारत खाद्य एवं कृषि संगठन के सबसे सक्रिय सदस्य देशों में है और 'श्रीअन्न' (मिलेट्स) को वैश्विक पहचान दिलाने में उसकी भूमिका निर्णायक रही है।

जय प्रकाश पांडेय
लेखक

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने हाल ही में अपनी वार्षिक रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' का विमोचन नई दिल्ली में किया। यह केवल एक वैश्विक दस्तावेज नहीं, बल्कि उस दिशा में उठाया गया विचारात्मक कदम है, जहां भोजन को केवल अस्तित्व की आवश्यकता नहीं, बल्कि मानव गरिमा का अधिकार माना गया है। रिपोर्ट के विमोचन अवसर पर एफएओ के प्रतिनिधियों ने यह स्पष्ट रूप से कहा कि दक्षिण एशिया में भूख और कुपोषण में आई गिरावट का सबसे बड़ा श्रेय भारत की नीतिगत और सामाजिक प्रगति को जाता है।

भारत अब उस स्थिति में है, जहां उसका हर कदम न केवल अपने नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे क्षेत्र की खाद्य और पोषण नीतियों की दिशा तय करता है। एफएओ की रिपोर्ट 'विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति-2025' यह दर्शाती है कि भारत ने भूख घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021–23 की अवधि में भारत में कुपोषण की दर घटकर 13.7 प्रतिशत रह गई है, जबकि 2014–16 में यह 16.6 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारत की नीतिगत तत्परता जैसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम पोषण अभियान, मिड-डे मील योजना और आईसीडीएस आज खाद्य सुरक्षा को व्यवहारिक धरातल पर लाने का उदाहरण हैं। इन पहलों ने न केवल करोड़ों लोगों तक भोजन की पहुंच सुनिश्चित की है, बल्कि भूख संकेतकों में सुधार लाकर दक्षिण एशिया को वैश्विक औसत से ऊपर खड़ा किया है।

रिपोर्ट यह चेतावनी भी देती है कि भारत की खाद्य यात्रा अभी अधूरी है। शहरी गरीबी, आदिवासी क्षेत्रों की पोषण-वंचना और जलवायु-प्रभावित इलाकों में खाद्य असुरक्षा जैसी चुनौतियां आज भी मौजूद हैं। इनके पीछे केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि पोषण-संवेदनशील नीतियों की स्थायित्व की परीक्षा भी निहित है। यदि इन्हीं आंकड़ों को गहराई से देखा जाए, तो इनके भीतर एक असमान और चिंताजनक परत भी स्पष्ट होती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 55.6 प्रतिशत आबादी आज भी स्वस्थ आहार वहन करने में असमर्थ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़े भारत की पोषण-स्थिति पर एक सख्त सच्चाई उजागर करते हैं। देश में पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चे अपेक्षाकृत लंबाई के नहीं हैं। 19.3 प्रतिशत दुबले हैं और 32.1 प्रतिशत कम वजन के हैं।

यद्यपि ये आंकड़े पिछले सर्वेक्षण की तुलना में मामूली सुधार दर्शाते हैं, फिर भी यह स्पष्ट करते हैं कि भारत में कुपोषण का बोझ अब भी गहराई से मौजूद है। बाल-पोषण सुधार की दिशा में सरकार ने कई कार्यक्रम संचालित किए हैं, लेकिन इन योजनाओं का असर समान रूप से हर वर्ग तक नहीं पहुंच पाया है। सामाजिक-आर्थिक असमानता, मातृ-शिक्षा में अंतर, आय स्तर की विषमता और शहरी-ग्रामीण खाई, ये सभी कारक इस सफलता को सीमित कर देते हैं।

माता-पिता और गुरु के साथ ही मित्र भी होते हैं देवता

जीवन में यदि कोई अचानक संकट आ जाए और उसका समाधान नहीं समझ में आ रहा। हताशा, कुंठा और मन में व्यग्रता है, उस बीच कोई मित्र आकर इतना भर कह दे, 'घबराओ नहीं, मैं हूं न?' तो जैसे मरते हुए व्यक्ति को किसी ने अमृत पिलाकर स्वस्थ कर दिया हो, ठीक वही स्थिति संकटग्रस्त व्यक्ति की भी होती है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मित्रता का काफी प्रभाव जीवन में पड़ता है, इसलिए मित्रता करें, तो इस कदर करें कि संकट आने पर मित्र डट कर खड़ा हो जाए। सनातन संस्कृति में माता, पिता, गुरु के साथ मित्र को भी देवता की संज्ञा दी गई है। मित्र से कभी छल-कपट न करने का भी मनीषियों ने जिक्र किया है।

मित्रता की व्याख्या करते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में उद्धृत किया है कि मित्रता दूध और पानी की तरह होनी चाहिए। आग पर दूध चढ़ाया जाता है, तो एक समय स्थिति ऐसी आ जाती है कि दूध गर्म होकर उबलने लगता है और आग में जाकर जलने लगता है, लेकिन उसी समय पानी की कुछ बूंदें दूध में डाल दी जाती हैं, तो मित्र को पाकर फिर दूध का उबाल कम हो जाता है और जो दूध आग में खुदकुशी करने जा रहा था, वह फिर शांत हो जाता है। मित्र पानी को पाकर दूध का वजन भी बढ़ जाता है।

इस तरह सुग्रीव और वानरी सेना से मित्रता के बल पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने महाबली रावण का संहार किया। श्री हनुमान जी भी जब पहली बार लंका में गए तो विभीषण से उनकी मित्रता हुई। ऐसी स्थिति में जिस लंका में राक्षसों का प्रभाव था, उस लंका को जलाने में विभीषण की मित्रता ही काम आई।

मित्रता का बेहतरीन उदाहरण महाभारत युद्ध के दौरान भी मिलता है। अर्जुन को श्रीकृष्ण ने मित्र की तरह विषादग्रस्त स्थिति से बाहर किया और युद्ध के लिए तैयार किया, वरना अर्जुन ने स्वजनों के मोह में युद्ध के मैदान से पीछे हटने का मन बना लिया था। महाभारत में ही कर्ण की दुर्योधन से मित्रता का प्रसंग आता है। यह जानते हुए कि दुर्योधन की पराजय निश्चित है, फिर भी कर्ण ने दुर्योधन का साथ नहीं छोड़ा। अतः हर इंसान को चाहिए कि वह मित्र के साथ वफादारी करे।

इतिहास है दिल्ली की बदतर आबो-हवा का

दिल्ली और आसपास के 200 मील के रेडियस में धरती से एक किलोमीटर की ऊंचाई तक हवा में प्रदूषण की कहानी सन् 1911 से ही शुरू हो गई थी, जब अंग्रेजों ने इसे देश की राजधानी घोषित किया था। नवनिर्माण के लिए पत्थर और ईंटों की जरूरत थी। पत्थर को धौलपुर, भरतपुर और जोधपुर से लाया गया, जबकि ईंटो का निर्माण दिल्ली के आसपास उत्तर प्रदेश और हरयाणा, खासतौर से बादली गुलिया चौबीसा के गांवों में बड़े पैमाने पर होने लगा। सन् 1933 तक तो हवा इतनी जहरीली नहीं थी, जितनी कि यह अब है, लेकिन सन् 1955 के बाद से हवा में सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ने लगी।

सरकारी नौकरों के लिए रामकृष्ण पुरम, लक्ष्मीबाई नगर, सरोजिनी नगर और बाद में कुछ और कॉलोनियां बनीं। डीडीए ने दिल्ली देहात की जमीनें जिस दाम में खरीदीं, वह कुछ रुपये गज के हिसाब से था। किसी किसान को एक एकड़ के लिए 1000-1500 रुपये से अधिक न मिला था। एक तरह से गांवों को बर्बाद करने का यह दीर्घकालीन प्रोग्राम साबित हुआ। इनकी जीवनशैली तबाह हो गई। मुगल शासन काल में गांव उजाड़ने जैसा कोई काम नहीं किया गया था। शुरुआती दौर में अंग्रेजों ने भी ऐसा काम कम ही किया।

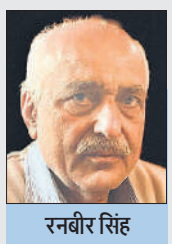

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

गांव और शहरों का आर्गेनिक ग्रोथ अपनी गति और जरूरत से होता गया, लेकिन आजादी के बाद जब पंजाब से विस्थापित होकर अनेक लोग दिल्ली और अन्य शहरों में आ गए, तो बहुत बड़ी संख्या में कॉलोनीज बसने लगीं और गांवों की जमीन पर दबाव पढ़ा। इस प्रक्रिया में करीब 100 से अधिक गांव तबाह हुए। बड़े पैमाने पर होने वाली निर्माण गतिविधि ने निश्चय ही हवा में धूल कणों की मात्रा बढ़ा दी, परंतु इससे इतना नुक्सान नहीं हुआ, जितना कि पश्चिमी दिशा में हजारों की संख्या में लगाए गए उन ईंट भट्ठों की चिमनी से निकले हुए धुएं ने किया, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड्स मिले होते हैं। यह मात्रा सन् 2000 तक बढ़ती रही और इसके बाद इसका स्तर ऊपर-नीचे होता रहा।

एयर क्वालिटी मॉनीटरिंग का काम भारत मौसम विभाग का है। इसके पास सब तरह का डाटा है। सन् 1969-1975 के बीच समस्या की गंभीरता महसूस होने लगी थी। दिल्ली में वाहन ट्रैफिक में बेशुमार बढ़ोतरी हुई और सन् 1975 के बाद अब तक प्रदूषण कारकों की मात्रा शायद 500 गुना बढ़ चुकी थी। जब भी पछवा हवा नहीं चलती या विंड स्पीड 15 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम हो जाती है, दिल्ली में हवा जहरीली हो जाती है। वर्षा के कुछ दिनों को छोड़कर करीब 150 दिन दिल्ली में हवा जहरीली बनी रहती है।

प्रदूषण के मामले में पॉलिटिक्स को अगर हम छोड़ कर साइंस के अनुसार बात करें, तो दिल्ली में क्वालिटी ऑफ लाइफ बेहद खराब है। हैवीली वुडेड एरियाज अथवा पेड़ों की अधिक संख्या वाले कुछेक इलाकों जैसे कि रिज, नयी दिल्ली का क्षेत्र, लोदी गार्डन क्षेत्र और साउथ दिल्ली की कुछ पॉकेट्स के अलावा बाकी दिल्ली नरक समान है। दिल्ली भारत की साइंटिफिक मैनेज मैनेजमेंट कैपिटल भी है। भारत में वैज्ञानिक लोग हवा और पानी में प्रदूषण की मात्रा तो बता सकते हैं, लेकिन वे प्रदूषण फैलाने वाले मानव के सामाजिक व्यवहार और तकनीकी और बैंकिंग नीतियों में सुधार नहीं कर सकते, जिनकी वजह से क्रमशः कूड़े के निपटान, ट्रेवल मोड, वाहनों के लिए सस्ता कर्ज आदि उन कारकों को बढ़ाते हैं, जिनसे प्रदूषण बढ़ता है। राज्य स्तर पर या नगर निगमों के स्तर पर जो लोग काम करते हैं, उनका प्रदूषण संबंधी साइंस और इसे दूर करने के साइंटिफिक मेथड्स से कोई लेना-देना नहीं होता। नगर स्वच्छता के लिए नियुक्त अफसर-कर्मचारी इस मामले में बिलकुल ज्ञान शून्य होते हैं। क्लाउड सीडिंग से बरसात करवाने का तजुर्बा भी कामयाब नहीं हुआ। प्रदूषण को कुदरती और व्यापक बरसात ही कम करती है। दिल्ली ही क्यों, भारत के सभी नगरों में वायु और जल स्रोत में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर नागरिक को व्यवहार बदलना होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

पॉप के बादशाह की बायोपिक 'माइकल' में नजर आएंगे उनके भतीजे जाफर जैक्सन

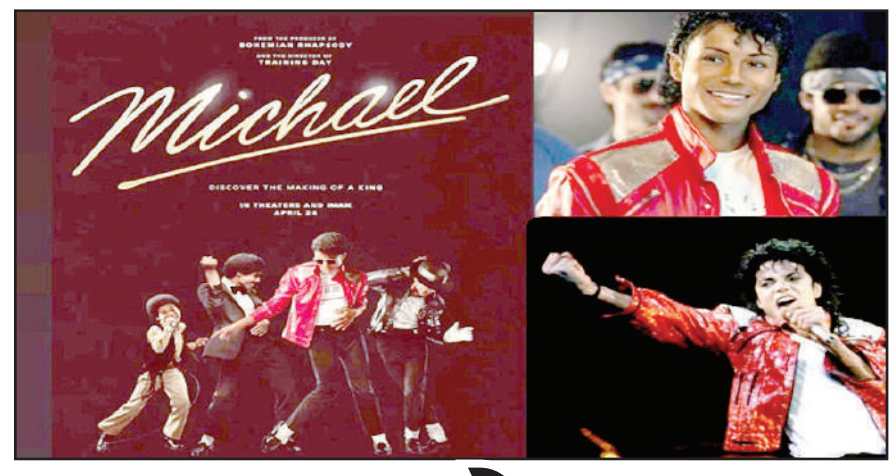

माइकल जैक्सन को दुनिया भर में 'पॉप का बादशाह' कहा जाता है। उन्होंने संगीत, नृत्य और मनोरंजन की दुनिया में ऐसा क्रांतिकारी योगदान दिया, जिसे नई परिभाषा देने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनके आइकॉनिक एल्बम- 'थ्रिलर', 'बैड' और 'डेंजरस' ने पॉप संगीत के इतिहास की दिशा बदल दी। उनकी विशिष्ट कलात्मकता, रिदमिक संगीत, नवोन्मेषी वीडियो और मूनवॉक जैसा दिग्गज डांस मूव पॉप संस्कृति को नई ऊंचाई तक ले गए। इसी महान कलाकार की जिंदगी पर आधारित बायोपिक 'माइकल' का टीजर हाल ही में जारी किया गया है। 6 नवंबर को जारी किए गए इस एक मिनट के टीजर में माइकल जैक्सन का किरदार उनके सगे भतीजे जाफर जैक्सन निभाते नजर आ रहे हैं। फिल्म में कोलमैन डोमिंगो, निया लॉन्ग और माइल्स टेलर जैसे प्रसिद्ध कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

टीजर में माइकल की दुनिया की झलक

टीजर की शुरुआत स्टूडियो में जाफर जैक्सन द्वारा निभाए गए माइकल के किरदार से होती है, जहां वे हेडफोन लगाकर रिकॉर्डिंग की तैयारी करते दिखते हैं। इसके बाद स्टूडियो से सीधे दृश्य एक भरे हुए स्टेडियम पर कट होते हैं, जहां माइकल की लोकप्रियता की भव्य झलक दिखाई देती है। एक मिनट के टीजर में माइकल की दुनिया की झलक नजर आई। टीजर में माइकल के पेट के हिस्से के क्लोज़-अप शॉट्स और एक बोर्ड पर चिपके नोट्स नज़र आते हैं, जिन पर 'Beat It' और 'Billie Jean' लिखा है। गौरतलब है कि 1983 में रिलीज हुआ 'Beat It' माइकल जैक्सन की डिस्कोग्राफी में एक ऐतिहासिक पड़ाव माना जाता है। इसने उन्हें वैश्विक सितारा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 80 के दशक के संगीत का चेहरा बदल दिया। इसी दौरान टीजर में यह भी दिखाया गया है कि कैसे जाफर जैक्सन मंच पर माइकल जैसी जादुई नृत्य ऊर्जा के साथ परफॉर्म करते हैं और उनकी आवाज भी एक पल को दर्शकों को भ्रमित कर देती है कि यह माइकल ही हैं। जाफर की अदाकारी देखकर फैंस हैरान हैं और लगातार इसकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- "इस ट्रेलर को ऑस्कर मिलना चाहिए।" दूसरे ने लिखा- "जाफर को माइकल का किरदार निभाते देख बेहद खुशी हो रही है। इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।" तीसरे ने कहा- "उनकी आवाज बिल्कुल अपने चाचा जैसी है।"

अगले साल अप्रैल में रिलीज होगी फिल्म

यह फिल्म दुनिया के सबसे लोकप्रिय और रहस्यमय कलाकारों में से एक की जिंदगी के उन पहलुओं को सामने लाने का वादा करती है, जिन्हें कम लोगों ने जाना है। यह बताएगी कि माइकल जैक्सन कैसे एक अद्वितीय परफॉर्मर बने और उनकी प्रसिद्धि के पीछे कितनी मेहनत और संघर्ष छिपा था। फिल्म 24 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईरान की निडर आवाज़ एक्ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती

तारानेह अलीदूस्ती, एक ऐसा नाम है, जो ईरानी सिनेमा के साथ-साथ वहां के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 12 जनवरी 1984 को तेहरान में जन्मी तारानेह एक अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने अपनी कला और साहस दोनों से दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

अभिनय की शुरुआत और ऑस्कर तक का सफर

अलीदूस्ती ने बहुत कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया था। 17 साल की उम्र में उनकी पहली फिल्म 'आई एम तारानेह, 15' (2002) रिलीज हुई, जिसमें उनके अभिनय को खूब सराहा गया और उन्होंने कई पुरस्कार जीते। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय सफलता 2016 में आई फिल्म 'द सेल्समैन' थी, जिसे असगर फरहादी ने निर्देशित किया था। इस फिल्म ने 89 वें अकादमी पुरस्कारों (ऑस्कर) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म का पुरस्कार जीता। इस फिल्म के माध्यम से उन्हें वैश्विक पहचान मिली। हालांकि उन्होंने तत्कालीन अमेरिकी यात्रा प्रतिबंधों के विरोध में ऑस्कर समारोह का बहिष्कार किया था, जो उनके राजनीतिक रुख का पहला बड़ा संकेत था।

सामाजिक सक्रियता और जेल यात्रा

तारानेह अलीदूस्ती की प्रसिद्धि सिर्फ उनके अभिनय तक ही सीमित नहीं है। वह ईरान में महिलाओं के अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की एक मुखर समर्थक रही हैं। 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान, वह प्रदर्शनकारियों के समर्थन में खुलकर सामने आईं। दिसंबर 2022 में, उन्होंने सोशल मीडिया पर हिजाब के बिना अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में एक बैनर पकड़ा हुआ था। इस साहसिक कदम के बाद ईरानी अधिकारियों ने उन्हें 'झूठ फैलाने' और 'देश विरोधी प्रचार' के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। 18 दिनों तक जेल में रहने के बाद, उन्हें जनवरी 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। उनकी गिरफ्तारी ने दुनियाभर में मानवाधिकार संगठनों का ध्यान खींचा और उनकी रिहाई के लिए व्यापक अभियान चलाए गए।

एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व

तारानेह अलीदूस्ती आज सिर्फ एक ऑस्कर विजेता अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि वह ईरान में बदलाव की एक प्रतीक बन गई हैं। उन्होंने साबित कर दिया है कि कला और सामाजिक जिम्मेदारी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। उनका जीवन और संघर्ष उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणा है, जो दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ खड़े होने का साहस करते हैं।

मॉडल आफ द वीक

नाम: चिंकी सिंह

टाउन: कानपुर

एजूकेशन: स्नातक की पढ़ाई जारी

अचीवमेंट: शान-ए-कानपुर का खिताब

ड्रीम: प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

क्लासिक वहीदा

वहीदा रहमान भारतीय सिनेमा की महत्वपूर्ण अभिनेत्री हैं, जिन्हें उनकी सुंदरता, गरिमा और अभिनय क्षमता के लिए जाना जाता है। वहीदा रहमान का जन्म 3 फरवरी 1938 को तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में एक तमिल मुस्लिम परिवार में हुआ था। वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नर्तकी थीं। अपने परिवार की आर्थिक मदद के लिए, उन्होंने डॉक्टर बनने का अपना सपना छोड़ और फिल्मों में प्रवेश किया। उन्होंने सबसे पहले तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में फिल्म निर्माता गुरु दत्त ने पहचाना, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'सी.आई.डी.' (1956) से हिंदी फिल्मों में लॉन्च किया। गुरु दत्त के साथ उनकी साझेदारी ने भारतीय सिनेमा को कई क्लासिक फिल्में दीं, जिनमें 'प्यासा' (1957), 'कागज के फूल' (1959) और 'साहिब बीबी और गुलाम' (1962) शामिल हैं।

1960 के दशक के मध्य में वहीदा रहमान ने शीर्ष अभिनेत्री के रूप में अपनी जगह बनाई। उनकी सबसे यादगार भूमिकाओं में से एक 'गाइड' (1965) में 'रोजी' की थी, जिसने उन्हें व्यापक पहचान और पहला फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाया। इसके बाद, उन्होंने 'तीसरी कसम' (1966), 'नील कमल' (1968) और 'खामोशी' (1969) जैसी कई सफल फिल्में दीं।

1974 में अभिनेता शशि रेखी (कमलजीत) से शादी करने के बाद, उन्होंने अभिनय से ब्रेक ले लिया और बंगलुरु चली गईं। 2000 में अपने पति की मृत्यु के बाद, वह मुंबई लौट आईं और सहायक भूमिकाओं में वापसी की। उन्होंने 'वाटर' (2005), 'रंग दे बसंती' (2006) और 'दिल्ली 6' (2009) जैसी फिल्मों में काम किया। भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्हें 1972 में पद्मश्री और 2011 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। 2023 में, उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। वहीदा रहमान आज भी भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक अनमोल विरासत बनी हुई हैं।

मछुआरों के लिए केंद्र ने जारी किए नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए नए नियम अधिसूचित किए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य मछुआरों, सहकारी समितियों और छोटे मछुआरों को सशक्त बनाना है और विदेशी जहाजों को भारतीय जल में मछली पकड़ने से रोकना है। ये नियम चार नवंबर को अधिसूचित किए गए। ये नियम बजट 2025-26 की घोषणा के अनुरूप हैं और इनसे भारत के समुद्री मत्स्य पालन क्षेत्र में नए अवसर खुलने की उम्मीद है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 9 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

डिजिटल सेवाओं को बेहतर बना रहा डिजीलॉकर

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने में सक्षम

नई दिल्ली, एजेंसी

पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र और जरूरी सूचनाओं को डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने की डिजलॉकर सुविधा पर हुए सम्मेलन में कागजरहित कामकाज, समावेशी शिक्षा और सुरक्षित डिजिटल सेवाओं को सुविधाजनक बनाने में इस की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया गया। सम्मेलन में कहा गया है कि डिजीलॉकर ने डिजिटल व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाने में बड़ा योगदान किया है और यह देश में डिजिटल ट्रस्ट क्रांति में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

'डिजीलॉकर-सभी के लिए पेपरलेस एक्सेस को सक्षम बनाना' विषय पर भारत मंडपम में आयोजित सम्मेलन में डिजीलॉकर को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान करने वाले राज्यों को सम्मानित भी किया गया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की शनिवार को जारी एक

- **कागजरहित काम, समावेशी शिक्षा और डिजिटल सेवाओं को बना रहा सुविधाजनक**

विज्ञप्ति के अनुसार मंत्रालय के नेशनल ई-गवर्नेंस डिवीजन (नेजीडी) द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इस बात पर चर्चा करना और यह दर्शाना था कि डिजीलॉकर कैसे एक साधारण सुरक्षित दस्तावेज़ भंडारण सुविधा से सरकार, शिक्षा और उद्योग क्षेत्रों में विश्वास, सुविधा और दक्षता की आधारशिला के रूप में विकसित हो रहा है।

डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में हो रहा विकसित

नेजीडी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंद कुमारम ने डिजीलॉकर के सुरक्षित डॉक्यूमेंट स्टोरेज प्लेटफॉर्म से डिजिटल इंडिया के मुख्य स्तंभ के रूप में विकसित होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों को पहचान पत्र (आईडी), वित्तीय क्षमता के परिचय और प्रमाण-पत्रों को सुरक्षित रूप से हासिल करने, पुष्टि करने और शेयर करने में सक्षम बनाता है। सम्मेलन में वित्त विभाग में प्रधान सचिव (ए एंड टी) डॉ. ऋचा बागला ने महाराष्ट्र में पेंशन और ट्रेजरी सिस्टम के साथ डिजिलॉकर के इंटीग्रेशन पर प्रस्तुति दी। असम के प्रधान सचिव (आईटी) केएस गोपीनाथ ने राज्य में सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से 500 से ज़्यादा सेवाओं में डिजिलॉकर के समन्वय पर प्रस्तुति दी। सम्मेलन में डिजिलॉकर अपनाने में राज्यों की खास उपलब्धियों के लिए उन्हें 'डिजिलॉकर एक्सेलरेटर' के तौर सम्मानित किया गया। असम को बेहतर सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए अलग-अलग सेवाओं में डिजिलॉकर के बड़े पैमाने पर इम्प्लीमेंटेशन के लिए 'इंटीग्रेशन एक्सीलेंस' सम्मान प्रदान किया गया। हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों को अपने राज्यों में सबसे बड़े डिजिटल पहचान से जुड़ी नागरिक पहलों को बनाने में डिजिलॉकर का इस्तेमाल करने के लिए पीपल फर्स्ट इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मेघालय को डिजिलॉकर और एंटिटीलॉकर दोनों प्लेटफॉर्म को इंटीग्रेट करने के लिए डुअल प्लेटफॉर्म अचीवर सम्मान, केरल को डिजिलॉकर के ज़रिए पेपरलेस गवर्नेंस शुरू करने में नवाचार के लिए तथा महाराष्ट्र को तेज़ी से डिजिलॉकर अपनाने के लिए फास्ट ट्रैक इंटीग्रेशन सम्मान मिला। मिजोरम को सबसे ज़्यादा रिक्वेस्ट मॉडल इंटीग्रेशन हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय डिजीलॉकर सम्मेलन की अध्यक्षता करते मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि डिजीलॉकर नागरिकों, मंत्रालयों और विभागों को जोड़ने वाली ट्रस्ट लेयर (विश्वास की परत) के रूप में काम करता है - जो सुरक्षित, इंटरऑपरेबल और जवाबदेह डिजिटल गवर्नेंस को सक्षम बनाता है। डिजिटल कनेक्टिविटी (सम्पर्क सुविधा) से क्षमता बढ़ी है, सर्विस डिलीवरी से आत्मनिर्भरता आ रही और अब डिजिटलीकरण से भरोसा बढ़ रहा है। डिजिटल सम्पर्क सुविधा व्यवस्था चलाने की नई अवसंरचना है। हमारा विजन ऐसा भविष्य है जहां हर डिजिटल संपर्क भरोसेमंद हो, हर नागरिक सशक्त हो, और हर संस्थान जवाबदेह हो। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव अभिषेक सिंह ने टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस में भारत की यात्रा को डिजिटल ट्रस्ट क्रांति बताया। उन्होंने गवर्नेंस सिस्टम में विश्वास बनाने में डिजीलॉकर की भूमिका पर बल दिया।

डिजिटल दस्तावेजों की सुरक्षित दुनिया

डिजीलॉकर

डिजीलॉकर भारत सरकार की एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को उनके महत्वपूर्ण दस्तावेजों को ऑनलाइन सुरक्षित रूप से संग्रहित और साझा करने की सुविधा देना है। इसे 2015 में डिजिटल इंडिया अभियान के तहत शुरू किया गया था। डिजीलॉकर की मदद से आधार से जुड़ी पहचान के माध्यम से व्यक्ति अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र, वाहन पंजीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, बीमा पॉलिसी और अन्य सरकारी दस्तावेज डिजिटल रूप में देख और डाउनलोड कर सकता है। यह सुविधा कागजी दस्तावेजों के झंझट को समाप्त करती है और सरकारी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाती है। डिजीलॉकर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह सरकारी मान्यता प्राप्त सुरक्षित प्लेटफॉर्म है, जो दस्तावेजों की वैधता को भी सुनिश्चित करता है। हालांकि इसके उपयोग के दौरान कुछ सावधानियां बरतना जरूरी है, ताकि व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित रहे और किसी भी साइबर जोखिम से बचा जा सके।

तुरंत हो एक्सेस

डिजीलॉकर क्लाउड-आधारित सेवा है जिसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को ऐसा प्लेटफॉर्म देना है जहां वे दस्तावेज़ों को डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकें और तुरंत एक्सेस कर सकें। डिजीलॉकर में दस्तावेज सरकारी संस्थाओं द्वारा जारी और सत्यापित होते हैं।

ये कैसे करता है कार्य

- **रजिस्ट्रेशन :** सबसे पहले उपयोगकर्ता अपने मोबाइल नंबर और आधार नंबर के माध्यम से डिजीलॉकर अकाउंट बनाते हैं।
- **ऑथेंटिकेशन :** ओटीपी के जरिए पहचान सत्यापित की जाती है।
- **दस्तावेज अपलोड या लिंक :** उपयोगकर्ता अपने दस्तावेज स्वयं अपलोड कर सकते हैं या आधार लिंकिंग से स्वत: सरकारी डेटाबेस (जैसे सीबीएसई, यूआईडीएआई, आरटीओ आदि) से प्राप्त कर सकते हैं।
- **शेयरिंग :** डिजीलॉकर से दस्तावेज़ सीधे किसी संस्था, बैंक, या सरकारी कार्यालय के साथ साझा किए जा सकते हैं। इसके लिए क्यूआर कोड या शेयर लिंक का उपयोग किया जाता है।
- **सत्यापन :** चूंकि डिजीलॉकर सीधे सरकारी सर्वर से जुड़ा होता है, इसलिए साझा किए गए दस्तावेज़ तुरंत सत्यापित किए जा सकते हैं।

लोगों को लाभ

- **पेपरलेस :** सरकारी कार्यों में भौतिक दस्तावेजों की जरूरत कम होती है।
- **सुलभता :** मोबाइल या कंप्यूटर से कभी भी दस्तावेज़ एक्सेस कर सकते हैं।
- **प्रमाणिकता :** सभी दस्तावेज सरकारी स्तर पर सत्यापित होते हैं।
- **सुरक्षा :** डिजीलॉकर डेटा एन्क्रिप्शन व सिक्योर सर्वर का उपयोग करता है।
- **पर्यावरण संरक्षण :** कागज की खपत घटने से पर्यावरण को लाभ होता है।

सावधानियां

हालांकि डिजीलॉकर सुरक्षित माना जाता है, फिर भी उपयोगकर्ताओं को कुछ सावधानियां रखनी चाहिए। अपने यूज़र आईडी और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। सार्वजनिक वाई-फाई पर लॉगिन करने से बचें। लॉगिन के बाद हमेशा साइन आउट करना न भूलें। संदिग्ध लिंक या फर्जी वेबसाइट पर अपने लॉगिन विवरण दर्ज न करें। यदि किसी गतिविधि पर संदेह हो, तो तुरंत पासवर्ड बदलें।

जोखिम और सुरक्षा

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हमेशा डेटा चोरी, फिशिंग या हैकिंग जैसे जोखिम बने रहते हैं। यदि उपयोगकर्ता असावधानी से अपना डेटा साझा करता है, तो उसकी गोपनीय जानकारी लीक हो सकती है। सरकार ने इन जोखिमों से बचाने के लिए ओटीपी आधारित सुरक्षा, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण और डेटा की गोपनीयता जैसे फीचर शामिल किए हैं। इसके बावजूद, व्यक्तिगत सतर्कता सबसे जरूरी है।

बिजनेस ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का लाभ 75.36 करोड़ रहा

नई दिल्ली। विविध क्षेत्रों में कार्यरत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 75 .36 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया। 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 1,436 .43 करोड़ रुपये रही, जो गत वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,223 .71 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल व्यय 1,348 .72 करोड़ रुपये रहा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने अलग दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने बैठक में कैप्टिव संयंत्र से सौर ऊर्जा की खरीद के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी फिफ्टीन लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी।

पैनासोनिक इंडिया के चेयरमैन का इस्तीफा

नई दिल्ली। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया के चेयरमैन मनीष शर्मा ने एक दशक से अधिक समय तक उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद विनिर्माता कंपनी का नेतृत्व करने के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा को 2012 में पैनासोनिक इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ के रूप में पदोन्नत किया गया था और वह तब से कंपनी का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इस साल के अंत तक अपने पद पर बने रहेंगे। शर्मा ने कहा, यह एक निजी और सोच-समझकर किया गया फैसला है, और मैं देश के विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में योगदान देता रहूंगा।

थिंक ने फिजिक्सवाला में निवेश किए 136 करोड़

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी स्टार्टअप फिजिक्सवाला में 136 करोड़ से थोड़ा अधिक का निवेश किया है। यह निवेश ऐसे समय में हुआ है, जब कंपनी अगले सप्ताह अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी कर रही है। इस निवेश के तहत थिंक इन्वेस्टमेंट्स ने शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म के 14 कर्मचारियों से फिजिक्सवाला में 1.07 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे, जो 0 .37% हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 127 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदे गए, जो निर्गम मूल्य से 17% अधिक है।

सिंगापुर, कनाडा की स्टार्टअप कंपनियां भारत में संभावनाएं तलाशने को उत्सुक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अनुकूल वातावरण वाला एक बड़ा बाजार

- **ईपीआईसी 2025 के दौरान 70 से अधिक देशों से आए 1,200 स्टार्टअप में से 100 को तीन श्रेणियों में चुना गया**

सिंगापुर और कनाडा की कई अंतर्राष्ट्रीय स्टार्टअप कंपनियों ने भारत में अपने कारोबार का विस्तार करने में रुचि दिखाई है। स्टार्टअप कंपनियों ने हांगकांग साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क्स कॉरपोरेशन (एचकेएसटीपी) की ओर से आयोजित वैश्विक पिच प्रतियोगिता ईपीआईसी 2025 के दौरान भारत में अपने कदम बढ़ाने की इच्छा जताई। पिच प्रतियोगिता एक ऐसी प्रतियोगिता है जहां उद्यमी अपने व्यावसायिक विचारों को निर्णायकों और निवेशकों के सामने प्रस्तुत करते हैं।

प्रतियोगिता के दौरान 70 से अधिक देशों से आए 1,200 स्टार्टअप में से 100 को तीन श्रेणियों डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, वित्त प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी में चुना गया। इनमें भारत के दो स्टार्टअप भी शामिल हैं। यह वार्षिक कार्यक्रम संस्थापकों को वैश्विक निवेशकों, कॉरपोरेट सहयोगियों और उभरते बाजारों से जोड़ने का अवसर देता है।

एचकेएसटीपी के चेयरमैन सनी चाई ने कहा कि हम हांगकांग की कनेक्टिविटी को गति प्रदान कर रहे हैं, जिससे विचारों को सीमाओं के पार ले जाने और विस्तार करने में मदद मिल रही है। सिंगापुर की कंपनी एनईयू बैटरी मैटेरियल्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ब्रायन ओह ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सिंगापुर से परे अपने व्यवसाय को बढ़ाना है, क्योंकि बैटरी पुनर्चक्रण केवल सिंगापुर या हांगकांग की समस्या नहीं है, यह एक वैश्विक समस्या है। हम अपनी प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इसका समाधान करना चाहते हैं। भारत के लिए योजनाओं पर उन्होंने कहा कि भारत स्टार्टअप के लिए अनुकूल वातावरण वाला एक बड़ा बाजार है, तथा बैटरी पुनर्चक्रण में शामिल कुछ स्टार्टअप वहां अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत, ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार वार्ता की प्रगति पर चर्चा की

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष डॉन फैरेल के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के लिए दूसरे चरण की वार्ता की समीक्षा की। अधिकारिक बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने एक संतुलित और परस्पर लाभकारी व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने के लिए रचनात्मक रूप से काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) का पहला चरण दिसंबर 2022 में लागू हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते से व्यापार प्रवाह बढ़ने, निवेश संबंध मजबूत होने और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन मजबूत होने की उम्मीद है। यह दोनों के लिए स्थिरता और बेहतर बाजार पहुंच भी प्रदान कर सकता है।

डॉलर में तेजी से सोने में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों का कहना है कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और फेडरल रिज़र्व अधिकारियों की सतर्क टिप्पणियों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है, जिसके परिणामस्वरूप सोने की कीमतों में तीसरे सप्ताह गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की प्रतीक्षा और निगरानी की नीति से सुरक्षित निवेश माने जाने वाले इस परिसंपत्ति वर्ग की मांग कमजोर पड़ी है। इससे छुट्टियों के कारण छोटे कारोबारी सप्ताह में सर्राफा की कीमतें सीमित दायरे में रहीं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर आपूर्ति वाले सोने का वायदा मूल्य पिछले सप्ताह 165 रुपये यानी 0.14% गिरकर शुक्रवार को 1,21,067 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एलजीटी वेल्थ इंडिया के फिक्स्ड इनकम एसेट्स के मुख्य निवेश अधिकारी (सीआईओ) चिराग दोशी ने कहा कि सप्ताहभर सोने का कारोबार सीमित दायरे में रहा। हालांकि मध्य में आई गिरावट के बाद सौदेबाजी आधारित खरीदारी देखने को मिली, लेकिन अक्टूबर में दिखाई देने वाली मजबूत रफ्तार अब धीमी पड़ गई है। बाजार फिलहाल ठहराव और मूल्यांकन के दौर में प्रतीत होता है, जहां निवेशक बड़ी पोज़िशन लेने से पहले डॉलर और ट्रेजरी यील्ड से स्पष्ट संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। वेंचुरा के कमोडिटी एवं सीआरएम प्रमुख एन एस रामास्वामी ने कहा कि सोने की कीमतें अब भी अपेक्षाकृत मजबूत हैं, क्योंकि डॉलर में नरमी और फेडरल रिज़र्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती की उम्मीदें बनी हैं। डॉलर सूचकांक अगस्त से 98 से 100 के दायरे में बना हुआ है। कमजोर डॉलर निकट भविष्य में सोने को कुछ सहारा दे सकता है।

नालको ने तिमाही में दर्ज की 35 प्रतिशत की वृद्धि

भुवनेश्वर, एजेंसी

- **नवरत्न उपक्रम का लाभ बढ़कर 1,433 करोड़ पहुंचा, खान मंत्रालय के नियंत्रण वाली कंपनी ने बैठक में वित्तीय रिपोर्ट को दी मंजूरी**

केंद्र सरकार के नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने चालू वित्त वर्ष में सितंबर में समाप्त तिमाही में उल्लेखनीय 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,433 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में शुद्ध लाभ 1,062 करोड़ रुपये था। खान मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करने वाली इस कंपनी के निदेशक मंडल ने शुक्रवार को भुवनेश्वर में बैठक में तिमाही वित्तीय रिपोर्ट को मंजूरी दी।

इसके अनुसार आलोच्य तिमाही में नाल्को की कुल परिचालन 4,292 करोड़ रुपये रही, वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना में 7.2% वृद्धि दर्शाती है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान, नालको ने 50.15% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2,497 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,663 करोड़ रुपये था। उत्पादन के मोर्चे पर, कंपनी ने वर्ष की पहली छमाही के दौरान एल्युमिना हाइड्रेट, कैल्साइन्ड एल्युमिना और एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया। एल्युमिना हाइड्रेट उत्पादन रिकॉर्ड 11,53,000 टन तक पहुंच गया, जबकि एल्युमिनियम कास्ट मेटल उत्पादन 2,34,148 टन रहा। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कंपनी ने 6,99,913 टन एल्युमिना की बिक्री की जो वर्ष 2013-14 की इसी तिमाही के 6,56,480 टन बिक्री के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

कंपनी ने इसी अवधि के दौरान 2,25,675 टन धातु की अपनी सर्वोच्च घरेलू बिक्री भी हासिल की। नालको के बोर्ड ने 2025-26 के लिए 80% की दर से 4 रुपये प्रति इक्विटी शेयर (अंकित मूल्य 5 रुपये) का अंतरिम लाभांश घोषित किया1 इस तरह कंपनी का यह अंतरिम लाभांश कुल 734.65 करोड़ रुपये होगा।

बाज़ार परिस्थितियों का परिणाम मज़बूत प्रदर्शन

कंपनी ने कहा है कि दूसरी तिमाही के मज़बूत प्रदर्शन बेहतर परिचालन क्षमता, लागत अनुकूलन पहलों और अनुकूल बाज़ार परिस्थितियों का परिणाम है।इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एल्युमीनियम की कीमतों में सुधार और बुनियादी ढांचे व वाहन उद्योग में मजबूत घरेलू मांग भी है। नाल्को के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि दूसरी और पहली छमाही के नतीजे कर्मचारियों के समर्पण और टीम वर्क तथा हितधारकों के अटूट समर्थन को दर्शाते हैं। हमने परिचालन उत्कृष्टता, लागत-बचत उपायों और निरंतर उत्पादकता के माध्यम से मजबूत प्रदर्शित किया है। आगे हमारा ध्यान दीर्घकालिक विकास और मूल्य सृजन को बढ़ावा देने के लिए मूल्यवर्धन, स्थिरता और क्षमता विस्तार पर बना रहेगा।

सरसों तेल-तिलहन में सुधार, पाम-पामोलीन में गिरावट

नई दिल्ली। स्थानीय बाजार में शनिवार को सटोरिया गतिविधियों की वजह से सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुधार देखने को मिला। इसके अलावा सोयाबीन के दाम के आसपास भाव होने के बीच जाड़े में मांग कमजोर रहने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतें गिरावट के साथ बंद हुई। विदेशों में बाजार बंद रहने के बीच कामकाज सुस्त होने से बाकी तेल-तिलहनों के भाव स्थिर बने रहे। कल रात शिकॉगो एक्सचेंज सुधार के साथ बंद हुआ था। सूत्रों ने कहा कि स्टॉकिस्टों की सटोरिया गतिविधि के कारण सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए हैं पर हकीकत यह है कि ऊंचे दाम के कारण सरसों तेल की लिवाली कमजोर है। उन्होंने कहा कि सीपीओ और पामोलीन का दाम सोयाबीन के आसपास जा पहुंचा है। ऐसे में पाम-पामोलीन की मांग प्रभावित हो रही है। वैसे भी जाड़े के मौसम में अपने जमने के गुण की वजह से पाम-पामोलीन की मांग कमजोर रहती है। इन कारणों से पाम-पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। विदेशों में बाजार बंद रहने और सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम स्थिर रहे। सूत्रों ने कहा कि सरकार को इस ओर ध्यान देना होगा कि बाजार में सोयाबीन, सूरजमुखी और मूंगफली जैसी तिलहन फसलों के हाजिर दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कमजोर हैं। आयातक अपने बैंकों काा ऋण साखपत्र (एलसी) को चलायमान रखने के लिए और बैंकों का कर्ज लौटाने के लिए अपने सौदों को लागत से नीचे दाम पर बेच रहे हैं। इसे रोकने के लिए सरकार को ठोस इंतजाम करने होंगे। ऐसी बिक्री से पूरे बाजार की कारोबारी धारणा प्रभावित होती है।

सेबी ने लोगों को डिजिटल गोल्ड उत्पादों में निवेश के खिलाफ चेतावनी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने शनिवार को निवेशकों को डिजिटल या ई-गोल्ड उत्पादों में निवेश को लेकर आगाह किया है। सेबी ने कहा कि ऐसे उपकरण उसके नियामकीय ढांचे से बाहर हैं और इनमें निवेश से जुड़ा जोखिम अधिक है।

यह चेतावनी तब आई है जब सेबी ने पाया कि कुछ ऑनलाइन मंच भौतिक सोने में निवेश के आसान विकल्प के रूप में 'डिजिटल गोल्ड' या 'ई-गोल्ड' उत्पादों का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। सेबी ने निवेशकों से कहा कि इस बारे में सूचित किया जाता है कि ऐसे डिजिटल गोल्ड उत्पाद सेबी-विनियमित गोल्ड उत्पादों से भिन्न हैं, क्योंकि इन्हें न तो प्रतिभूति के रूप में अधिसूचित किया गया है और न ही कमोडिटी डेरिवेटिव के रूप में विनियमित किया गया है। ये पूरी तरह से सेबी के नियामकीय दायरे से बाहर हैं। सेबी ने स्पष्ट किया कि विनियमित प्रतिभूतियों पर लागू निवेशक संरक्षण तंत्र ऐसी अनियमित डिजिटल गोल्ड योजनाओं पर लागू नहीं होगा।

डीडीए ने जन साधारण आवास योजना का दूसरा चरण पेश किया

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने जन साधारण आवास योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की है, जिसके तहत शहर के इलाकों में 1,500 किफायती फ्लैटों की पेशकश की जा रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह परियोजना सात नवंबर को शुरू की गई। इसमें निम्न आय वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणियों के तहत फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे, जो दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों जैसे शिवाजी मार्ग, रामगढ़ कॉलोनी, रोहिणी और नरेला में स्थित हैं। डीडीए ने कहा कि रोहिणी, रामगढ़ कॉलोनी और शिवाजी मार्ग के सभी फ्लैट पहले दिन ही बुक हो गए। पहले 24 घंटों में 1,000 से ज्यादा फ्लैट बुक हुए, जो जनता के उत्साह और विश्वास को दर्शाता है।

शेयर बाजार | गिरावट पर खरीदारी बनी रहेगी बेहतरीन रणनीति, चुनिंदा सेक्टरों को दूसरी तिमाही के उत्साहजनक नतीजों से मिला समर्थन

कॉर्पोरेट अर्निंग्स से बाजार में सुधार के मिल रहे सकारात्मक संकेत

मुंबई, एजेंसी

स्मॉलकैप में 46% तक की भारी गिरावट, ब्रॉडर इंडेक्स लुढ़के

पिछले हफ्ते (7 नवंबर) उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में ब्रॉडर इंडेक्स 0 .6-1.5% गिरे, जिससे मिडकैप व स्मॉलकैप की दो सप्ताह की बढ़त थम गई। एफआईआई ने 1,632 .66 करोड़ की इक्विटी बेची, जबकि डीआईआई ने 16,677 .94 करोड़ की खरीदारी की। बीएसई सेंसेक्स 722 .43 अंक या 0 .86% गिरकर 83,216 .28 पर और निफ्टी 50 229 .8 अंक या 0 .89% लुढ़ककर 25,492 .30 पर बंद हुआ। अधिकांश सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में रहे : निफ्टी मीडिया 3 .2%, डिफेंस 2%, मेटल 1 .7% और आईटी 1.6% नीचे। हालांकि, निफ्टी पीएसयू बैंक में 2% की बढ़त दर्ज हुई। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 .5% की गिरावट आई। वर्थ इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग, फिशर मेडिकल वेंचर्स, स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्लिस जीवीएस फार्मा, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, वीएल ई-गवर्नेंस एंड आईटी सॉल्यूशंस, रिलायंस पावर व पंजाब केमिकल्स एंड क्रॉप प्रोटेक्शन के शेयर 15-46% तक ढह गए।

नीचे फिसलने के आसार

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक नागराज शेट्टी का मानना है कि बाजार का शॉर्ट टर्म रुझान कमजोर है, लेकिन मध्यम अवधि में तेजी बरकरार है। शॉर्ट टर्म में निफ्टी 25,500-25,400 के सपोर्ट स्तर तक गिर सकता है, उसके बाद रिकवरी संभव है। गिरावट पर खरीदारी के अवसर तलाशें। तत्काल रेजिस्टेंस 25,800 पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा, ब्रॉडर नजरिए से निफ्टी 26,100 पर डबल टॉप बनाने के बाद गिरावट में है। प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे फिसलने से मंदी का संकेत मिला। अब 25,600 रेजिस्टेंस है, इससे नीचे रहने पर उछाल पर बिकवाली रणनीति काम आएगी। 25,400 पर सपोर्ट है, गिरावट से मंदड़ियों का दबदबा बढ़ेगा।

पकड़ा। वहीं, कमजोर वैश्विक संकेतों और फेड की ब्याज दर कटौती की घटती उम्मीदों से आईटी व मेटल शेयरों पर दबाव रहा। ग्लोबल स्तर पर ट्रेड व टैरिफ अनिश्चितताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं। घरेलू मोर्चे पर पीएमआई आंकड़े मिले-जुले रहे, लेकिन जीएसटी संग्रह में मजबूती बनी रही, जो आर्थिक विकास में तेजी और कंपनियों की कमाई में सुधार के अच्छे संकेत दे रही है।

मजबूत अमेरिकी डॉलर और भू-राजनीतिक तनाव में कमी से सोने की कीमतें हालिया उच्च स्तर से लुढ़क गईं।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी एयरलाइन दिल्ली से शंघाई के लिए उड़ान शुरू करेगी

बीजिंग। चीनी एयरलाइन 'चाइना ईस्टर्न' रविवार से दिल्ली-शंघाई उड़ान शुरू करेगी। इससे कुछ दिन पहले, 'इंडिगो' ने कोलकाता से ग्वांगझू के लिए उड़ान शुरू की थी। दोनों देशों के बीच लगभग पांच साल के अंतराल के बाद उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो रही हैं। 'चाइना ईस्टर्न' की उड़ान दिल्ली से रात आठ बजे रवाना होगी और सोमवार तड़के शंघाई पहुंचेगी। यह शंघाई से अपराह्न 12:30 बजे रवाना होगी और शाम छह बजे तक दिल्ली पहुंचेगी। यह एक दिन के अंतराल पर संचालित होगी। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने कहा कि उड़ानें फिर से शुरू होने से बेहतर कनेक्टिविटी का एक नया युग शुरू होगा। और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत और शंघाई के नेतृत्व वाले पूर्वी चीन क्षेत्र के व्यापारिक केंद्र के बीच लोगों के बीच मज़बूत संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

रूसी संपत्तियों के उपयोग के लिए राजी नहीं हुआ बेल्जियम

मॉस्को। यूरोपीय संघ आयोग जब्त की गई रूस सम्पत्तियों का उपयोग करने के लिए बेल्जियम को राजी करने में विफल रहा है। बेल्जियम की समाचार एजेंसी बेल्गा की रिपोर्ट के अनुसार बेल्जियम यूरोक्लियर डिपॉजिटरी में जमा रूसी संप्रभु संपत्तियों का उपयोग यूक्रेन को अल्प और मध्यम अवधि के लिए वित्तपोषित करने के यूरोपीय संघ आयोग के निर्णय का विरोध कर रहा है। एजेंसी ने कहा है कि यूरोपीय संघ आयोग के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को बेल्जियम के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी, लेकिन जमा रूसी संपत्तियों के उपयोग के संबंध में बेल्जियम की कानूनी और वित्तीय चिंताओं को दूर करने में विफल रहे। मौजूदा समय में क्षतिपूर्ति ऋण के रूप में लगभग 140 बिलियन यूरो रूस से विचाराधीन है, जिसे यूक्रेन को संघर्ष की समाप्ति के बाद रूस से भौतिक क्षति के लिए मुआवजे लेकर चुकाया जाएगा।

रनवे लाइटें बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डा पर उड़ानें बाधित

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार शाम रनवे की लाइटें बंद होने के कारण लगभग दो घंटे तक उड़ानों का संचालन बंद रहा। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार हवाई अड्डे के प्रवक्ता रिंजी शेरपा बताया कि रनवे की लाइटें शाम लगभग 5:30 बजे बंद हो गयीं। उन्होंने कहा, "रनवे के दोनों ओर की लाइटें बंद हो गयीं। कुछ ही आंशिक रूप से काम कर रही हैं, लेकिन अधिकांश बंद हो गयीं।" उन्होंने बताया कि खराबी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। समस्या को ठीक करने के लिए हवाई अड्डे की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग टीम को तैनात किया गया है।

भारत ब्राजील के नेतृत्व वाले वन कोष में बतौर पर्यवेक्षक शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **विकसित देशों से की अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की अपील**

भारत उष्णकटिबंधीय वनों के लिए ब्राजील के नए वैश्विक कोष में पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हो गया है और उसने विकसित देशों से कार्बन उत्सर्जन की कटौती में तेजी लाने एवं जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का आह्वान किया है।

ब्राजील के बेलेम में आयोजित कॉप- 30 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) के नेताओं के शिखर सम्मेलन में ब्राजील में भारतीय राजदूत दिनेश भाटिया ने शुक्रवार को भारत का वक्तव्य पेश करते हुए बहुपक्षवाद और पेरिस समझौते के प्रति देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। भाटिया ने कहा, भारत उष्णकटिबंधीय वनों के संरक्षण के लिए सतत वैश्विक कार्रवाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करने वाली 'ट्रॉपिकल फोरेस्ट्स फोरएवर फैसिलिटी' (टीएफएफएफ) की स्थापना में ब्राजील की पहल का स्वागत और समर्थन करता है।

टीएफएफएफ की बृहस्पतिवार को शुरुआत की गई। यह ब्राजील के नेतृत्व वाला एक वैश्विक कोष है जो उष्णकटिबंधीय देशों को वनों के संरक्षण और विस्तार के लिए पुरस्कृत करता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी निवेश के माध्यम से लगभग 125 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाना है।

विकसित देशों की बेपरवाही से बढ़ी

जलवायु परिवर्तन के खतरों को काफी पहले महसूस किया जा चुका है लेकिन अफसोस की बात है कि पूरी मानवता दांव पर होने के बावजूद अब तक इसे रोकने की दिशा में काफी कम काम हुआ है। वर्ष 2016 में इतना जरूर हुआ कि पेरिस समझौते के तहत जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक खाका तैयार किया गया लेकिन इस समझौते पर भी पूरी तरह अमल नहीं हो पाया। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते से अमेरिका के अलग होने की घोषणा कर कई नई आशंकाएं पैदा कर दी हैं। अमेरिका के साथ दूसरे विकसित देशों ने भी अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं किया है। अगले कुछ दिन बाद ब्राजील में होने जा रहे कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में नए सिरे से जलवायु परिवर्तन के खतरों और उससे निपटने की रणनीति पर विचार किए जाने की उम्मीद है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौती

जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारण

- जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बढ़ाता है, जिससे वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है।
- वनों की कटाई कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों को अवशोषित करने की ग्रह की क्षमता को कम करती है।
- जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण और उपयोग से भी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है। इससे वैश्विक तापमान बढ़ता है।

पेरिस समझौता

जलवायु परिवर्तन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्वऔद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना है, और 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयास करना है। यह समझौता 12 दिसंबर, 2015 को फ्रांस के पेरिस में किया गया और 4 नवंबर 2016 को लागू हुआ था। यह सभी देशों को उत्सर्जन कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध करता है।

विकसित देशों की भूमिका

- विकसित देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उनकी प्रगति धीमी और असमान है।
- कुछ ही विकसित देश हैं जो निम्न-कार्बन विकास पथ पर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अन्य देश बेपरवाह दिख रहे हैं। इससे चुनौती गंभीर होती जा रही है।
- जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की लागत बढ़ रही है, इससे प्रगति धीमी हो गई है। कई देश दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।
- विकसित देशों ने ही औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया में ऐतिहासिक रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन किया है, इसलिए उन पर दोहरी जिम्मेदारी है।

संभावित दुष्परिणाम

- गर्मी की लहरों, बाढ़, सूखे और तूफानों जैसी चरम मौसम की घटनाओं की आवृति और तीव्रता में वृद्धि होने की आशंका है।
- पारिस्थितिक तंत्र को भारी नुकसान हो सकता है, जैव विविधता में कमी आएगी और कई प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।
- बाढ़ और समुद्र स्तर में वृद्धि की आशंका, समुद्र के स्तर में वृद्धि से तटीय क्षेत्रों में रहने वाली आबादी पर खतरा बढ़ेगा।
- सूखा-बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएं कृषि को नुकसान पहुंचाकर खाद्य असुरक्षा और जल संकट पैदा कर सकती हैं।

इन देशों में स्पष्ट प्रभाव

ब्राजील समेत कुछ देशों में जलवायु परिवर्तन के स्पष्ट प्रभाव दिखने लगे हैं। यहां सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि हुई है। अमेजन वर्षावन के लिए खतरा बढ़ा है, इससे पूरे महाद्वीप को प्रभावित करने वाले सूखे की आशंका जताई जा रही है। कई और देशों में लू, बाढ़ और जंगल की आग जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। कॉप- 30 शिखर सम्मेलन में देशों के बीच इन मुद्दों पर विचार किया जाना है।

शटडाउन: अमेरिका में हवाई यातायात चौपट, एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द

संकट लंबा खिंचा तो और खराब होंगे हालात, रद्द हो सकती हैं 20% तक उड़ानें

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी इतिहास में संघीय सरकार के सबसे लंबे 'शटडाउन' के दौरान हवाई यातायात नियंत्रक कर्मियों और हवाई यातायात में कमी के कारण रोज हजारों उड़ानें रद्द की जा रही हैं। शुक्रवार को 1,000 से अधिक अमेरिकी उड़ानों को रद्द किया गया था। यह संख्या लगातार और बढ़ती जा रही है। हजारों उड़ानों में देरी भी हो रही है।

अमेरिकी उड़ान ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर ने कहा कि शुक्रवार शाम पांच बजे तक 4,309 उड़ानें लेट थीं और 1,002 को रद्द किया गया। यह घटनाक्रम अमेरिकी परिवहन विभाग और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) द्वारा बुधवार को उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि संघीय सरकार शुक्रवार से 40 स्थानों पर हवाई यातायात में कमी लाएगी। एफएए द्वारा निर्धारित उड़ान निरस्त योजना के अनुसार, शुक्रवार को उड़ानों में चार प्रतिशत की कमी करने की तैयारी थी। अगले मंगलवार तक यह छह प्रतिशत, गुरुवार तक आठ प्रतिशत और शुक्रवार तक 10 प्रतिशत तक बढ़ाया जाना है।

एफएए प्रशासक ब्रायन बेडफोर्ड ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि निर्धारित क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती हमारे वायु यातायात नियंत्रकों पर दबाव में कमी लाने के लिए उपयुक्त होगी और चूंकि हम कर्मचारियों की संख्या में निरंतर कमी देखेंगे इसलिए उन विशिष्ट बाजारों में अतिरिक्त उपाय किए जाएंगे।" परिवहन सचिव सीन डफी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकारी कामबंदी लंबा चलता है तो उड़ानों में 20 प्रतिशत तक की कटौती हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को मिली राहत, गरीबों की खाद्य योजना की राशि अस्थाई रूप से रोकने को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को निम्न आय वर्ग के लोगों के खाद्यान लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोकने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपातकालीन आदेश में कहा है कि प्रशासन कम आय वाले अमेरिकियों को मिलने वाले खाद्य लाभों के लिए अरबों डॉलर की धनराशि को अस्थाई रूप से रोक सकता है। निचली अदालत ने पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) (जिसे फूड स्टैंप भी कहा जाता है) के लाभार्थियों को शुक्रवार तक पूरी राशि का भुगतान करने का फैसला दिया था, जिसके खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अमेरिका में संघीय सरकार के चल रहे शटडाउन के कारण यह कार्यक्रम अधर में लटक गया है। ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि वह इसे केवल आंशिक रूप से ही वित्तपोषित कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट की ओ से शुक्रवार के फैसले का मतलब है कि आगे की कानूनी सुनवाई तक चार अरब डॉलर (3.04 अरब पाउंड) की राशि अस्थायी रूप से रोकी जा सकती है। अमेरिकी सरकार 38 दिनों से शटडाउन में है। यह अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा शटडाउन है और इसके कारण लाखों सरकारी कर्मचारियों को कर्ज लेकर गुजारा करना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर बिना वेतन काम कर रहे हैं 63 हजार कर्मचारी

अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के बाद से, लगभग 13,000 हवाई यातायात नियंत्रकों और लगभग 50,000 हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारियों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। डफी ने हाल ही में बताया कि कुछ हवाई यातायात नियंत्रक सप्ताह में छह दिन और 10 घंटे काम कर रहे हैं। कर्मचारियों की बड़ी संख्या में अवकाश पर जाने से विमानन उद्योग में कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है, कई क्षेत्रों में उड़ानों में देरी की समस्या बढ़ गई है तथा विमानन सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। 'फ्लाइटअवेयर' के आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दिन हज़ारों उड़ानें देरी से चल रही हैं। गुरुवार को अमेरिका में आने वाली या अमेरिका से जाने वाली 7,000 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई थी।

लाखों लोग प्रभावित

बताया जा रहा है कि शटडाउन से रोजाना 1,800 उड़ानें रद्द हो सकती हैं। इससे करीब 2.68 लाख लोग प्रभावित होंगे। इससे थैंक्स गिविंग वीक की छुट्टियों से पहले यात्रा करने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई बड़े एयरलाइंस पहले ही उड़ानें कैंसिल कर चुके हैं। इसमें रीजनल और मुख्य उड़ानें शामिल हैं।

अमेरिका ने रूसी तेल गैस खरीदने पर हंगरी को प्रतिबंधों से छूट दी

वाशिंगटन। अमेरिका रूस से तेल और गैस खरीदने को लेकर हंगरी पर एक साल तक कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा। बीबीसी ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हंगरी को रूसी तेल और गैस की खरीद को लेकर एक साल के लिए प्रतिबंधों से छूट दे दी है।

ट्रंप ने कहा था कि वह हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को छूट देने के मुद्दे पर विचार करेंगे। ओर्बन को ट्रंप का करीबी माना जाता है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हंगरी ने रूस के साथ भी अच्छे संबंध विकसित किए हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को ओर्बन से साथ व्हाइट हाउस में बैठक के दौरान कहा था कि हंगरी को छूट देने के पर विचार किया जा रहा है क्योंकि उसके लिए अन्य क्षेत्रों से तेल और गैस प्राप्त करना बहुत मुश्किल है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यह छूट सिर्फ एक साल के लिए है।

ट्रंप ने जी-20 सम्मेलन के बहिष्कार की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी

- **दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेत किसानों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि इस वर्ष दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका सरकार का कोई भी अधिकारी भाग नहीं लेगा।

ट्रंप पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप की जगह अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस को इसमें शामिल होना था लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, यह बेहद शर्मनाक है कि जी-20 दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होगा। ट्रंप ने अपने 'पोस्ट' में श्वेत अफ्रीकी लोगों के साथ हिंसा समेत दुर्व्यवहार किए जाने का हवाला दिया।

ट्रंप प्रशासन दक्षिण अफ्रीकी सरकार पर अल्पसंख्यक श्वेत अफ्रीकी किसानों को सताने और उन पर हमले करने की अनुमति देने का आरोप लंबे समय से लगाता रहा है। अमेरिका में सालाना आने वाले शरणार्थियों की संख्या को 7,500 तक सीमित करते हुए प्रशासन ने संकेत दिया कि अधिकतर शरणार्थी वे श्वेत दक्षिण अफ्रीकी होंगे जिन्हें अपने देश में भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने कहा है कि वह भेदभाव के आरोपों से आश्चर्यचकित है देश में श्वेतों का जीवन स्तर अश्वेत लोगों की तुलना में सामान्यतः बेहतर है।

ब्रिटिश जासूसों ने निज्जर हत्याकांड की कनाडा को सौंपी थी खुफिया जानकारी

लंदन, एजेंसी

- **इसी रिपोर्ट के आधार पर कनाडा ने किया था निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का दावा**

इस सप्ताह जारी एक नए वृत्तचित्र में दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया एजेंसी की ओर से 'इंटरसेप्ट' की गई फोन कॉल की मदद से ही कनाडाई अधिकारियों ने जून 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत के बीच कथित संबंध का पता लगाया। इन फोन कॉल्स में कथित तौर पर तीन लक्ष्यों पर चर्चा की जा रही थी।

'ब्लूमबर्ग ओरिजिनल्स' के वृत्तचित्र 'इनसाइड द डेथ्स दैट रॉक्ड इंडियाज रिलेशंस विद द वेस्ट' में यह दावा किया गया है। निज्जर कनाडाई सिख था जिसे भारत ने 2020 में खालिस्तानी आतंकवाद के लिए आतंकवादी घोषित किया था। वह उन नामों में शामिल था जिनकी जानकारी ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 'फाइव आइज' खुफिया साझेदारी समझौते के तहत कनाडाई अधिकारियों को सौंपी गई थी। वीडियो वृत्तचित्र में दावा किया गया है, जुलाई 2023 के अंत में निज्जर हत्या मामले की जांच में एक महत्वपूर्ण प्रगति तब हुई थी, जब ब्रिटेन को संबंधित जानकारी प्राप्त हुई थी। दावा किया गया है कि ब्रिटिश खुफिया जानकारी कड़े नियमों के तहत साझा की गई थी और उसे हाथ से कनाडा की राजधानी ओटावा पहुंचाया गया था तथा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर अपलोड नहीं किया गया। उसे देखने की अनुमति भी केवल लंदन द्वारा पूर्वस्वीकृत चुनिंदा कनाडाई अफसरों को ही दी गई थी।

दावा किया गया है, यह फाइल ब्रिटिश खुफिया एजेंसी द्वारा उन व्यक्तियों के बीच की बातचीत का सारांश थी, जिनके बारे में मानना है कि वे भारत सरकार की ओर से काम कर रहे थे। इसमें आरोप लगाया गया है, उन्होंने तीन लक्ष्यों पर चर्चा की थी, हरदीप निज्जर, अवतार सिंह खंडा और गुरपतवंत सिंह पन्नू। बाद में इस बारे में बातचीत हुई कि निज्जर को कैसे सफलतापूर्वक खत्म किया गया। खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सिख खंडा की जून 2023 में ब्रिटेन के बर्मिंघम शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। वह रक्त कैंसर से पीड़ित था और ब्रिटेन में कुछ समूहों के आरोपों के बावजूद, ब्रिटिश अधिकारियों ने कहा कि उसकी मृत्यु से जुड़ी संदिग्ध परिस्थितियां नहीं थीं।

कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 2023 में अपनी संसद में बयान दिया था कि उनके सुरक्षा बल ब्रिटिश कोलंबिया में निज्जर की हत्या से भारतीय सरकारी एजेंट को जोड़ने वाले विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय जांच कर रहे हैं। अक्टूबर 2024 में, भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया और इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित भी कर दिया। इस वर्ष अप्रैल में संसदीय चुनाव में कार्नी की जीत के बाद संबंध फिर सुधारने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

ट्रंप ने किया ओहायो के गवर्नर पद के लिए रामास्वामी का समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2026 में ओहायो के गवर्नर पद के लिए विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। उन्होंने रामास्वामी को पूर्ण समर्थन देते हुए उन्हें कुछ खास बताया और ओहायो की महान राज्य के रूप में प्रशंसा की।

बायोटेक उद्यमी और पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 38 वर्षीय रामास्वामी ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रंप! आइए ओहायो को पहले से कहीं बेहतर बनाएं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर रामास्वामी चुने जाते हैं तो वे एक महान गवर्नर साबित होंगे। विवेक महान राज्य ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, एक ऐसा राज्य जिसे मैं प्यार करता हूं और जहां मैंने 2016, 2020 और 2024 में तीन बार बड़ी जीत हासिल की है! मैं विवेक को अच्छी तरह जानता हूं, उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा की है, और वह कुछ खास हैं।

यूक्रेन की आवासीय इमारत पर रूस का ड्रोन हमला, चार लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

पूर्वी यूक्रेन में शनिवार तड़के एक रूसी ड्रोन एक टॉवर ब्लॉक से टकरा गया, जिस समय कई लोग सो रहे थे। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के चौथे सबसे बड़े शहर दनिप्रो में यह हमला हुआ।

यह हमला देश की बिजली अवसंरचना पर रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों के तहत किया गया। इसमें खारकीव में एक बिजली कंपनी के एक कर्मचारी की भी मृत्यु हो गई। पूर्वी यूक्रेन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर पोकरोव्स्क के लिए लड़ाई महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गई है।

कीव और मॉस्को दोनों ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे युद्ध के मैदान में जीत हासिल कर सकते हैं। रूस ने कुल 458 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागीं, जिनमें 32 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि उसने 406 ड्रोन और नौ मिसाइलों को मार गिराया और निष्क्रिय कर दिया। साथ ही, 25 स्थानों पर हमले किए गए।

पाकिस्तान ने रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शनिवार को तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और एकीकृत कमान सुनिश्चित करने के लिए रक्षा बल प्रमुख का नया पद सृजित करने के लिए संवैधानिक संशोधन पेश किया। संसद में प्रस्तुत 27वें संविधान संशोधन विधेयक में संविधान के अनुच्छेद 243 में परिवर्तन का प्रस्ताव है।

यह अनुच्छेद अन्य मुद्दों के अलावा सशस्त्र बलों से संबंधित है। संशोधन विधेयक के तहत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर सेना प्रमुख और रक्षा बल प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। इसमें कहा गया है कि थलसेना अध्यक्ष रक्षा बलों के प्रमुख भी होंगे। वह प्रधानमंत्री के परामर्श से 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' के प्रमुख की नियुक्ति करेंगे। 'नेशनल स्ट्रेटजिक कमांड' का प्रमुख पाकिस्तानी सेना से होगा। सरकार सशस्त्र बलों के व्यक्तियों को फील्ड मार्शल, मार्शल ऑफ द एयर फोर्स और एडमिरल ऑफ द फ्लीट के पदों पर पदोन्नत कर सकेगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 10 नवंबर 01.54 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

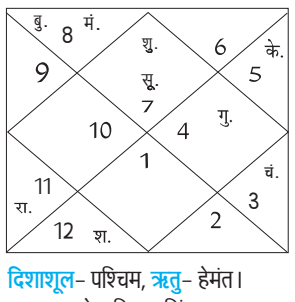

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- आर्द्रा 20.04 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज लोग आपके ऊपर पूर्ण विश्वास रखेंगे। विदेश में शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। आप कुछ दिनों की छुट्टियों के विषय में योजना बना सकते हैं। ऑनलाइन में लेन-देन में बड़ा लाभ मिल सकता है।

वृष — आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। अनुभवी व्यक्तियों से मार्गदर्शन लेना लाभकारी होगा। व्यर्थ की गतिविधियों में समय नष्ट होगा। महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, इसीलिये लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मिथुन — आज आप अत्यंत आनंदित रहेंगे। कारोबार में सबकुछ आपके अनुसार ही होता प्रतीत होगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आपकी कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज का दिन यात्राओं के लिए सुखद नहीं रहेगा। कोई जरूरी निर्णय अचानक लेना पड़ेगा। सहयोगी आपसे किसी बात को लेकर असहमत हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों के लिए समय अवश्य निकालें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

सिंह — आज दोपहर के बाद शुभ समाचार मिलने की संभावना है। कारोबार में उत्तम धन लाभ हो सकता है। रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धैर्यपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कन्या — आज कारोबारी लक्ष्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। नए घर या जमीन में निवेश सकते हैं। संतान की उन्नति से गौरवान्वित महसूस करेंगे। जीवनसाथी से सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। दूसरों की बातों को अधिक तूल न दें।

तुला — आज अनावश्यक खर्चे नियंत्रित कर पाएंगे। आपको पड़ोसियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिए। आपके काम रुक-रुक कर होंगे। शत्रु पक्ष अचानक से आपके विरुद्ध सक्रिय हो सकता है। काल्पनिक विचारों से दूरी बनाकर रखें।

वृश्चिक — आज अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को किसी से शेयर न करें। आपको अपने मान-सम्मान की चिंता रहेगी। रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, लेकिन आप किसी कारण इससे प्रसन्न नहीं रहेंगे।

धनु — आज इस समय सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल हैं। आपके एक अच्छे मित्र की भूमिका निभाएगा। अपना मन प्रत्येक स्थिति में शांत रखें। जीवनसाथी घर के लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

मकर — आज किसी बड़ी समस्या का समाधान होने से निश्चिंत होंगे। यदि मन में किसी प्रकार का कोई भय था, तो वह दूर हो जाएगा। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति मन में सम्मान और आदर का भाव उत्पन्न होगा।

कुंभ — आज गृह निर्माण के कार्य तेजी से पूर्ण होंगे। प्रेम संबंधी मामलों में निराशा हाथ लग सकती है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। मित्रों के परामर्श पर गंभीरता से ध्यान दें। संतान को लेकर कुछ परेशानी होने की आशंका है।

मीन — आज निजी रिश्तों को लेकर गंभीर रहें। काम न बनने के कारण मन निराश हो सकता है। इस समय नया कार्य आरंभ करना उचित नहीं है। आत्मविश्वास में कमी महसूस कर सकते हैं। योग और प्राणायाम करना उत्तम होगा।

सुडोकू-155

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			3	4	
4	5							
	4	5					7	8
9								5
	1	7					9	6
							6	9
	6	2	3					

सुडोकू - 154 का हल

8	1	7	4	6	5	2	9	3
4	2	5	1	9	3	6	7	8
6	3	9	2	7	8	1	5	4
5	9	6	3	2	1	8	4	7
3	7	4	6	8	9	5	1	2
1	8	2	7	5	4	3	6	9
2	5	8	9	4	6	7	3	1
9	6	1	8	3	7	4	2	5
7	4	3	5	1	2	9	8	6

ऋचा घोष ने राज्य को गौरवान्वित किया है। मुझे उम्मीद है कि वह अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी और एक दिन भारतीय महिला टीम की कप्तान बनेंगी। ऋचा को सम्मानित करने से हमें अति प्रसन्नता हो रही है।

-सौरव गांगुली

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार 9 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

डब्ल्यूटीए टेनिस फाइनल्स के सेमीफाइनल में बेलारूस की एरिना सबालेंका संयुक्त राज्य अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ रिटर्न करती हुईं। एजेंसी

सबालेंका और रिबाकिना में होगा खिताबी मुकाबला

रियाद (सऊदी अरब)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रिबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया।

पहले टेस्ट के लिए आज पहुंचेंगे गिल

कोलकाता : कप्तान शुभमन गिल समेत भारतीय टेस्ट टीम के चार सदस्य दो मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से पहले दक्षिण अफ्रीका के पूरे दल के साथ रविवार शाम को यहां पहुंचेंगे। एक स्थानीय टीम मैनेजर ने पीटीआई को बताया, शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल ब्रिस्बेन से सीधे कोलकाता के लिए उड़ान भरेंगे। उनके शाम तक चेक-इन करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम भी रविवार को चेक-इन करेगी। बाकी भारतीय टेस्ट खिलाड़ियों के सोमवार को ग्रुप में पहुंचने की उम्मीद है जिनकी ट्रेनिंग मंगलवार से शुरू होगी।

ऋचा घोष बंग भूषण पुरस्कार से सम्मानित

कोलकाता : विश्व कप विजेता विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष को शनिवार को ईडन गार्डन्स में एक भव्य समारोह में सम्मानित किया गया जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार ने उन्हें बंग भूषण पुरस्कार, पुलिस उपाधीक्षक पद और सोने की एक चेन भेंट की। ईडन गार्डन्स में इस समारोह का आयोजन करने वाले बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने उन्हें 34 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जो विश्व कप फाइनल में उनके द्वारा बनाए गए प्रत्येक रन के लिए एक एक लाख रुपये के हिसाब से था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रशंसकों और गणमान्य व्यक्तियों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच व्यक्तिगत रूप से बंग भूषण पदक, डीएसपी नियुक्ति पत्र और सोने की चेन सौंपी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज जीती

बारिश के कारण पांचवां मुकाबला रद्द, मैच रोके जाने तक टीम इंडिया ने बना लिए थे बगैर विकेट खोए 52 रन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

भारत ने शनिवार को यहां बारिश के कारण पांचवां और अंतिम मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी-20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

गाबा मैदान पर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (13 गेंद में नाबाद 23 रन) और शुभमन गिल (16 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ आक्रामक शुरुआत की। लेकिन बिजली चमकने से खेल रुक गया, तब भारत ने 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई जिससे मैच रद्द करना पड़ा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के पास खतरनाक अभिषेक को जल्दी आउट करने के मौके थे लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहा। ग्लेन मैक्सवेल ने शुरुआती ओवर में बाएं हाथ के बल्लेबाज का एक आसान कैच छोड़ दिया, जबकि चौथे ओवर में जब अभिषेक 11 रन पर थे तब बेन ड्वारशुइस ने उनका कैच टपका दिया। तीन गेंद बाद अभिषेक ने मिडविकेट पर एक जोरदार छक्का लगाकर भारतीय प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया। सीरीज का पहला टी-20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था। भारत ने तीसरे और चौथे मैच में क्रमशः पांच विकेट और 48 रन से जीत हासिल करते हुए जबरदस्त वापसी की।

आस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श भारतीय टीम से हुए प्रभावित

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने महत्वपूर्ण मौकों पर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए अपनी टीम की गहराई और अनुकूलन क्षमता की प्रशंसा की। मार्श ने कहा मुझे याद नहीं कि पिछली बार जब हम खेले हों तो बारिश ने इतनी बार खलल डाला हो। वैसे यह शानदार सीरीज थी। भारत ने निश्चित रूप से अहम समय में मैच जीते, उन्हें बधाई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस दौरे से उनकी टीम को अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ और संयोजन को परखने में मदद मिली।

मैंने ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के लिए खुद को अच्छी तरह तैयार किया : अभिषेक

ब्रिस्बेन : अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलियाई चुनौती का सामना करने के लिए महीनों तक 'मानसिक और तकनीकी रूप से' खुद को तैयार किया जिसका नतीजा भारत के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीतने के बाद इस युवा सलामी बल्लेबाज को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। शीर्ष क्रम में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा कि वह लंबे समय से उछाल भरी ऑस्ट्रेलियाई पिचों और उच्च-स्तरीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्सुक थे। अभिषेक ने पांच मैच में 163 रन बनाए जबकि दो मैच बारिश के कारण रद्द हो गए थे। उन्होंने पांचवें और अंतिम टी-20 मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद कहा मैं इस टूर्नामेंट का इंतजार कर रहा था। जब मुझे पता चला कि हम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे हैं तो मैं बहुत उत्साहित था। उन्होंने कहा अपने पूरे करियर में मैंने देखा है कि ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए बहुत अनुकूल है और मैं खुद को इस तरह के गेंदबाजों और परिस्थितियों के लिए तैयार करना चाहता था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी तैयारी विश्वस्तरीय तेज गेंदबाजों का सामना करने और ऑस्ट्रेलियाई पिचों के हिसाब से अपने खेल को ढालने पर केंद्रित थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या पिछले तीन टी20 मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से भारतीय खिलाड़ियों के लिए चीजें थोड़ी आसान हो गई थीं तो अभिषेक ने कहा अगर आपको अच्छा क्रिकेट खेलना है और अपनी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना है तो आपको विश्वस्तरीय गेंदबाजों का सामना करना होगा। मैं इस तरह के गेंदबाजों के लिए अभ्यास कर रहा था क्योंकि इसी तरह आप एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होते हैं। उनकी बल्लेबाजी के अति-आक्रामक रवैये के बारे में पूछने पर अभिषेक ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी दी।

अभिषेक शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' के रूप में सम्मानित किया गया। एजेंसी

कप्तान ने गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने खिलाड़ियों विशेषकर गेंदबाजों की खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा जिस तरह से सभी ने योगदान दिया और जिस तरह से हमने 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की, उसका श्रेय सभी खिलाड़ियों को जाता है। यह बल्ले, गेंद और मैदान में भी अच्छी श्रृंखला रही। तेज गेंदबाज और स्पिनर, दोनों ही अपना काम बखूबी जानते हैं। सूर्यकुमार ने कहा बुमराह और अर्शदीप की जोड़ी बेहद खतरनाक है। और फिर अक्षर और वरुण भी अच्छा कर रहे हैं। और वाशी (वाशिंगटन सुंदर) ने आखिरी मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। अब वे काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं जिससे उन्हें फायदा मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी श्रृंखला भारत को अगले साल घरेलू टी20 विश्व कप के लिए अच्छी तरह तैयार करेगी। सूर्यकुमार ने कहा यह एक अच्छा सरदर्द है, कई खिलाड़ी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। तीन मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के साथ खेलना विश्व कप से पहले एक शानदार तैयारी होगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलना चुनौतीपूर्ण, लेकिन रोमांचक होगा। सूर्यकुमार ने कहामैंने हाल में देखा कि महिला टीम ने भारत में विश्व कप जीता, दर्शकों का अविश्वसनीय समर्थन मिला। यह एक अच्छी चुनौती और रोमांचक टूर्नामेंट होगा, लेकिन यह अब भी बहुत दूर है। दो और श्रृंखला बाकी हैं।

माधव और आर्यन के नाबाद शतक से उत्तर प्रदेश मजबूत

रणजी ट्रॉफी

- **नागालैंड के खिलाफ मुकाबले के पहले दिन एक विकेट पर बनाए 301 रन**
- **कौशिक 120 और जुयाल 118 रन बनाकर क्रीज पर डटे, आज बन सकता है बड़ा स्कोर**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शीर्ष बल्लेबाज माधव कौशिक और विकेट कीपर आर्यन जुयाल के नाबाद शतकों के दम पर मेजबान उत्तर प्रदेश ने नागालैंड के खिलाफ अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

शनिवार को ग्रीनपार्क मैदान में खेले गए रणजी मुकाबले के पहले दिन उप्र ने नागालैंड के खिलाफ पहले दिन 90 ओवर में एक विकेट पर 301 रन बनाए। विकेट पर इस समय माधव 120 और आर्यन 118 रन बनाकर खेल रहे हैं। उप्र का एकमात्र विकेट अभिषेक गोस्वामी (55) का गिरा।

सीजन में तीन मुकाबलों में सात अंक लेकर एलीट ग्रुप-ए में पांचवें स्थान पर चल रही उत्तर प्रदेश की टीम शनिवार को नागालैंड के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने के इरादे से उतरी। कप्तान करन शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। ओपनर अभिषेक गोस्वामी और माधव कौशिक ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी की। 37.5 ओवर में इम्लीवति ने अभिषेक को क्लीन बोल्ड कर टीम को पहली सफलता दिलायी। अभिषेक 100 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। माधव ने पहले पायदान पर उतरे आर्यन के साथ मिलकर नागालैंड के गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लेते हुए टीम को बड़े स्कोर की राह दिखायी। दोनों बल्लेबाजो ने दिन का खेल खत्म होने तक बिना किसी अन्य नुकसान के 183 रनों की नाबाद साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 301 रनों तक पहुंचा दिया है।

रन के लिए दौड़ते माधव कौशिक व आर्यन जुयाल। अमृत विचार

विश्व शतरंज में हरिकृष्णा व प्रणव अंतिम 32 में पहुंचे

पणजी : भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और वी प्रणव ने शनिवार को यहां दूसरे राउंड की दूसरी बाजी के अंत में क्रमशः बेल्जियम के डेनियल दर्धा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 अंकों से हराकर विश्व शतरंज कप के अंतिम 32 चरण में जगह बना ली।

टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले हरिकृष्णा कट बनाने वाले पहले भारतीय बन गए क्योंकि दर्धा शुरुआती गेम में सफेद मोहरों से खेलने के बावजूद प्रभावित नहीं कर सके। प्रणव ने भी काले मोहरों से स्ट्रेमाविसियस को बराबरी पर रोकने के बाद सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। दिप्तयान घोष हालांकि अर्मेनिया के गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ अपनी लय खोकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पिछले दौर में रूस के इयान नेपोमनियाची को हरने वाले इस खिलाड़ी ने पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद दिप्तयान दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए। बेहतर रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरिगैसी और प्रज्ञानानंदा ने भी क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन और आर्मेनिया के रॉबर्ट को हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई।

ध्रुव जुरेल ने भारत ए के लिए जड़ा लगातार दूसरा शतक

बेंगलुरु, एजेंसी

विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शनिवार को यहां चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ दूसरी पारी में लगातार दूसरा शतक जड़कर भारतीय टेस्ट एकादश में अपनी जगह पक्की करने की तरफ कदम बढ़ाने के साथ भारत 'ए' की स्थिति मजबूत कर दी। जुरेल (नाबाद 127) ने छठे विकेट के लिए हर्ष दुबे (84) के साथ 184 रनों की साझेदारी की जिससे भारत ए ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 382 रन बनाकर घोषित कर दी जिससे टीम की कुल बढ़त 416 रन की गई।

दक्षिण अफ्रीका ए ने स्टंप्स के समय बिना किसी नुकसान के 25 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए और 392 रनों की और जरूरत है। स्टंप्स के समय लेसेगो सेनोक्वेन (नौ) और जॉर्डन हरमन (15) क्रीज पर थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की पिछली टेस्ट श्रृंखला में नियमित विकेटकीपर ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण जुरेल ने टीम में इस भूमिका को निभाते हुए दूसरे टेस्ट में शतक जड़ा था। पंत के चोट से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी के बावजूद इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो शतक जड़ने वाले जुरेल अंतिम एकादश में अपनी जगह बरकरार रखे। उन्होंने पहली पारी में नाबाद 132 रन बनाये थे। जुरेल ने पहली पारी की तरह दूसरी पारी में भी दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। जुरेल ने दमदार रक्षात्मक खेल के दम पर एक बार फिर दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

- **टेस्ट टीम के लिए मजबूत किया अपना दावा**
- **दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ 416 रनों की बढ़त**

पंत चोट के बावजूद बल्लेबाजी के लिए लौटे

बेंगलुरु : भारत 'ए' के कप्तान ऋषभ पंत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय मैच के तीसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए दोबारा मैदान पर उतरते ही चोट की चिंताओं को दूर कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज शेपो मोराकी की गेंद पर तीन बार चोट लगने के बाद पंत को एहतियात के तौर पर मैदान से बाहर ले जाया गया था। पंत जब रिटायर हर्ट हुए तब वह 22 गेंद में 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

रविंदर ने निशानेबाजी में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय निशानेबाजी टीम को अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले ही दिन शानदार शुरुआत मिली, जब रविंदर सिंह ने पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया।

इसके बाद दो बार की ओलंपियन और एशियाई चैंपियन एलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का पहला व्यक्तिगत विश्व पदक है। यह फाइनल दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन बान ह्यो-जिन ने जीता।

रविंदर ने पुरुषों की फ्री पिस्टल स्पर्धा में 569 अंक बनाकर 47 खिलाड़ियों में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम स्पर्धा में रविंदर (569), कमलजीत (540, 20वां) और योगेश कुमार (537, 24वां) ने मिलकर रजत पदक जीता।

महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिकेशन में एलावेनिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 633.4 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया, जबकि कोरिया की बान ह्यो-जिन ने 633.0 के स्कोर के साथ आठवां और अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान पाया। चीन की हान जियायू ने 635.1 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान पाया। उनके साथ फाइनल में चीन की ही वांग ज़िफेई भी पहुंचीं, जिन्होंने अंत में रजत पदक जीता। एलावेनिल ने एशियाई चैंपियनशिप (शिमकेंट) की तरह इस बार भी शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ही शॉट में 10.8 दागा और पहले दो सीरीज के बाद चौथे स्थान पर रहीं। 14वें शॉट के बाद वह कोरिया की बान के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंचीं। 17वें शॉट पर 10.9 के बुल्सआई के साथ उन्होंने बढ़त हासिल की, लेकिन 19वें शॉट पर 10.0 मारने के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गईं।

रविंदर सिंह व एलावेनिल वलारिवान।

- **आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक**

फ्रेडरिक स्वेन से हारकर विश्व चैंपियन गुकेश बाहर

पणजी (गोवा) : विश्व चैंपियन डी गुकेश शनिवार को यहां जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से तीसरे दौर का मैच हारकर शतरंज विश्व कप से बाहर हो गए, जबकि अर्जुन एरिगैसी और आर. प्रज्ञानानंदा अंतिम-32 चरण में पहुंचने में सफल रहे।

गुकेश को तीसरे दौर की दूसरी बाजी में हार का सामना करना पड़ा। बेहतर रैंकिंग वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में एरिगैसी और प्रज्ञानानंदा ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। इससे पहले भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और वी प्रणव दूसरे चरण की दूसरी बाजी में जीतकर अंतिम 32 चरण में जगह बना ली।

गतिरोध हटा | आईसीसी ने मोहसिन नकवी और बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया में कराई बात

एशिया कप ट्रॉफी का खत्म होगा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने दुबई में आईसीसी की बैठक के इतर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से मुलाकात के बाद पीटीआई को बताया कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर गतिरोध दूर करने में कामयाब रहे हैं और आने वाले दिनों में इसका कोई उचित समाधान निकालने की दिशा में काम किया जाएगा।

नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने भारत को एशिया कप ट्रॉफी नहीं सौंपी क्योंकि विजेता भारतीय टीम ने उनके भारत विरोधी रवैए के कारण उनसे ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने 28 सितंबर को दुबई में हुए टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

सैकिया ने शनिवार को पीटीआई से कहा मैं आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की अनौपचारिक और औपचारिक दोनों बैठकों का हिस्सा था। पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी मौजूद थे। औपचारिक बैठक के दौरान यह एजेंडा में नहीं था, लेकिन आईसीसी ने अपने एक सीनियर पदाधिकारी और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में मेरी और पीसीबी प्रमुख के बीच अलग से बैठक कराई। उन्होंने कहा बातचीत की प्रक्रिया शुरू करना वाकई अच्छा रहा। दोनों पक्षों ने आईसीसी बोर्ड बैठक के दौरान हुई बैठक में सौहार्दपूर्ण ढंग से भाग लिया। सैकिया ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समाधान निकाल लिया जाएगा। बीसीसीआई सचिव ने हालांकि आईसीसी के किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा और सीईओ संजोग गुप्ता ने दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच चर्चा शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया।

विकल्पों पर काम किया जाएगा : सैकिया

बीसीसीआई के सचिव सैकिया ने कहा निश्चित रूप से यदि चीजें सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ती हैं तो इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। दोनों पक्ष जल्द इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कुछ न कुछ करेंगे। अब गतिरोध दूर हो चुका है इसलिए विभिन्न विकल्पों पर काम किया जाएगा। दूसरे पक्ष के पास भी विकल्प होंगे और हम इस मुद्दे को सुलझाने और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के विकल्प भी देंगे। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि इस विवाद को सुलझाने के लिए आईसीसी एक विवाद समाधान समिति गठित करेगी लेकिन उन्होंने इससे इन्कार किया।